A Daily News Magazine
इंदौर
सोमवार, 24 नवम्बर, 2025

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 11 अंक 59, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

सुबह सवेरे

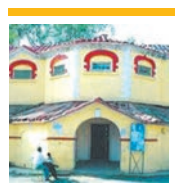

प्रसंगवश

भारत को तलाक-ए-हसन पर सवाल उठाने में 70 साल क्यों लगे?

आमना बेगम

सुप्रीम कोर्ट ने 2017 में तत्काल तीन तलाक को गैरकानूनी घोषित कर दिया था और संसद ने 2019 में कानून बनाकर इस फैसले को पक्का कर दिया, लेकिन जहां तलाक-ए-बिद्दत को मनमाना और क्रूर बताकर खत्म कर दिया गया, वहीं तलाक-ए-हसन पर ध्यान नहीं दिया गया। यह तरीका ज़रूर हल्का है, लेकिन क्या व्यवहार में यह कम असमान है?

इसमें अभी भी पति को यह अधिकार है कि वह हर महीने एक बार 'तलाक' कहकर अकेले ही शादी खत्म कर दे। अब भारतीय सुप्रीम कोर्ट आखिरकार यह देखने की ओर ध्यान दे रहा है कि क्या ऐसी एकतरफा प्रक्रिया संवैधानिक लोकतंत्र में जारी रह सकती है, जो बराबरी को महत्व देने का दावा करता है। आखिर तत्काल और धीरे-धीरे होने वाले अन्याय में फर्क सिर्फ प्रक्रिया का लगता है, नैतिकता का नहीं।

कोर्ट की हैरानी साफ झलक रही थी। तलाक-ए-हसन और इसके लैंगिक समानता पर असर को लेकर दायर याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए जजों ने आखिर वह सवाल पूछ लिया जो हम में से कई लोग सालों से पूछते आ रहे हैं- 'आधुनिक समाज में यह कैसे अनुमति दी जा सकती है?'

मिली-जुली याचिकाओं में कहानी ऐसी थी जिसने कानूनी भाषा को पीछे छोड़कर इस प्रथा की असली मानवीय कीमत दिखा दी- बेगम बेनज़ीर हिना, एक मुस्लिम महिला–जिनके पति ने तो खुद तलाक कहना भी ज़रूरी नहीं समझा। उनकी तरफ से एक वकील ने तलाक की घोषणा कर दी, और शादी खत्म करने की प्रक्रिया एक साधारण औपचारिकता बन गई और इसकी सज़ा हिना को ही भुगतनी पड़ी। वे अपने बच्चे को स्कूल में भी दाखिला नहीं दिला सकीं क्योंकि उनके पास अपनी वैवाहिक होने का कोई 'मान्य' सबूत नहीं था। वे धार्मिक प्रक्रिया और सरकारी नियमों की दीवार के बीच फंस गईं। जब कोर्ट ने वकीलों द्वारा तलाक बोलने की प्रथा की निंदा की और कहा कि धार्मिक ढांचे के भीतर भी गरिमा बनी रहनी चाहिए, तो यह सिर्फ एक कानूनी कमी को संबोधित करना नहीं था। यह उन महिलाओं की जीती-जागती बेइज्जती को स्वीकार करना था जिन्हें इन प्रणालियों के बीच अकेले ही रास्ता तलाशना पड़ता है।

हां, तलाक-ए-हसन को अक्सर 'बेहतर' तरीका कहा जाता है क्योंकि यह प्रक्रिया तीन महीने तक चलती है, लेकिन यह न्यायसंगत नहीं है। भारत में यह अभी भी एकतरफा, अदालत के दायरे से बाहर चलने वाली व्यवस्था है, जहां सिर्फ पति की इच्छा से शादी खत्म हो सकती है और महिला के अधिकार अधर में लटक जाते हैं। फिर भी, समुदाय इसे पहचान खोने के एक काल्पनिक डर से पकड़े बैठा है, जबकि इससे होने वाले असली दर्द को नज़रअंदाज़ करता है।

आज के भारत में महिलाएं, खासकर गरीब और हाशिये पर रहने वालीं, सबसे बड़ा बोझ उठाती हैं- समाज का दबाव, संसाधनों की कमी और कानूनी मदद तक सीमित दायरा। हम ऐसी व्यवस्था का बचाव कैसे कर सकते हैं जो उन्हें कोई सुरक्षा ही नहीं देती? जब पढ़ी-लिखी, सुविधाओं वाली महिलाएं भी शादी से जुड़े मामलों में सालों तक न्याय के लिए संघर्ष करती हैं, तो जिनके पास न पैसा है न परिवार का सहारा, उनके लिए क्या ही उम्मीद बचती है?

जो समाज महिलाओं को पुराने नियमों में बांधकर रखता है, लेकिन उन्हें कोई सुरक्षा नहीं देता, वह परंपरा नहीं बचा रहा बल्कि असल में अपनी ही महिलाओं को छोड़ रहा है। पाकिस्तान जैसा देश, जो महिलाओं के लिए प्रगतिशील सुधारों का कोई बड़ा उदाहरण नहीं माना जाता, वहां भी यूनियन काउंसिल को औपचारिक सूचना देना ज़रूरी है; कागज़ों के बिना दिया गया मौखिक तलाक कानूनी रूप से मान्य नहीं होता। यूएई या सऊदी अरब जैसे मुस्लिम-बहुल देशों में भी परिवार से जुड़े कानून तय किए गए हैं, जो महिलाओं के अधिकारों को पहचानते हैं। उदाहरण के तौर पर यूएई में पत्नी इसमा (Isma') यानी अनुबंध के अधिकार के आधार पर तलाक मांग सकती है, या 'नुकसान' साबित करके तलाक ले सकती है और 'नुकसान' शब्द को इतना व्यापक रखा गया है कि उसमें न्याय और सुरक्षा के लिए जगह बन सके।

लेकिन भारतीय मुसलमानों के पास ऐसा कोई तय परिवार कानून नहीं है जिस पर वो भरोसा कर सकें। हमें तो अदालत की उस परिभाषा पर निर्भर रहना पड़ता है, जो शरिया की चुनिंदा व्याख्याओं पर आधारित होती है और इस कारण महिलाओं को एक ऐसी व्यवस्था में रास्ता ढूंढ़ना पड़ता है, जो पूरी तरह अनिश्चितता पर टिकी है।

भारत की ज्यादातर मुस्लिम महिलाओं को यह तक पता नहीं होता कि उनके अधिकार क्या हैं और जो संगठन समुदाय की आवाज़ बनने का दावा करते हैं–जैसे ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (AIMPLB) वह भी महिलाओं के अधिकारों की रक्षा करने में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाते। उनमें महिलाओं के साथ खड़े होने का नैतिक साहस ही नहीं है। यही दर्दनाक सच्चाई है- सुधार का विरोध कभी धर्म के बारे में नहीं रहा; वह हमेशा महिलाओं पर नियंत्रण बनाए रखने के बारे में रहा है।

एक पासमांदा मुस्लिम महिला होने के नाते, मुझे यह दुख ऐसे महसूस होता है जिसे शब्दों में कहना मुश्किल है कि इस देश को हमारी समुदाय की महिलाओं के घावों को देखने में ही 70 साल से अधिक लग गए। मैं अक्सर कहती हूं कि यह ऐसा लगता है जैसे एक ऐसे देश का सौतेली बेटी जैसा व्यवहार हो, जो दावा करता है कि उसका आधार न्याय पर बना है। क्या हम मुस्लिम महिलाएं भी उसी भारत माता की बेटियां नहीं हैं? फिर क्यों हमारी हिंदू बहनों को सही तौर पर एक के बाद एक सुधार देखने को मिले और हम अब तक इंतज़ार में ही रह गईं, अनसुनी, अनदेखी?

पहली बार, हमारे संघर्ष अब मुख्यधारा की चर्चा में आ रहे हैं और यह अपने आप में एक अजीब-सी राहत देता है। सुधार की संभावना आज दशकों की घुटन के बाद ऑक्सीजन जैसी लगती है। इससे उम्मीद बनती है कि हमारी बेटियां और उनकी अगली पीढ़ियां, वही खामोशी विरासत में नहीं लेंगी और इसके लिए हमें बेनज़ीर हिना जैसी महिलाओं का शुक्रिया करना चाहिए जो कीमत चुकाकर भी लड़ती हैं, ताकि वह रास्ता बने जो हमें बहुत पहले मिल जाना चाहिए था। आख़िर में, मैं उसी बात पर लौटती हूं जो मेरे धर्म ने मुझे सिखाई है- कुरान का सुधार का आह्वान, यह आदेश कि हर दौर और हर परिस्थिति में हम अपनी दुनिया को और ज्यादा न्यायपूर्ण बनाने की कोशिश करते रहें।

(द प्रिंट हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

शरद की सुबह

बहुत दिनों बाद
कल मैंने
अपना फेंटा धोया।
नल की धार के नीचे
जब वह लाल फेंटा
धुल रहा था
मुझे लगा
जैसे मैं अपने सिर से
अपने गांव की धूल—
सड़कों–गलियों—खेतों–खलिहानों की
गंध धो रहा हूं।
फेंटा सिर्फ कपड़ा नहीं होता,
वह अपने साथ
बहुत–सी यादें,
बहुत–सा इतिहास
और बहुत–सा पसीना लिए रहता है।

उसे धोना
मानो अपने आप को
थोड़ा नया कर लेना है।

\- केदारनाथ सिंह

अमेरिकी बॉयकॉट के बावजूद जी-20 घोषणापत्र मंजूर

जोहान्सबर्ग (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बॉयकॉट के बावजूद 20वीं जी 20 समिट के पहले दिन शनिवार को सदस्य देशों ने साउथ अफ्रीका के बनाए घोषणा पत्र को सर्वसम्मति से मंजूर कर लिया। साउथ अफ्रीकी राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा ने बताया कि सभी देशों का अंतिम बयान पर सहमत होना बेहद जरूरी था, भले ही अमेरिका इसमें शामिल नहीं हुआ। वहीं, ट्रम्प ने आखिरी सेशन में 2026 की मेजबानी लेने के लिए एक अमेरिकी अधिकारी को भेजने की बात कही थी। रॉयटर्स के मुताबिक, दक्षिण अफ्रीकी अध्यक्षता ने अमेरिकी अधिकारी को मेजबानी सौंपने के प्रस्ताव को नकार दिया। अफ्रीकी राष्ट्रपति रामफोसा ने जी 20 की अगली अध्यक्षता खाली कुर्सी को सौंप दी।

इस बार के जी 20 समिट में दो बड़ी परंपराएं टूट गईं और यही वजह है कि यह बैठक ऐतिहासिक रूप से अलग मानी जा रही है। पहली परंपरा मेजबानी सौंपने की है। हर जी 20 समिट में पिछले साल की मेजबानी करने वाला देश, इस साल के मेजबानी देश को औपचारिक रूप से 'गवेल' (अध्यक्षता का प्रतीक) सौंपता है। यह एक लाइव सेरेमनी होती है, जिसमें दोनों देशों के नेता आमने-सामने मौजूद रहते हैं। इस बार अमेरिका की तरफ से राष्ट्रपति ट्रम्प शामिल नहीं हुए।

साउथ अफ्रीकी राष्ट्रपति ने ट्रम्प की मांग नहीं मानी, खाली कुर्सी को सौंपी मेजबानी

मोदी बोले-पुराने डेवलपमेंट मॉडल को बदलना जरूरी

पीएम मोदी ने जी 20 समिट के पहले दो सत्रों को संबोधित किया। पहले सेशन में उन्होंने वैश्विक चुनौतियों पर भारत का नजरिया दुनिया के सामने रखा। मोदी ने पुराने डेवलपमेंट मॉडल के मानकों पर दोबारा सोचने की अपील की। उन्होंने कहा- पुराने डेवलपमेंट मॉडल ने रिसोर्स छीने, इसे बदलना जरूरी है। वहीं समिट के दूसरे सत्र में पीएम ने भारत के श्री अन्न (मोटा अनाज), जलवायु परिवर्तन, जी 20 सैटेलाइट डेटा पार्टनरशिप और डिजास्टर रिस्क रिडक्शन पर बात की। पीएम मोदी ने कहा- जी 20 ने भले ही दुनिया की अर्थव्यवस्था को दिशा दी हो, लेकिन आज की ग्लोबल विकास मॉडल के पैरामीटर्स ने बड़ी आबादी को रिसोर्स से वंचित किया है।

सरकार चाहती है भारत में मुस्लिम सिर न उठाएं

- **मौलाना मदनी के आरोप, कांग्रेस का मिला साथ**

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में लाल किले के पास हुए विस्फोट की चल रही जांच के बीच जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी द्वारा भारत में मुसलमानों के खिलाफ भेदभाव के आरोपों पर तीखी राजनीतिक प्रतिक्रिया हुई है। मौलाना अरशद मदनी ने दावा किया कि भारत में मुसलमानों को निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने विदेशों में मुस्लिम नेताओं के उच्च पदों तक पहुंचने का उदाहरण दिया, लेकिन भारत में ऐसे पदों पर पहुंचने वालों को जेल भेज दिया जाता है। उन्होंने न्यूयॉर्क के मेयर-इलेक्ट जोहरान ममदानी और लंदन के मेयर सादिक खान का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत में कोई मुस्लिम विश्वविद्यालय का कुलपति भी नहीं बन सकता और यदि कोई बनता है तो उसे जेल भेज दिया जाता है, जिसका उदाहरण आजम खान हैं। उन्होंने अल-फलाह यूनिवर्सिटी में हो रही जांच का भी हवाला दिया। मदनी ने आरोप लगाया कि सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए अथक प्रयास कर रही है कि मुसलमान कभी सिर न उठाए।

गंजबासौदा में 150 बिस्तरीय नवीन सिविल अस्पताल का किया लोकार्पण

विरासत से विकास के पथ पर अग्रसर है गंजबासौदा : मुख्यमंत्री

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राष्ट्रवादी विचार धारा का केन्द्र रहा विदिशा जिला, राजमाता सिंधिया, पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी और पूर्व केन्द्रीय मंत्री श्रद्धेय श्रीमती सुषमा स्वराज्य की कर्म भूमि रही है। वर्तमान में यह क्षेत्र कृषि, उद्योग और व्यापार-व्यवसाय में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। गंजबासौदा विरासत से विकास के पथ पर अग्रसर है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में राज्य सरकार अन्नदाता, गरीब, महिला और युवाओं के कल्याण के लिए समर्पित है। सनातन संस्कृति को सर्वेभवन्तु सुखिनः-सर्वे संतु निरामयाः और वसुधैव कुटुम्बकम् के भाव के अनुसार सबके कल्याण के लिए राज्य सरकार समर्पित भाव से कार्य कर रही है। समाज के अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति तक जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास गतिविधियों का लाभ पहुंचाना हमारा उद्देश्य है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को विदिशा जिले के गंजबासौदा में सिविल अस्पताल के नवनिर्मित भवन के लोकार्पण सहित अन्य विकास कार्यों के लोकार्पण और भूमिपूजन को कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान, विदिशा के प्रभारी, पशुपालन एवं डेयरी राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री लखन पटेल विशेष रूप से उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने त्योंदा में कॉलेज खोलने, ग्यारसपुर को नगर पंचायत बनाने, गंजबासौदा नगर पालिका की सीमा बढ़ाने, गंजबासौद में नर्सिंग और पैरामेडिकल कॉलेज आरंभ करने की घोषणा भी की। कार्यक्रम का शुभारंभ कन्या-पूजन के साथ हुआ।

150 करोड़ रुपए की लागत वाले 54 विकास कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज बासौदा को 150 करोड़ रुपये की लागत से 54 विकास कार्यों की सौगात मिली है। इसमें 32 करोड़ 42 लाख रुपये की लागत से बने 150 बिस्तरीय नवीन सिविल अस्पताल लोकार्पित किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जमांधर नदी पर 4 करोड़ की लागत से बने ब्रिज, 13 करोड़ 21 लाख रुपये की लागत से निर्मित विभिन मार्गो, लगभग 3 करोड़ रुपये की लागत से 04 केवी उपकेन्द्र में ट्रांसफार्मर, लगभग 8 करोड़ रुपये की लागत से 11 ग्रामो में नलजल योजनाओं, 1 करोड़ 50 लाख रुपये की लागत से सब जेल गंजबासौदा में 40 बंदियों के लिए बनी जेल बैरक, 1 करोड़ 79 लाख रुपये की लागत से बने सीएचओ आवास सहित 03 उप स्वास्थ्य केंद्र भवनों का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 85 करोड़ 84 लाख रुपये की लागत से 28 विकास कार्यों का भूमिपूजन भी किया।

मध्यप्रदेश के विकास में कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी : केंद्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान

केंद्रीय कृषि किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि मध्यप्रदेश के विकास में कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी। केंद्र और राज्य सरकार दोनों मिलकर प्रदेश के विकास की गति को आगे बढ़ाएंगे। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में विकास का एक नया अध्याय लिखा जा रहा है। प्रदेश में कृषि, उद्योग, स्वास्थ्य, सिंचाई, सड़क और पेयजल सहित विभिन्न बुनियादी सुविधाओं के साथ रोजगार के अवसर भी बढ़ रहे हैं। भारत सरकार की योजनाओं को मध्यप्रदेश में गति देने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव लगातार प्रयास कर रहे हैं और उनका पूरा सहयोग मिल रहा है। विदिशा जिला और बासौदा से मेरा वर्षो से संबंध रहा है। यहां की जनता में मेरे लिए अद्भुत प्रेम है, मेरी सांसों और हृदय में यहां की जनता बसती है। यहां के विकास के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे। केन्द्रीय मंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने मुझे कृषि एवं ग्रामीण विकास की जिम्मेदारी सौंपी है जिसका निर्वहन करने में कोई कसर नहीं रहने दी जाएगी।

यूपी में घुसपैठ के खिलाफ सीएम योगी का बड़ा ऐक्शन

विधानसभा चुनावों के लिए संघ-भाजपा ने बिछा दी बिसात!

लखनऊ/नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को कठोर और बोल्ड फैसले लेने और उन्हें जमीन पर उतारने वाले नेता के रूप में जाना जाता है। शनिवार को उन्होंने एक बार फिर सख्त कदम उठाया। योगी सरकार ने प्रदेश के सभी डीएम को निर्देश दिए हैं कि अवैध घुसपैठियों की तुरंत पहचान करें, डिटेंशन सेंटर बनाएं और उन्हें देश से बाहर करें। यह आदेश ऐसे समय आया है जब चुनाव आयोग उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल सहित कई राज्यों में विशेष मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) चला रहा है। कहने की बात नहीं कि घुसपैठ के खिलाफ योगी सरकार की इस नई मुहिम की गूंज पूरे देश में सुनाई देगी। अगले वर्ष यानी 2026 में असम, केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और केंद्र शासित पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव होने हैं। योगी सरकार के इस कदम का सबसे ज्यादा असर असम, पश्चिम बंगाल और केरल पर पड़ेगा, जहां घुसपैठ और जनसांख्यिकीय बदलाव लंबे समय से सामाजिक राजनीतिक बहस का विषय बने हुए हैं। हालांकि यह एक बड़ा मुद्दा है, लेकिन भाजपा को छोड़कर अन्य राजनीतिक दलों ने इसे अपने एजेंडा में प्रमुखता से जगह नहीं दी है। सवाल उठता है कि क्या संघ और भाजपा हिन्दुत्व के साथ-साथ घुसपैठ के मुद्दे को राष्ट्रवादी लहर में बदलने की रणनीति पर काम कर रहे हैं और इसके लिए नई पीढ़ी के नेताओं- खासकर योगी आदित्यनाथ का इस्तेमाल कर रहे हैं। 2025 में हुए महाराष्ट्र, हरियाणा, दिल्ली और बिहार विधानसभा चुनावों में घुसपैठ,जनसांख्यिकीय असंतुलन बड़ा मुद्दा रहा।

संघ-भाजपा की जीत वाली नई रणनीति, योगी के साथ बड़ा दांव

उत्तर प्रदेश में घुसपैठ पर योगी आदित्यनाथ का ताजा आदेश आने वाले समय में संघ-भाजपा की रणनीति का स्पष्ट संकेत देता है। घुसपैठ और जनसांख्यिकीय असंतुलन को राष्ट्रीय मुद्दा बनाते हुए योगी की सख्त प्रशासक की छवि का इस्तेमाल किया जा रहा। असम के बाद उत्तर प्रदेश ही एकमात्र राज्य है जिसने इस दिशा में सबसे बड़ी और प्रभावी कार्रवाई की है। 2017 में सत्ता संभालते ही योगी आदित्यनाथ ने विदेशी नागरिकों की पहचान और उन्हें वापस भेजने के आदेश दिए थे। विभिन्न सूत्रों के अनुसार उत्तर प्रदेश में बड़े पैमाने पर घुसपैठिए हैं। कुछ अभियानों के जरिए घुपापैठिए पकड़े भी गए हैं। अलग-अलग रिपोर्ट्स में दावों की मानें तो उत्तर प्रदेश में बड़े पैमाने पर घुसपैठिए हो सकते हैं और बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के पतन के बाद देश में घुसपैठियों के खिलाफ जिस प्रकार का माहौल है- उत्तर प्रदेश में होने वाली कोई भी कार्रवाई भाजपा को विपक्षी दलों पर बड़ा एज देने वाला साबित हो सकता है।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 27 °c | न्यूनतम 23°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ सोमवार, 24 नवंबर 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

दिल्ली ब्लास्ट

आतंकी उमर को जमात से मिले थे 40 लाख

- हिसाब गड़बड़ हुआ तो उमर और मुजम्मिल झगड़े

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में 10 नवंबर को हुए कार ब्लास्ट में शामिल सुसाइड बॉम्बर डॉ. उमर और डॉ. मुजम्मिल के बीच 40 लाख रुपए को लेकर झगड़ा हुआ था। फंडिंग जमात की तरफ से हुई थी। इसी पैसे से सामान खरीदने में हुए खर्च को लेकर उमर और मुजम्मिल की बीच तनाव था। एनआईए टीम यूनिवर्सिटी के पास की मस्जिद के मौलवी इश्तियाक को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। इसे ही जमात के जरिए कई लाख रुपए मिले थे, जिसका इस्तेमाल मुजम्मिल ने ब्लास्ट के लिए सामान खरीदने में किया था। सूत्रों के मुताबिक

इन्हीं पैसों में हेरफेर को लेकर मुजम्मिल और उमर के बीच तनाव था। इधर,फरीदाबाद में पुलिस ने धौज गांव समेत 4 थाना क्षेत्रों में शनिवार को सर्च अभियान चलाया। पुलिस टीम ने दिनभर मस्जिदों, दुकानों, होटलों, घरों व गोदामों में चेकिंग की। इंटेलीजेंस सूत्रों ने बताया मॉड्यूल का हर आरोपी एक अलग हैंडलर को रिपोर्ट कर रहा था। मुजम्मिल का हैंडलर अलग था, जबकि ब्लास्ट करने वाला उमर दूसरे हैंडलर को रिपोर्ट कर रहा था। दो खास हैंडलर मंसूर और हाशिम एक सीनियर हैंडलर इब्राहिम के अंडर काम कर रहे थे, जो मॉड्यूल की पूरी एक्टिविटीज को सुपरवाइज कर रहा था। ये सभी हैंडलर लेयर्स में काम कर रहे थे। दिल्ली की एक कोर्ट ने शनिवार को लाल किला ब्लास्ट केस के आरोपी जसीर बिलाल वानी की नेशनल इन्वेस्टीगेशन एजेंसी हेडक्वार्टर में अपने वकील से मिलने की अर्जी मंजूर कर ली।

पाकिस्तान को पता है वह भारत को हरा नहीं सकता

- फडणवीस बोले-इसलिए पहलगाम हमला-दिल्ली ब्लास्ट किया

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को मुंबई में गेटवे ऑफ इंडिया पर 26/11 हमलों की 17वीं बरसी के मौके पर ग्लोबल पीस ऑनर्स 2025 कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने कहा- पाकिस्तान जानता है कि वह सीधे युद्ध में भारत को नहीं हरा सकता, इसलिए उसने पहलगाम आतंकी हमला और दिल्ली ब्लास्ट किया। सीएम ने कहा- मुंबई

में 26 नवंबर 2008 (26/11) को आतंकवादी हमला भारत की संप्रभुता पर हमला था। अगर तब हमने ऑपरेशन सिंदूर करने साहस दिखाया होता, तो आज कोई हम पर हमला करने की हिम्मत नहीं करता। लेकिन हमने उस समय वह साहस नहीं दिखाया। फडणवीस ने आगे कहा- आतंकियों ने 2001 में 9/11 हमले के लिए अमेरिका के ट्विन टावर्स को चुना था। अमेरिका की ताकत ट्विन टावर्स में है। इसलिए, वहां हमला करके, उन्होंने अमेरिका की संप्रभुता को चुनौती दी थी। इसी तरह, भारत की संप्रभुता को चुनौती देने के लिए मुंबई को चुना गया था। मुख्यमंत्री की पत्नी अमृता फडणवीस ने गेटवे ऑफ इंडिया पर ग्लोबल पीस ऑनर्स 2025 कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इसमें रिलायंस फाउंडेशन की अध्यक्ष नीता अंबानी, बॉलीवुड एक्टर शाहरुख खान और रणवीर सिंह, सिंगर शंकर महादेवन सहित कई दिग्गज शामिल हुए।

खुशी के बीच गम का साया, स्मृति-पलाश की शादी टली

मंधाना के पिता की तबीयत बिगड़ने के बाद लिया फैसला

इंदौर (एजेंसी)। महिला क्रिकेटर स्मृति मंधाना और म्यूजिक डायरेक्टर पलाश मुछाल की आज होने वाली शादी फिलहाल टल गई है। यह शादी महाराष्ट्र के सांगली में होनी थी, लेकिन स्मृति के पिता की तबीयत खराब होने के कारण अब यह समारोह स्थगित कर दिया गया है। यह जानकारी स्मृति के मैनेजर तुहिन मिश्रा ने दी है। जानकारी के मुताबिक शनिवार रात सांगली के समडोली रोड पर मंधाना फार्म हाउस में मेहंदी और संगीत समारोह आयोजित किया गया था। रविवार दोपहर शादी की रस्में शुरू होने वाली थीं। इससे पहले ही स्मृति के पिता श्रीनिवास मंधाना की तबीयत अचानक बिगड़ गई। उन्हें तुरंत इलाज के लिए सांगली के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने बताया कि उनकी हालत फिलहाल स्थिर है।

संगीत में पलाश के लिए किया स्पेशल डांस

स्मृति मंधाना के प्री-वेडिंग फंक्शन्स से कई तस्वीरें और वीडियो सामने आए थे। खासतौर पर उनकी संगीत सेरेमनी का एक वीडियो फैंस के बीच खूब चर्चा में है, जिसमें स्मृति ने पलाश मुछाल के लिए एक स्पेशल डांस परफॉर्मेंस दिया। उनका डांस देखकर परिवार और मेहमान ही नहीं, बल्कि फैंस भी आश्चर्यचकित रह गए। शादी के आयोजनों में दोनों परिवारों के सदस्य, करीबी दोस्त और स्मृति की टीम इंडिया की साथी खिलाड़ी जुटे हुए हैं। सांगली में तैयार किए गए विशेष वेडिंग वेन्यू की तस्वीरें लगातार सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। स्मृति और पलाश की शादी को लेकर फैन्स में खासा उत्साह है और प्री-वेडिंग फंक्शन्स की तस्वीरें इंटरनेट पर महफिल जमा रही हैं।

म्यूजिक कंपोजर हैं पलाश, सिंगर पलक के छोटे भाई

पलाश मुछाल वैसे तो म्यूजिक इंडस्ट्री का जाना-माना नाम हैं, लेकिन जो उनसे अनजान हैं, उन्हें बता दें कि उनका जन्म साल 1995 में हुआ था। वह प्रेम रतन धन पायो की सिंगर पलक मुछाल के छोटे भाई हैं। म्यूजिक फैमिली से ताल्लुक रखने वाले पलाश ने साल 2014 में अपनी शुरुआत फिल्म ढिश्कियाऊं से की थी। उन्होंने भूतनाथ रिटर्न में पार्टी तो बनती है, और तू ही है आशिकी जैसे सुपरहिट गानों का म्यूजिक दिया है। पलाश सिंगर पलक मुछाल के भाई हैं।

2019 में हुई थी पलाश-स्मृति की मुलाकात

स्मृति मंधाना और पलाश मुछाल की मुलाकात साल 2019 में हुई थी। दोनों मुंबई में एक दोस्त के जरिए मिले थे। फिर दोनों के बीच दोस्ती हो गई, जो प्यार में बदल गई। दोनों ने अपनी रिलेशनशिप को चुपचाप आगे बढ़ाया। करीब 5 साल बाद यानी 2024 में दोनों ने अपने रिश्ते के बारे में फैंस को बताया। 6 साल लंबे इंतजार के बाद अब दोनों शादी के बंधन में बंधने जा रहे थे। पलाश ने स्मृति को बहुत खास तरीके से प्रपोज किया। नवी मुंबई के पाटिल स्टेडियम, जहां स्मृति ने हाल ही में भारतीय महिला टीम को विश्व कप की ट्रॉफी जिताई, वहीं पलाश उन्हें ब्लाइंडफोल्ड कर स्टेडियम पर लेकर गए और प्रपोज किया। इसके अलावा पलाश ने अपने हाथ पर स्मृति के इनिशियल और जर्सी नंबर का टैटू बनवाया, जिससे ये पता चलता है कि दोनों में कितना प्यार है।

विश्व में शांति की स्थापना 'गीता' से ही की जा सकती है

लखनऊ में संघ चीफ मोहन भागवत बोले-धर्म के लिए लड़ना होगा

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ में संघ प्रमुख मोहन भागवत और सीएम योगी ने रविवार को दिव्य गीता प्रेरणा उत्सव में मंच साझा किया। मोहन भागवत ने कहा- हमारा भारत पूरी दुनिया का विश्वगुरु था। दुनिया के लिए एक बड़ा सहारा

- योगी बोले-संघ सामाजिक समर्थन से चलता है,विदेशी फंडिंग से नहीं

था। कभी चक्रवर्ती सम्राट भी होते थे। हजारों साल तक आक्रमणकारियों के पैरों तले रौंदा गया। हमें गुलामी में जीना पड़ा। उन्होंने कहा- धार्मिक स्थलों को नष्ट किया गया। जबरदस्ती धर्मांतरण हुए, लेकिन तब भी भारत था। वह वैभव के दिन नहीं रहे, लेकिन आक्रमण के दिन भी चले गए। अब हम राममंदिर पर झंडा फहराने वाले हैं। हमें धर्म रक्षा के लिए लड़ना है। विश्व में शांति की स्थापना गीता के माध्यम से ही की जा सकती है। सीएम योगी ने कहा- विदेशी नेता और डिप्लोमेट अक्सर पूछते हैं कि संघ कैसे काम करता है। मैं उन्हें बताता हूं कि संघ सामाजिक सहयोग से चलने वाला संगठन है। यह विदेशी फंडिंग से नहीं चलता। उन्होंने कहा- अपने धर्म में मरना अच्छा है। हमें लालच में दूसरा धर्म नहीं अपनाना चाहिए। यह महापाप है। हमने भारत की पूरी धरती को धर्मक्षेत्र माना। इसलिए युद्ध का मैदान भी हमारे लिए धर्मक्षेत्र है, क्योंकि धर्मक्षेत्र में जो युद्ध भी लड़ा जा रहा, वो अपने कर्तव्यों के लिए लड़ा जा रहा।

गीता के पथ पर चलकर ही भारत विश्वगुरु बन सकता है

भारत की परंपरा में धर्म के साथ शांति और सौहार्द्र की व्यवस्था है। ज्ञान प्राप्त करने का निचोड़ भगवतगीता में है। अर्जुन के गंभीर प्रश्नों का उत्तर ही गीता है। हमें गीता पढ़ना चाहिए, समझना चाहिए और मनन करना चाहिए। गीता हमें समस्या से भागने के बजाय उसका सामना करने की प्रेरणा देती है। धर्म के आधार पर हमें सफलता अवश्य मिलती है। दुविधाओं से बाहर निकलकर राष्ट्र की सेवा करना ही हमारा परम कर्तव्य है। इसे गीता के माध्यम से जीवन में शामिल करना चाहिए। गीता के पथ पर चलकर ही भारत विश्वगुरु बन सकता है।

जैसे अर्जुन मोहग्रस्त हो गए थे, वैसे ही आज दुनिया हुई

मोहन भागवत ने राजा जनक की कहानी सुनाई। इसके जरिए बताया कि परिस्थितियां आती-जाती रहती हैं, लेकिन हम बने रहते हैं। आरएसएस प्रमुख ने कहा- जैसे महाभारत में अर्जुन मोहग्रस्त हो गए थे, वैसे ही दुनिया आज हो गई है। अगर पुरुषार्थ मजबूत है, तो भाग्य भी साथ देता है। धर्म धारण करने वाला होना चाहिए। जब अर्जुन ने कहा कि मैं युद्ध करूंगा तो बहुत हानि होगी, सृष्टि का नुकसान होगा। इस पर श्रीकृष्ण ने कहा कि तुम भाग रहे हो। सृष्टि किसने बनाई, किसको इसे समेटना है- वह कर रहा है। तुम केवल युद्ध करो। परेशानी से आंख मिलाकर रखो। कहीं दाएं-बाएं नहीं देखना है। हमें 700 श्लोकों के माध्यम से प्रतिदिन गीता का वाचन करना चाहिए। उनके माध्यम से जीवन में सीख लेंगे तो कल्याण हो जाएगा। आज दुनिया असमंजस की स्थिति में है, गीता के माध्यम से सही दिशा दी जा सकती है। अगर जीवन में शांति और संतोष नहीं होगा, तो समस्या होगी।

चंडीगढ़ पर हम कोई विधेयक लेकर नहीं आ रहे

- पंजाब में बवाल के बीच गृह मंत्रालय का जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। चंडीगढ़ को लेकर मोदी सरकार के प्रस्तावित विधेयक पर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। पंजाब सरकार ने इस पर कड़ी आपत्ति जताई है, जबकि कांग्रेस ने भी इसके गंभीर परिणाम होने की चेतावनी दी है। इसी बीच गृह मंत्रालय सामने आया है और पूरे मामले पर सफाई दी है। मंत्रालय ने जोर देकर कहा है कि केवल कानूनी प्रक्रिया को सरल बनाया जा रहा है और चंडीगढ़ के प्रशासनिक ढांचे में किसी भी तरह का बदलाव नहीं होगा। जारी बयान

में गृह मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि केंद्र सरकार फिलहाल सिर्फ कानून बनाने की प्रक्रिया को आसान करने पर विचार कर रही है और प्रस्ताव पर कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है। मंत्रालय के अनुसार, चंडीगढ़ के गवर्नर और उसके एडमिनिस्ट्रेटिव स्ट्रक्चर में किसी तरह की छेड़छाड़ नहीं की जाएगी। साथ ही, पंजाब और हरियाणा के साथ चंडीगढ़ का जो पारंपरिक समझौता वर्षों से चला आ रहा है, वह जैसा है वैसा ही जारी रहेगा। मंत्रालय ने यह भी कहा कि सभी पक्षों से बातचीत के बाद ही कोई फैसला लिया जाएगा और चंडीगढ़ के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। इसके अलावा, गृह मंत्रालय ने यह भी साफ कर दिया कि इस विषय पर किसी भी तरह की चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। शीतकालीन सत्र में सरकार की ऐसी कोई मंशा नहीं है कि वह इस मामले में कोई बिल पेश करे। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 240 उन केंद्र शासित प्रदेशों के प्रशासन से जुड़ा है जिनके पास अपनी कोई विधायिका नहीं होती।

सेना का ऑपरेशन सिंदूर एक भरोसेमंद ऑर्केस्ट्रा जैसा था

आर्मी चीफ बोले-हर म्यूजिशियन ने भूमिका निभाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर एक भरोसेमंद ऑर्केस्ट्रा की तरह था, जहां हर म्यूजिशियन ने एक साथ मिलकर काम करने वाली भूमिका निभाई, इसी तरह 22 मिनट में

भारतीय सेना ने 9 आतंकी जगहों को तबाह कर दिया। उन्होंने कहा- मिलिट्री ऑपरेशन में हालात के बदलने के साथ बदलाव का अंदाजा लगाने की दूर की सोच दिखाई देती है। यह एक ऐसा जवाब था जो उस पल में नहीं बल्कि सालों की सोच से बना था कि कैसे इंटेलिजेंस, सटीकता और टेक्नोलॉजी मिलकर एक्शन में बदल सकती हैं। जनरल द्विवेदी ने कहा कि पाकिस्तान ने भी भारत के खिलाफ हमले किए और उसके बाद भारत के सभी जवाबी हमले भी ऑपरेशन सिंदूर के तहत किए गए। न्यूक्लियर हथियारों से लैस दो पड़ोसियों के बीच करीब 88 घंटे तक चली मिलिट्री लड़ाई 10 मई की शाम को एक समझौते पर पहुंचने के बाद रुक गई। आर्मी चीफ शनिवार को दिल्ली में न्यू दिल्ली इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट के दीक्षांत समारोह में पहुंचे थे। उनका संबोधन नई थीम पर आधारित था। उन्होंने छात्रों से कहा कि दुनिया तेजी से बदल रही है और उसमें अवसर भी छिपे हैं। 55 से ज्यादा संघर्ष जारी, शांति और युद्ध की सीमा धुंधली- 21वीं सदी में दुनिया प्रतिस्पर्धा और टकराव से भरी है।

जांच रिपोर्ट पर टिकी कई देशों की निगाहें, छवि को बड़ा नुकसान

तेजस क्रैश से भारत के डिफेंस एक्सपोर्ट को लगा बड़ा झटका!

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुबई एयर शो में भारत के स्वदेशी तेजस लड़ाकू विमान के दुर्घटनाग्रस्त होना भारत के रक्षा निर्यात को बढ़ावा देने के प्रयासों को बड़ा झटका है। लड़ाकू विमान की दुर्घटना ऐसे समय में हुई है, जब भारत इस विमान को अंतरराष्ट्रीय खरीददारों को बेचने की कोशिश कर रहा था। लाइव वेट कॉम्बैट फाइटर जेट तेजस के निर्माण में कई तकनीकी चुनौती और देरी का सामना करना पड़ा। इसके बावजूद हाल के वर्षों में यह विमान बेहतरीन विमान के रूप में उभरा है। इसकी बेहतरीन क्षमता को देखते हुए इसी साल भारतीय वायुसेना ने एडवांस वर्जन के 180 तेजस लड़ाकू विमानों का ऑर्डर दिया है। तेजस जहां एक ओर हाल के वर्षों में बेहतरीन विमानों के रूप में उभककर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रहा था, वहीं दुबई एयर शो में यह

दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना हजारों दर्शकों के सामने हुई, जिससे विमान की छवि को नुकसान पहुंचा है। भारतीय वायु सेना ने दुर्घटना के कारणों की जांच के आदेश दिए हैं। भारत मिस्र, आर्मेनिया और दक्षिण पूर्व एशिया के देशों को यह लड़ाकू विमान बेचने की उम्मीद कर रहा था। अब तक तेजस का सुरक्षा रिकॉर्ड अच्छा रहा है, इससे पहले केवल एक विमान इंजन खराब होने के कारण क्रैश हुआ है। तेजस की किफायती कीमत, तकनीक साझा करने का भारतीय वादा, विभिन्न हथियारों और सेंसर को जोड़ने की क्षमता, और आने वाले वर्षों में 220 से अधिक विमानों के सेवा में आने की संभावना, इसे छोटे देशों के लिए वायु शक्ति बढ़ाने का विकल्प बनाती है।

दिल्ली एयरपोर्ट पर दुश्मन ड्रोन हो जाएगा निष्क्रिय

नई दिल्ली (एजेंसी)। एयरपोर्ट व आसपास के क्षेत्र में ड्रोन से हमले के खतरे को देखते हुए आईजीआई एयरपोर्ट सहित देश के महत्वपूर्ण एयरपोर्ट पर एंटी ड्रोन सिस्टम लगाने की तैयारी चल रही है। केंद्रीय गृह और नागरिक उड्डयन मंत्रालय के निर्देश पर एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एएआई) इस काम को जल्द पूरा करने की कवायद में जुट गई है। सूत्रों का कहना है कि दिल्ली और मुंबई जैसे एयरपोर्ट पर तो पहले से कुछ बेसिक सिस्टम हैं, लेकिन अब इसके लिए समर्पित सिस्टम लगेगा। कोशिश है कि वर्ष 2026 के अंत तक देश के सबसे बड़े 10 एयरपोर्ट पूरी तरह ड्रोन प्रूफ हो जाएं। कहां कैसा लगेगा सिस्टम, इसका हो रहा अध्ययन एयरपोर्ट सूत्रों का कहना है कि अभी इस बात पर

विधानसभा चुनावों के लिए संघ-भाजपा ने बिछा दी बिसात!

चर्चा हो रही है कि एयरपोर्ट की जरुरत के हिसाब से जहां जो सिस्टम लगाया जाना है, उसमें क्या-क्या खासियत होनी चाहिए। इसके लिए विदेश के एयरपोर्ट पर लगाए गए सफल एंटी ड्रोन सिस्टम मॉडल का अध्ययन किया जा रहा है। जैसे ही यह तय हो जाएगा कि किस एयरपोर्ट पर किस तरह के सिस्टम की जरूरत है, उसके बाद सिस्टम की खरीद से जुड़ी प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। एंटी ड्रोन सिस्टम आज के समय का ड्रोन शील्ड है, जो अनधिकृत ड्रोन को आने से पहले ही रोक देता है या निष्क्रिय कर देता है। इसमें एक खास तकनीकी व्यवस्था होती है जो अनधिकृत, खतरनाक या दुश्मन ड्रोनों का पता लगाने, पहचान करने, ट्रैक करने और उन्हें निष्क्रिय करने के लिए बनाई जाती है। एंटी ड्रोन सिस्टम के मुख्य हिस्से और काम करने का तरीका डिटेक्शन रडार पर आधारित होता है, जो छोटे ड्रोनों को भी दूर से पकड़ लेता है। इस सिस्टम में रडार के अलावा इन्फ्रारेड कैमरे होते हैं जो दिन-रात ड्रोन को देखकर पहचानते हैं।

ग्रीन पार्क कॉलोनी में 12 कारों में तोड़फोड़

3 बाइकों पर आए बदमाशों ने दिया वारदात को अंजाम; पुलिस जांच में जुटी

भोपाल (नप्र)। भोपाल के गौतम नगर थाना इलाके की ग्रीन पार्क कॉलोनी में बीती रात बदमाशों ने करीब एक दर्जन वाहनों में तोड़फोड़ की और फरार हो गए। आरोपी तीन बाइकों पर सवार होकर आए थे। गौतम नगर पुलिस ने मामले की जांच

शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक आधा दर्जन से अधिक बदमाशों ने वारदात को अंजाम दिया है। शनिवार-रविवार की रात को आए आरोपियों ने कॉलोनी की सड़क किनारे खड़े वाहनों में तोड़फोड़ की है। कॉलोनी के लोगों के मुताबिक, वहां के किसी भी परिवार का किसी को कोई विवाद नहीं हुआ था। हालांकि पुलिस का कहना है कि घटना स्थल के आस-पास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रहे हैं। आरोपियों की पहचान कर उन्हें पकड़ा जाएगा। जिसके बाद ही वारदात के कारणों का खुलासा हो सकेगा।

परिक्रमा

संघ का हर घर संपर्क अभियान और आमने-सामने भिड़ते ममता एवं अमित शाह

अरुण पटेल

लेखक सुबह सबेरे के प्रबंध संपादक हैं

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपनी स्थापना के सौ वर्ष पूरे होने के अवसर पर एक बहुत ही व्यापक अभियान चला रहा है जिसमें वह अपने संघर्ष की दास्तां के सम्बंध में विस्तार से जानकारी दे रहा है। इस अभियान में घर-घर जाकर लोगों से सीधा सम्पर्क किया जा रहा है और उन्हें संघ की सौ वर्ष की यात्रा, गतिविधियों व योजनाओं की जानकारी दी जायेगी। इसका उद्देश्य पंच परिवर्तन संदेश जन-जन तक पहुंचाना है जिसमें सामाजिक समरसता, कुटुम्ब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी आचरण और नागरिक कर्तव्य शामिल होंगे। चुनाव आयोग द्वारा जो एसआईआर कराई जा रही है उसको लेकर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को एक कड़ा पत्र लिखकर आयुक्त की भूमिका को कटघरे में खड़ा करने की कोशिश की है तो उसका उत्तर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने दिया है। इस प्रकार ममता बनर्जी और अमित शाह आमने-सामने आ गये हैं। इस अभियान को कांग्रेस और इंडिया ब्लाक कितनी गंभीरता से ले रहा है इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि मध्यप्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष जीतू पटवारी स्वयं बीएलओ बन गये हैं।

संघ अपनी स्थापना के सौ वर्ष को शताब्दी वर्ष के रुप में मना रहा है और वृहद जनसंपर्क अभियान इसके लिए चलेगा। देश भर में चलने जा रहे इस अभियान के तहत मध्यप्रदेश में भी व्यापक योजना तैयार कर ली गयी है और स्वयं सेवक घर-घर जाने भी लगे हैं। संघ का दावा है कि वृहद गृह-संपर्क एक प्रकार से अब तक का विश्व का सबसे बड़ा अभियान होगा। संघ ने ऐसे अभियान की कल्पना की है जिसकी तैयारियां तेजी से हो रही हैं। हर शाखा स्तर पर तीन-तीन लोगों की करीब तीन या चार टोलियां बनाई गई हैं। इनके कार्यकर्ता गली-मोहल्लों में रहने वाले परिवारों के सदस्यों को समय की अनुकूलता पर उनके घर जाकर संपर्क करेंगे। जो साहित्य लोगों को दिया जा रहा है उसमें हिन्दू दर्शन में व्यक्तित्व विकास पर भैयाजी जोशी का व्याख्यान, गुरुत्व यानी हिंदुत्व पर सुरेश सोनी द्वारा लिखी पुस्तक और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ यात्रा के सौ वर्ष पर पुस्तक शामिल है। इसके साथ ही एक फोल्डर भी दिया जा रहा है जिसमें मध्यभारत प्रान्त संगठन व सेवा के सौ वर्ष की गतिविधियां शामिल हैं और इसमें आह्वान किया गया है कि 'संगठन सेवा के सौ वर्ष आओ बनाये समर्थ भारत।' इस अभियान से यही प्रतीत होता है कि संघ अब अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचने और उनको अपनी विचारधारा से जोड़ने का एक व्यापक अभियान चला रहा है।

ममता और चुनाव आयोग आमने-सामने

ममता बनर्जी ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन यानी एस.आई.आर. को लेकर विस्तृत एवं

कड़ी चिट्ठी लिखकर गहरी आपत्ति दर्ज कराते हुए आरोप लगाया कि इस प्रक्रिया को बिना किसी ठोस तैयारी व उचित योजना के लागू कर दिया गया है जिसका सीधा असर आम नागरिकों और बीएलओ कर्मियों पर पड़ रहा है। ममता का कहना है कि एस.आई.आर. की शुरुआत से ही मौलिक तैयारी, पर्याप्त योजना, प्रशिक्षित मानव संसाधन और स्पष्ट दिशा-निर्देशों का भारी अभाव रहा है। उनका यह भी आरोप है कि न तो लोगों को सही जानकारी दी गई है और न ही जमीनी स्तर पर काम कर रहे बीएलओ कर्मचारियों को पर्याप्त प्रशिक्षण मिल पाया, इससे पूरे राज्य में भ्रम और तनाव होने से यह गंभीर रुप से खतरनाक मोड़ रही है। इस वजह से आम लोगों में घबराहट फैल रही है। पहले दिन से ही एस.आई.आर. की प्रक्रिया में बुनियादी तैयारियों का अभाव है, न तो पर्याप्त योजना है और न ही संवाद। प्रशिक्षण में गंभीर कमी है और अनिवार्य दस्तावेजों को लेकर कोई स्पष्टता भी नहीं है। ऐसी अव्यवस्थित प्रक्रिया से नागरिक परेशान हैं और बीएलओ कर्मचारियों को असामान्य स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। जिला प्रशासन भी कठिनाइयों को महसूस कर रहा है इसलिए इस पर पुनर्विचार करें।

चुनाव आयोग का ममता के पत्र पर क्या रुख रहता है यह उसके द्वारा उठाये जाने वाले कदमों पर निर्भर करेगा, लेकिन ममता की चिट्ठी पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने जवाब देते हुए आरोप लगाया है कि कुछ राजनीतिक दल घुसपैठियों को बचाने पर तुले हुए हैं। बीएसएफ के 61वें स्थापना दिवस पर शाह ने एस.आई.आर. को लेकर कहा कि यह आवश्यक है और केन्द्र एक-एक घुसपैठिये को देश से बाहर करेगा। पश्चिम बंगाल की मंत्री शशी पांजा ने पलटवार करते हुए कहा कि शाह सुरक्षा की बात करते हैं लेकिन कश्मीर में पर्यटकों की हत्या एवं दिल्ली में धमाके उनकी विफलता के सबूत है। 2002 का एस.आई.आर. दो साल चला था अब दो माह एस.आई.आर. का दबाव अमान्य है। ऐसा कहा जा रहा है कि गुजरात में टाप परफार्मिंग बीएलओ अरविंद बडेर ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली, एक दिन पूर्व एक अन्य बीएलओ की मौत हो चुकी है।

और यह भी

एस.आई.आर. को लेकर राजनीतिक दल कितने गंभीर हैं इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि ग्वालियर-चंबल संभाग की बैठक में भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं व विधायकों को नसीहत देने के अंदाज में कहा कि शादी विवाह छोड़ो पहले वोटर लिस्ट तैयार करो। उन्होंने यह भी कहा कि कई विधायकों की शिकायतें मिल रही हैं कि वे एस.आई.आर. के प्रति गंभीर नहीं है। चुघ का कहना था कि एसआईआर चुनाव का अमृत है इसलिए शादी-विवाह, खानपान सहित बाकी सारे काम भूलकर पहले यह काम पूरा करें। इस बैठक में ग्वालियर-चंबल संभाग की सभी 34 विधानसभा सीटों पर वन-टू-वन चर्चा की गयी। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल का कहना था कि अब तक एस.आई.आर. पर हुआ काम संतोषजनक नहीं है। वर्तमान गति में सुधार नहीं हुआ तो आगे बड़ा चुनावी संकट सामने आ जायेगा, क्योंकि आयोग की समय सीमा नही बढ़ेगी। यह क्षेत्र भाजपा के लिए सबसे चुनौतीपूर्ण है जहां पर कि वह बहुत ही कम अन्तर से जीती है, इसलिए दोनों संभागों में काम करने की जरुरत है। जबकि संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा ने कार्यकर्ताओं को चार दिसंबर तक सारे निजी काम छोड़ कर इसमें ही ध्यान देने का निर्देश दिया है। मध्यप्रदेश में तौर पर निश्चित तौर पर एस.आई.आर. की प्रक्रिया काफी धीमी है इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि इससे जुड़े कामों की धीमी गति पर केंद्रीय चुनाव आयोग ने भोपाल, इंदौर, शहडोल, अनूपपुर, उमरिया, भिंड, गुना सहित कई जिलों के कलेक्टरों को फटकार लगाते हुए कहा है कि कोई बहाना नहीं चलेगा, तय अवधि में ही काम पूरे करने होंगे। जहां तक कांग्रेस का सवाल है 400 पदाधिकारियों से कांग्रेस पैंसठ हजार बूथ लेबल एजेंट का सत्यापन करा रही है। इस काम पर नजर रखने के लिए कांग्रेस ने भी 65 हजार 14 मतदान केंद्रों पर बूथ लेबल एजेंट नियुक्त कर दिये हैं।

नौकरानी ने दो घरों पर हाथ साफ किया और जेवर चुराकर छुपाए

● हैदराबाद से लौटे तो पता चला, 20 माह बाद पकड़ाई

इंदौर। एरोड्रम थाना क्षेत्र संगम नगर इलाके में करीब 20 माह पहले हुए चोरी की वारदात का खुलासा हुआ है। मामले में पुलिस ने नौकरानी को गिरफ्तार कर उससे 5 लाख रुपए के जेवर और अन्य सामान बरामद किया है। इसी तरह का एक अन्य मामला भंवरकुआं थाने में सामने आया है। यहां भी नौकरानी ने वारदात को अंजाम दिया था। फरियादी विजय मोहन जौहरी निवासी संगम नगर ने बताया कि वे 10 फरवरी 2024 की सुबह बेटी के हैदराबाद स्थित घर पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। 15 फरवरी को दोपहर में पड़ोसी गोविंद पंवार ने उन्हें फोन पर घर में चोरी होने की सूचना दी। 18 फरवरी को इंदौर लौटने के बाद पीड़ित ने मामला दर्ज कराया। जांच के दौरान पुलिस ने घर में काम करने वाले कर्मचारियों, आने-जाने वालों और पड़ोसियों से पूछताछ की। इसी दौरान संदेह जौहरी परिवार के घर में काम करने वाली नौकरानी लताबाई राणा निवासी धर्मराज कॉलोनी पर गया। उसके व्यवहार पर शक गहराने पर महिला पुलिस अधिकारी की मौजूदगी में उससे पूछताछ की गई। पूछताछ में लताबाई ने स्वीकार किया कि उसने लालच में आकर मालिक की गैरमौजूदगी में अलमारी से दो चेन, दो जोड़ी लटकन, सोने की अंगूठी और इलेक्ट्रिक प्रेस चुराई थी। दूसरे मामले में फरियादी आनंद अग्रवाल निवासी अमर पैलेस जानकी नगर ने आभूषण चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के बाद पुलिस को जांच में पता चला कि नौकरानी छह माह से काम पर नहीं आ रही है। फोन करने पर भी वह कुछ जबाव नहीं देती।

ट्रैफिक पुलिस की सतर्कता से शराब तस्करी

इंदौर। चोइथराम चौराहे पर यातायात प्रबंधन में जुटी सूबेदार सुमित बिलोनिया और उनकी टीम ने शनिवार को अवैध शराब परिवहन करने वाले कार चालक को पकड़ा। टीम ने बिना नंबर प्लेट और ब्लैक फिल्म लगी नीले रंग की आई-20 कार को रुकवाने का प्रयास किया, लेकिन चालक पुलिस के निदेर्शों की अनदेखी करते हुए कार को आगे बढ़ा ले गया। इस पर पुलिसकर्मियों ने बाइक से आधा किलोमीटर तक कार का पीछा कर रोका। कार रोकने के बाद चालक पुलिस टीम से बहस शुरू कर दी। शक के आधार पर जब कार की तलाशी ली गई तो उसमें एक पेटी (12 बोतल) शराब और 24 बीयर कैन परिवहन करते हुए पाए गए। पूछताछ में चालक इनका उचित कारण नहीं बता सका। घटना की जानकारी तत्काल सहायक पुलिस आयुक्त यातायात सुप्रिया चौधरी को दी गई। इसके बाद वाहन, चालक और उसके साथियों को बीट चोइथराम की सहायता से थाना राजेन्द्र नगर भेज दिया गया, जहां आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

ड्राइवर से 6 लाख की ब्राउन शुगर मिली

इंदौर। मादक पदार्थों की खरीद फरोख्त रोकने पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। इसी क्रम में क्राइम ब्रांच की टीम ने ड्राइवर से करीब छह लाख की 50.92 ग्राम ब्राउन शुगर जब्त की है। पुलिस को सूचना मिली थी कि लोखंडे पुल के पास सरस्वती नदी उद्यान में संदिग्ध युवक बैठा है। शक होने पर पुलिस उद्यान पहुंची तो संदिग्ध युवक भागने लगा। पुलिस ने पीछा कर आरोपी अब्दुल खालिद पिता मोहम्मद इलयास निवासी बालाराम की कुटिया नागदा जिला उज्जैन को पकड़ा। पूछताछ में उसने बताया कि वह नागदा से मादक पदार्थ लाकर यहां पुड़िया बनाकर बेचता था।

शौचालय भवन का लोकार्पण किया गया

इंदौर। 'विश्व शौचालय दिवस' के अवसर पर स्वच्छता के ब्रांड एम्बेसडर होने के दायित्व से डॉ. पुनीत द्विवेदी की सांवेर रोड स्थित औद्योगिक क्षेत्र एफ-सेक्टर में नवीन शौचालय भवन के लोकार्पण में सहभागिता रही। कार्यक्रम में क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि, वार्ड अध्यक्ष, निगम के अधिकारी एवं वरिष्ठजनों की उपस्थिति रही। डॉ. पुनीत ने बताया कि महापौर पुष्पमित्र भार्गव की दूरदर्शिता एवं पीएम नरेंद्र मोदी के विकसित स्वच्छ एवं स्वस्थ भारत के लक्ष्य को साधने का संकल्प अपनी सिद्धि की ओर अग्रसर होता प्रतीत हो रहा है।

इंदौर के हॉस्टलों में 'एआई' की मदद से चोरी करने वाले तमिलनाडु के चोर बंदी

● लोगों ने पकड़ा तो गूंगा-बहरा बना, 18 मोबाइल, 10 लैपटॉप बरामद

इंदौर। छात्रों के हॉस्टल और पीजी से लैपटॉप व मोबाइल की चोरी करने वाले तीन सदस्यीय गिरोह को पुलिस ने पकड़ लिया है। तमिलनाडु का यह गिरोह महू को ठिकाना बनाकर ट्रेन द्वारा इंदौर में चोरी करने आता था। आरोपियों से भंवरकुआं पुलिस ने 18 मोबाइल, 10 लैपटॉप और एक टैबलेट बरामद किया है। इनकी कीमत 25 लाख से अधिक बताई जा रही है।

जांच में सामने आया कि आरोपी गूगल मैप से हॉस्टलों की लोकेशन और एंट्री-एग्जिट पॉइंट की जानकारी जुटाते थे, जबकि भाषा समझने के लिए गूगल जैमिनी का उपयोग करते थे। तीनों आरोपी रोजाना महू से ट्रेन पकड़कर इंदौर आते, हॉस्टलों में चोरी करते और वापस महू लौट जाते थे। पुलिस ने इनके कब्जे से करीब 25 लाख रुपए के मोबाइल, लैपटॉप और टैबलेट बरामद किए हैं।

पहचान छुपाने के लिए एआई से भाषा को लोकल टोन में बदलकर इस्तेमाल करते थे।

डीसीपी जोन-4 आनंद कलादगी के अनुसार आरोपी मुथीयानथन पुत्र गोपाल निवासी नरियामपाटू पोस्ट शंकरपुरम गुड़ियाथम जिला वेल्लोर, मगेंद्रन पुत्र वेंकटरमन निवासी पेरियापल्लम थाना पेराम्बट थाटीथोरयं मोटर जिला वेल्लोर और दीपक पुत्र बिसकर्मा निवासी पेरियापल्लम पेराम्बट थाटीथोरयं मोटर जिला वेल्लोर को पकड़ा है। आरोपियों ने बताया कि महू में किराए से मकान ले रखा था। तीनों सुबह-सुबह काम का बोलकर ट्रेन से इंदौर आते थे। छात्रों के उठने के पहले रूम से लैपटॉप और मोबाइल लेकर फरार हो जाते थे। पुलिस ने रूम पर छापा मारा तो लैपटॉप का ढेर मिल गया।

रविवार को भंवरकुआं थाना क्षेत्र में चोरी हुई थी। पुलिस ने इस घटना के सीसीटीवी फुटेज वायरल कर दिए थे। शनिवार को आरोपित दीपक को रहवासियों ने सर्वानंद नगर में पकड़ लिया। एफआरवी पर पदस्थ जवान पहुंचे तो दीपक ने गूंगा-बहरा बनने का प्रयास किया। सख्ती करने पर टूट गया और साथी मुथीयानथन और मगेंद्रन के नाम बताए। उसने कहा कि वह मिलने के लिए मां को कॉल लगाता है। पुलिस ने उस नंबर की लोकेशन निकाली तो स्टार चौराहा की मिली। साइबर सेल की मदद से उनका पीछा किया और भागने के पहले दबोच लिया। मोबाइल की जांच में यह पूरी साजिश सामने आई कि आरोपी इसी तकनीक के जरिये हॉस्टल्स की रेकी कर रहे थे। मौका मिलते ही आसानी से अंदर घुसकर मोबाइल-लैपटॉप चोरी करते थे। पूछताछ में उन्होंने स्वीकार किया कि इंदौर में चोरी का माल इकट्ठा कर उसे तमिलनाडु ले जाकर बेचने की उनकी योजना थी। छानबीन में सामने आया कि आरोपी हर रोज सुबह महू से ट्रेन लेकर इंदौर आते। दिन में अलग-अलग हॉस्टल्स को टारगेट करते और शाम होते ही वापस महू लौट जाते थे। इस तरह वे शहर में किसी को जरा भी संदेह हुए बिना कई दिनों तक चोरी की वारदात अंजाम देते रहे। अब तक तीनों आरोपियों पर भंवरकुआं थाने में 2, विजय नगर थाने में 1 और बाणगंगा थाने में 1 एफआईआर दर्ज हो चुकी है। सभी मामलों में मोबाइल, लैपटॉप और टैबलेट चोरी करने की शिकायत शामिल हैं।

निवेश के नाम पर ठगी करने वाले दो बदमाशों को सूरत से पकड़ा

● 60 लाख रुपए की चपत लगाई, क्राइम ब्रांच की बड़ी कार्रवाई

इंदौर। क्राइम ब्रांच ने गुजरात से ऑनलाइन इन्वेस्टमेंट के नाम पर ठगी करने वाले दो बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया है। बदमाश गैंग के सक्रिय सदस्य हैं। उनके द्वारा 60 लाख रुपए की चपत लोगों को लगाई जा चुकी है। टीम अब तक गैंग के 40 से ज्यादा बैंक खातों में जमा लाखों रुपए फ्रीज कर चुकी है। क्राइम ब्रांच ने सूचना पर अनुराग शुक्ला और मनीष भट्ट दोनों निवासी सूरत (गुजरात) को गिरफ्तार किया है।

यह बदमाश फरियादी को झूठे टेलीग्राम टास्क और इन्वेस्टमेंट स्कीम का लालच देते थे। फरियादी मोहम्मद हिदायतुल्ला ने ठगी की शिकायत एनसीपीआर पोर्टल पर दर्ज कराई थी, इसके बाद क्राइम ब्रांच ने प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए आरोपी गैंग

की खोज शुरू की। शुरूआती जांच में पाया गया कि ठगों ने फरियादी को विश्वास में लेने के लिए पहले छोटा मुनाफा दिया और बाद में बड़ी रकम इन्वेस्ट कराया जाता है। पूर्व में गिरोह के चार सदस्य मंदीप (हिसार, हरियाणा), सिद्देश्वर खांड भराड़ (महाराष्ट्र), गुरदीप बुरा (हरियाणा) तथा कृष्णा कदम (महाराष्ट्र) को गिरफ्तार किया जा चुका है।बैंक खाते कराते थे उपलब्ध सूरत से गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपी गैंग को फर्जी बैंक खाते उपलब्ध कराने का काम करते थे। इसके बदले उन्हें मोटा कमीशन मिलता था। तकनीकी विश्लेषण और मुखबिर की सूचना के आधार पर क्राइम ब्रांच ने इन्हें ट्रेस कर गिरफ्तार किया। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने देशभर में सैकड़ों लोगों को इसी तरीके से ठगने का खुलासा किया है। गिरफ्तार आरोपियों पर धारा 318(4), 316(5), 3(5) में कार्रवाई की जा रही है।

डीसीपी क्राइम ब्रांच राजेश कुमार त्रिपाठी के अनुसार, इंदौर निवासी मोहम्मद हिदायतुल्ला ने सितंबर 2024 में एनसीआरपी पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि टेलीग्राम टास्क और इन्वेस्टमेंट के नाम पर उनसे 60 लाख रुपए की ठगी की गई। ठगों ने शुरू में उन्हें छोटा मुनाफा दिखाकर विश्वास जीता और फिर बड़ी रकम इन्वेस्ट करवाकर रकम हड़प ली। जब उन्होंने पैसा निकालने की कोशिश की, तब ठगी का पता चला।

चार बदमाश जिला बदर, 15 को देना होगी थाने पर हाजरी

● अपराधों पर अंकुश के लिए पुलिस की बड़ी कार्रवाई

इंदौर। शहर में बढ़ते अपराधों ने पुलिस की नींद उड़ा रखी है। तमाम सख्ती और प्रतिबंधात्मक कार्रवाई भी बदमाशों पर की जा रही है। इसी क्रम में पुलिस कमिश्नर के आदेश पर 4 कुख्यात बदमाशों को जिला बदर तथा 15 बदमाशों को थाना हाजरी देना होगी। ऐसा नहीं होने पर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस के अनुसार, जुनैद पिता मजहर अली निवासी बडवाली चौकी रजा अपार्टमेंट थाना सदर बाजार, नीरज पिता गणपत सिंह ठाकुर निवासी मयूर नगर, राज पिता कमल बौरासी निवासी त्रिवेणी नगर चितावद तथा रोशन उर्फ रोहन बौरासी उम्र निवासी त्रिवेणी नगर को छह माह के लिए जिलाबदर किया है। जबकि, आवेश पिता हनीफ खान (एक साल), सतीश पिता प्रेम (एक साल), सुन्दरम उर्फ छोटू (एक साल), पीयूष उर्फ पीलू (एक साल), रिंकू उर्फ विकास (एक साल), हेमंत उर्फ भय्यू (एक साल), पंकज उर्फ टिल्लू (एक साल), सागर पिता प्रताप (6 माह), सुजल उर्फ छोटू(6 माह), आकाश उर्फ कालू (6 माह), कालू पिता शगुन (6 माह), लखन उर्फ लक्खा (6 माह), सलीम पिता ईद मोहम्मद (6 माह), आकाश पिता राधेश्याम (6 माह) तथा सोहेल पिता उमर कुरैशी (6 माह) तक थाने में हाजिरी देंगे। उन्हें उक्त अवधि में किसी भी अवैध गतिविधि में शामिल नहीं होना होगा, लोक शांति भंग करने वाला कोई कृत्य नहीं करना होगा तथा निर्बंधन आदेश का उल्लंघन करने पर कार्रवाई की जाएगी।

रेलवे स्टेशन से रिक्शा में बैठने वाले यात्रियों की सुरक्षा के लिए इंतजाम

● जीआरपी ने लगाए क्यूआर कोड, चालक की कुंडली भी दर्ज

इंदौर। रेलवे स्टेशनों से चलने वाले रिक्शा में अब महिला सवारी के साथ छेड़छाड़, मारपीट जैसी घटनाएं नहीं हो पाएगी। इन रिक्शाओं में जीआरपी ने क्यूआर कोड चस्पा किया है। क्यूआर कोड में चालक की सारी कुंडली का वर्णन है।

यह प्रयोग लक्ष्मी बाई नगर रेलवे स्टेशन से दौड़ने वाले 44 रिक्शाओं में किया गया है। यहीं के 50 ओर रिक्शाओं में जल्द ही क्यूआर कोड लगाए जाएंगे। इसके बाद इंदौर जीआरपी की परिधि में आने वाले उज्जैन और रतलाम के रिक्शाओं को सर्वे होगा। रेलवे ने इसे हमारी सवारी भरोसे वाली नाम दिया है। इस तरह का प्रयोग प्रदेश में पहली बार हो रहा है। आमतौर पर देखा गया है कि कम पढ़े लिखे और स्लम बस्ती के युवा रिक्शा चला रहे हैं। सवारी बैठाने, मनमाना किराया वसूलने को लेकर कई बार रिक्शा चालक न सिर्फ आपस में भिड़ जाते हैं, बल्कि यात्रियों से भी अभद्रता करते हैं। ऐसे कृत्य की शिकायतें भी थानों में दर्ज होती है।

क्या है क्यूआर कोड में इस सिस्टम में हर सत्यापित ऑटो चालक का नाम, मोबाइल नंबर, वाहन संख्या, फोटो और पुलिस वेरीफिकेशन की स्थिति ऑनलाइन डेटाबेस से जुड़ी होगी। यात्री केवल क्यूआर कोड स्कैन कर इन सभी जानकारियों को तुरंत देख सकेंगे। इस सुविधा से यात्रियों में सुरक्षा और भरोसे की भावना मजबूत होगी। किसी संदिग्ध गतिविधि, शिकायत या सामान खोने की स्थिति में चालक की पहचान तुरंत मिल सकेगी। जीआरपी को ऑटो चालकों की मॉनिटरिंग में तकनीकी मदद मिलेगी। यात्री चाहें तो ऑनलाइन फीडबैक भी दे सकेंगे। स्मार्ट पुलिसिंग, डिजिटल पारदर्शिता और यात्री सुरक्षा की दिशा में जीआरपी इंदौर की यह पहल एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

पुलिस अधीक्षक, रेलवे पद्म विलोचन शुक्ला ने कहा कि यह प्रदेश में पहला प्रयोग है। इससे यात्रियों को सुरक्षित सफर मिल सकेगा। रिक्शा चालकों की सारी जानकारी भी जीआरपी के पास रहेगी, जिससे अपराध कारित होने पर वे तुरंत पकड़े जा सकेंगे।

संपादकीय

दुबई हादसा- गहन जांच जरूरी

संयुक्त अरब अमीरात में आयोजित दुबई एयर शो में शुक्रवार को प्रदर्शन के दौरान भारत के बहुचर्चित स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस के क्रैश होने और उसमें सवार पायलट विंग कमांडर नमांश स्याल की दुखद मौत ने जहां देश को एक काबिल पायलट को खो दिया है, वहीं इस हादसे से तेजस की प्रतिष्ठा को भी धक्का लगा है। यह हादसा कैसे हुआ, इसको लेकर भारतीय वायुसेना ने कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी के आदेश दे दिए हैं। इस हादसे से पूरा देश दुखी और स्तब्ध है। विस्तृत जांच के बाद ही पता चलेगा कि इसके पीछे कारण क्या थे, कोई गंभीर तकनीकी त्रुटि थी अथवा पायलट से करतब दिखाते हुए कहीं कोई चूक हुई? दुबई एयर शो दुनिया के प्रतिष्ठित एयर शो में माना जाता है। इसमें विश्व भर की लड़ाकू विमान निर्माता कंपनियां अपने उत्पादों और उनकी खूबियों का प्रदर्शन करती हैं। इसमें दुनिया की सभी प्रमुख वायुसेनाओं के प्रतिनिधि भी भाग लेते हैं। एयर शो में अत्यंत कुशल पायलटों को ही भेजा जाता है। पायलट नमांश स्याल का चयन भी इसी आधार पर किया गया था। इस पांच दिनी शो में चार दिन तक भारत के 4.5 पीढ़ी के तेजस ने कई हैरतअंगेज करतब दिखाए। कम वजन वाले इस लड़ाकू एयरक्राफ्ट में दुनिया के कई देशों ने दिलचस्पी दिखाई है। संभव था कि दुबई शो के बाद भारत को इस विमान के खरीदार मिलते। लेकिन इस अहम मौके पर विमान का दुर्घटनाग्रस्त हो जाना और पायलट को बच निकलने का मौका भी मिल पाना कई सवाल खड़े कर गया है। क्योंकि वीडियो में विमान आकाश से सीधे नीचे आकर गिरता दिखाई पड़ रहा है। इस सिंगल इंजन वाले तेजस विमान को सरकारी कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड ने तैयार किया है। ये विमान दूर से ही दुश्मन के विमानों पर निशाना साध सकता है और दुश्मन के रडार को भी चकमा देने की क्षमता रखता है। विमान उतने ही हथियार और मिसाइल लेकर उड़ सकता है जितना इससे ज़्यादा वज़न वाला सुखोई विमान। तेजस में कुछ ख़ास तकनीकों का इस्तेमाल किया गया है। जैसे क्रिटिकल ऑपरेशन क्षमता के लिए एक्टिव इलेक्ट्रॉनिकली-स्कैन्ड रडार यानी इलेक्ट्रॉनिक रूप से स्कैन रडार, बियांड विजुअल रेंज (BVR) मिसाइल, इलेक्ट्रानिक वारफेयर सुइट और एयर टू एयर रिफ्यूलिंग की व्यवस्था। इसी साल सितंबर में भारतीय रक्षा मंत्रालय ने हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के साथ 97 तेजस विमान खरीदने का सौदा किया था। इनकी आपूर्ति 2027 में शुरू होने की उम्मीद है। लेकिन ताजा हादसे के बाद हाल को इस विमान की खामियों को दूर करना होगा। क्योंकि पिछले साल भी एक तेजस हादसे का शिकार हुआ है। लड़ाकू विमान ज्यादा से ज्यादा सुरक्षित हों, यह सभी की अपेक्षा रहती है। दुख की बात यह भी है कि दुबई हादसे के पहले कुछ पाक समर्थक तत्वों ने भी इस विमान और उसकी तकनीकी को बदनाम करने की कोशिश की। इस हादसे के बारे में विशेषज्ञों का कहना है कि पायलट नमांश स्याल बहुत कम ऊंचाई पर करतब दिखाने की कोशिश कर रहे थे और पायलट के अपने लूप को पूरा करने और नीचे जमीन के बीच बहुत कम फासला था। जहां तक पायलट नमांश स्याल की योग्यता की बात है तो वो सुलूर एयर बेस की 45 स्क्वाड्रन फ़्लाइंग डैगर्स के अत्यंत कुशल डिस्प्ले पायलट थे। उन्होंने एयरो इंडिया और कई राष्ट्रीय एयरशोज़ में अपनी असाधारण उड़ान क्षमता से दर्शकों का दिल जीता था। अफसोस की बात यह भी है कि विंग कमांडर स्याल ने हिमाचल प्रदेश में अपने परिजनों से टीवी पर यह शो देखने का आग्रह किया था। लेकिन उन बेचारों ने कल्पना नहीं की होगी, यह रोमांचक शो नमांश की वीरगति की खबर लेकर आएगा।

नजरिया

रघु ठाकुर

लेखक समाजवादी चिंतक हैं।

हत्यारा प्रदूषण देती व्यवस्था को बदलने का विचार नहीं

प्रदूषण को तो अब एक हत्यारा कहा जा रहा है और भारत की स्थिति इतनी भयावह है कि दुनिया में प्रतिवर्ष होने वाली 79 लाख मौतों में से 20 लाख यानि 25 प्रतिशत मौतें भारत में हो रही है। भारत में पीएम 2.5 का स्तर वैश्विक औसत से दो गुना है और भारत दुनिया के 5 सबसे प्रदूषित देशों में से एक है। यह भी विचित्र तथ्य है कि दुनिया के 5 सबसे प्रदूषित देशों में से तीन भारत-पाक और बांग्लादेश है, जो मूल भारत के हिस्से हैं। दुनिया में और भारत में भी हर 8 में से एक मौत का कारण प्रदूषित हवा है तथा हर 4 में से 1 हृदय रोग से मौत भी प्रदूषित हवा के कारण हो रही है। बड़े-बड़े महानगरों में, कास्मो पालिटन सिटी में प्रदूषण की स्थिति इतनी बदतर है कि छोटे-छोटे बच्चे भी अस्थमा के शिकार हो रहे हैं। जहां एक तरफ सरकार की उदासीनता है तो वहीं दूसरी तरफ भारतीय समाज का अंधविश्वास, अतार्किकता, नासमझी भी इसका एक कारण है।

देश में असामयिक तरीके से दो प्रकार की मौतें, जो शुरू हुई हैं वस्तुतः एक प्रकार की व्यवस्था की हत्या जैसी हैं उसमें एक है प्रदूषण और दूसरा सड़क दुर्घटनायें। प्रदूषण तो लगभग हर क्षेत्र में पहुंच चुका है, जल प्रदूषित, वायु प्रदूषित, भोजन-खाद्यान प्रदूषित और देखा जाये तो राजनीति और समाज भी अत्याधिक प्रदूषित हो चुके हैं। पर अभी हम मुख्य तौर पर वायु प्रदूषण की चर्चा करेंगे जिससे औसतन देश में प्रतिवर्ष 20 लाख लोग असमय मौत के शिकार हो रहे हैं। प्रदूषण को तो अब एक हत्यारा कहा जा रहा है और भारत की स्थिति इतनी भयावह है कि दुनिया में प्रतिवर्ष होने वाली 79 लाख मौतों में से 20 लाख यानि 25 प्रतिशत मौतें भारत में हो रही है। भारत में पीएम 2.5 का स्तर वैश्विक औसत से दो गुना है और भारत दुनिया के 5 सबसे प्रदूषित देशों में से एक है। यह भी विचित्र तथ्य है कि दुनिया के 5 सबसे प्रदूषित देशों में से तीन भारत-पाक और बांग्लादेश है, जो मूल भारत के हिस्से हैं। दुनिया में और भारत में भी हर 8 में से एक मौत का कारण प्रदूषित हवा है तथा हर 4 में से 1 हृदय रोग से मौत भी प्रदूषित हवा के कारण हो रही है। बड़े-बड़े महानगरों में, कास्मो पालिटन सिटी में प्रदूषण की स्थिति इतनी बदतर है कि छोटे-छोटे बच्चे भी अस्थमा के शिकार हो रहे हैं। जहां एक तरफ सरकार की उदासीनता है तो वहीं दूसरी तरफ भारतीय समाज का अंधविश्वास, अतार्किकता, नासमझी भी इसका एक कारण है। बाजार का नियंत्रण करने वाली शक्तियां अपने प्रचार माध्यम से इसको और बढ़ा रही है तथा सांप्रदायिक और कटटरपंथ के मानस ने कुछ कुरीतियों को और अधिक फलने-फूलने व प्रचारित करने का मौका दिया है, इस साल दीपावली पर दिल्ली का वायु प्रदूषण बढ़कर 350 पीएम पर पहुँच गया और जो कई दिनों तक ऐसा ही बना रहा। दिल्ली की भाजपा सरकार ने अपने सांस्कृतिक अपराध को याने संस्कृति के नाम पर किये जा रहे अपराध को छिपाने के लिये जोर शोर से प्रचार किया था कि मशीनों द्वारा कृत्रिम वर्षा कर प्रदूषण समाप्त किया जायेगा, पर वह भी प्रभावी सिद्ध नहीं हुआ, यह मात्र दिखावा साबित हुआ।

पिछले कई वर्षों से भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने राजधानी दिल्ली व देश में पटाखों और धुएँ वाले, बारूद से चलने वाले पटाखों पर रोक जैसी लगाई थी। हालाँकि यह रोक भी पूर्णतः प्रभावी नहीं थी। परंतु कम से कम एक वैधानिक लाचारी तो थी। परंतु इस बार सनातन और पर्व संस्कृति के जोरदार हल्ले ने सर्वोच्च न्यायालय को भी मानसिक रूप से प्रभावित कर दिया है, ऐसा लगता है। क्योकि मुश्किल से एक डेढ़ माह पूर्व खजुराहो के एक मंदिर में विष्णु प्रतिमा के क्षय होकर गिरने के बारे में, और उसकी पुनः स्थापना के बारे में, एक वकील ने याचिका दायर की थी। चूँकि पुरातत्व कानून के अनुसार पुरातत्व की प्रतिमा को दोबारा नकल कर नहीं बनाया जा सकता इसलिये मुख्य न्यायाधीश श्री गवई ने उनकी याचिका खारिज कर एक हल्की फुल्की परंतु तथ्यपरक टिप्पणी की थी कि इसमें न्यायालय कुछ नहीं कर सकता, अब आपको भगवान की शरण में जाना होगा, वही कुछ कर सकते हैं। वैसे तो एक अर्थ में उनकी यह टिप्पणी सही थी कि भगवान पत्थर में नहीं होते और स्वामी दयानंद सरस्वती (आर्य समाज), गुरुनानक (सिख), हजरत मोहम्मद (इस्लाम) और अनेक ऐसे पंथ हैं जिन्होंने इसी आधार पर मूर्ति पूजा को नकारा है। परंतु उसके बाद सनातन के नाम से उभरे इस नये समूह ने इतना जोर से हल्ला और प्रचार किया कि लगता है कि शायद मुख्य न्यायाधीश महोदय मानसिक दबाव में आ गये और कहा कि 'मैं सभी धर्मों का सम्मान करता हूँ।' उसके बाद भी सनातन के तथाकथित एक वकील ने मुख्य न्यायाधीश की पीठ पर जूता फेंका, इस घटना से भी मुख्य न्यायाधीश मानसिक दबाव में रहे होंगे ऐसा मेरा अनुमान है। उन्होंने इस बार फिर सनातनी विरोध न करें, उन्हें सनातनी विरोधी न बतायें संभवतः इसलिये उन्होंने दीपावली पर खुली छूट दे दी कि हरित पटाखे चलाये जायें। मेरी जानकारी में नहीं है कि कोई ऐसा पटाखा बना हो कि वह बारूद से चले और उसमें कार्बन डाई आक्साइड की जगह आक्सीजन निकले तथा इस निर्णय से उत्साहित होकर केंद्र व राज्य की भाजपा सरकारों और संघ व अन्य संस्थाओं ने इसे सनातन और पर्व संस्कृति की जीत बताया तथा जमकर पटाखे चलाने के लिये हिंदु समाज को प्रोत्साहित किया। धुआं व वायु के अलावा ध्वनि प्रदूषण इतना अधिक हुआ है कि दीपावली के बाद अस्पतालों में अस्थमा व श्वसन संबंधी बीमारियों, हृदय पीड़ितों, श्रवण शक्ति में कमी आने की तकलीफ को लेकर देशभर में लाखों लोग इलाज के लिये पहुँचे।

रावण को हराकर भगवान राम जब अयोध्या आये तो वहाँ के लोगों ने खुशियां मनाई और संभव है कि पटाखे फोड़े हों पर तब की अयोध्या व आज के भारत में कितना फर्क है। आज 150 करोड़ की आबादी का भारत है जो पहले से ही वायु जनित प्रदूषण से जूझ रहा है। कुछ समझदार लोगों का भी कहना है कि आज अगर भगवान राम खुद होते तो वह भी इन पटाखों को चलाने से मना करते कि इन पटाखों की आवश्यकता नहीं है। अभी इस बात का अध्ययन होना बकाया है कि इस दीपावली के पर्व पर सारे देश पर इस प्रदूषण का प्रभाव कितना हुआ है? बाजार ने यह आंकड़ा जरूर दिया है कि इस दीपावली पर 6 लाख करोड़ का व्यापार हुआ है और इसका मतलब है कि बाजार के लिये 2 से 3 लाख करोड़ का लाभ हो गया। सरकार के पास यदि 5 प्रतिशत भी मानें तो 30-40 हजार करोड़ का राजस्व जमा हो गया। परंतु इन पर्व संस्कृति के मानसिक प्रभाव और एक प्रकार से मानसिक नशे से ग्रस्त समाज को क्या मिला? केवल धूल, धुआं, अस्थमा, बहरापन, हृदय रोग आदि-आदि। यह स्थिति तब है जब मैं केवल पर्व की चर्चा कर रहा हूँ। वर्ना वाहनों और उद्योगों का प्रदूषण तो सर्वकालिक है। पूरे साल होने वाले प्रदूषण में से 70 प्रतिशत याने उसमें से 51 प्रतिशत उद्योगों से और 27 प्रतिशत वाहनों का प्रदूषण है। इसके बावजूद भी वाहनों की संख्या निरंतर बढ़ती जा रही है और एक ऐसी स्थिति का निर्माण हो रहा है कि शहर अब आदमियों से ज्यादा वाहनों के शहर बन रहे हैं। जहां एक तरफइन वाहनों की वृद्धि प्रदूषण का एक बड़ा कारण है। सड़कों पर लगने वाला जाम, दुर्घटनाओं का भी एक बड़ा कारण है। देश में एक वर्ष में लगभग 1.72 लाख से अधिक लोग सड़क दुर्घटनाओं में मौत के शिकार हो जाते हैं और इनमें से एक बड़ा हिस्सा लगभग 35 हजार लोग वे निर्दोष लोग होते हैं जो सड़क पर पैदल चलने को लाचार हैं। सरकारों ने शायद यह मान लिया है कि पैदल सड़कों पर चलने वाले लोग अधिकांशतः गरीब लोग होते हैं, उन्हें सड़क पर चलने का कोई अधिकार नहीं है तथा चार पहिया या दो पहिया वाहन चालकों को उन्हें टक्कर मारने का पूरा अधिकार है। जो फुटपाथ बनाये गये, समूचे देश में वे बाजार के अतिक्रमणकारियों छोटे या बड़े के कब्जे में हैं।

एक आम आदमी को लाचारी है कि वह सड़क पर पैदल चलें और मौत का शिकार हो। जब कभी कहीं पर सड़कों या फुटपाथ पर अतिक्रमण हटाने का प्रयत्न होता है तो मीडिया से लेकर प्रतिपक्ष तक यह चिल्लाना शुरू करता है कि गरीबों को हटाया जा रहा है और यह बात दबा दी जाती है कि फुटपाथ पर पैदल, साइकिल से चलने वाले लोग भी अधिकांशतः गरीब ही होते हैं। मीडिया के पीछे जो बाजार की आर्थिकी है वह भी इस प्रचार को जोर से फैलाती है क्योंकि माल चाहे फुटपाथ पर, सड़क पर, दुकान पर या बड़े-बड़े मॉल पर बिके, कुल मिलाकर सामान तो कारखाने और होलसेल वालों का ही बिकता है और मुनाफे का बड़ा हिस्सा वहीं जाता है।

अब तो शहरों व महानगरों में तो अधिकांश फुटपाथ व सड़कों की जमीनों पर कार वालों का कब्जा है। कारों को खरीदने वालों के पास कोई पार्किंग की जगह नहीं है और वे कारों को सड़कों पर खड़ी करते हैं, सड़कों का आधा हिस्सा कार वालों के अतिक्रमण में रहता है परंतु कार वाले अधिकांशतः मध्यम वर्ग, उच्च वर्ग, नौकरीपेशा, अधिकारी, व्यापारी या बाहुबली होते हैं और उनके कारों के द्वारा अतिक्रमण को हटाने या पार्किंग की व्यवस्था अनिवार्य करने के निर्णय करने का साहस न सत्ता करती है, न प्रशासन करता है और मीडिया को तो करना ही नहीं। क्योंकि धुँये से भले लोग मरें पर कार मालिकों को फायदा होता है। इस दीपावली के एक दिन पहले धनतेरस पर 1 लाख से अधिक कारें बिकीं और इसका मतलब हुआ कि अगर एक कार को औसतन 10 लाख प्रति मान लिया जाए तो केवल एक दिन का धंधा 10 हजार करोड़ का हो गया और पूरे साल का धंधा लाखों करोड़ों का होगा। बैंक भी आजकल कारों के लिये सुलभ ऋण उपलब्ध करा रहे हैं और संपन्न तथा श्रेष्ठ दिखावे की भूख कारों की खरीद को गति दे रही है। कारें भी अब आम आदमी के लिये दो प्रकार से हत्यारी बन गई हैं। एक दुर्घटना के द्वारा और दूसरी प्रदूषण के द्वारा। मैं तो पिछले कई दशकों से कारों की सीमा बंदी की मांग करता रहा हूँ और एक सैद्धांतिक बात उठाता रहा हूँ कि कम से कम इतना किया जाये कि एक परिवार में एक कार से काम चलाया जाये। परंतु मेरी आवाज 'नक्कार खाने में तूती' की रही है। जिसे व्यवस्था व व्यापारी तो छोड़ो, जिनका स्वार्थ है सड़कों पर चलने वाले निर्दोषों मौतों के शिकार परिजन भी इसके पक्ष में खड़े नहीं होते। वैसे तो यह भी होना चाहिए कि सरकार वाहन निर्माता कंपनियों के ऊपर यह प्रतिबंध लगाये कि कार की रफ्तार 100 किमी, ट्रक की 80 किमी और डम्फर, जेसीबी जैसे वाहन की 50 किमी प्रति घंटे से अधिक न हो।

कुल मिलाकर सड़कों पर धुधां, धूल, दुर्घटनाओं से निर्दोष लोग मर रहे हैं। हालाँकि उनका व उनके परिजनों का इतना तो दोष है कि वे इस हत्यारी व्यवस्था को बदलने या हटाने का विचार भी नहीं करते हैं।

प्रौद्योगिकी

डॉ. आकाश सक्सेना

लेखक हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में प्रोफेसर हैं।

आधुनिक अनुसंधान के लिए एआई

जब कैलकुलेटर का आविष्कार हुआ था, तब अधिकांश वैज्ञानिकों ने सोचा था कि समय के साथ कैलकुलेटर का उपयोग मानव मस्तिष्क की गणना कौशल पर बुरा प्रभाव डालेगा। लेकिन बाद में, यह पता चला कि वैज्ञानिकों ने इसका उपयोग विशाल गणनाओं के लिए करना सीख लिया और एक पारिस्थितिकी तंत्र विकसित हो गया।

इसी तरह की तुलना कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और आधुनिक अनुसंधान के विकास में इसके उपयोग से की जा सकती है। यह कहना कोई अपवाद नहीं है कि एआई सभी विषयों में क्रांतिकारी प्रभाव डाल रहा है और आधुनिक अनुसंधान में एआई प्रथाओं को शामिल करने के लिए एक पारिस्थितिकी तंत्र मौजूद है। एक ओर, एआई उपकरण डेटा संग्रह, डेटा विश्लेषण और प्रीप्रोसेसिंग के लिए लाभदायक हैं, वहीं दूसरी ओर, ये मैन्युअल कार्यभार को कम करते हैं और एकत्रित डेटा के निर्णायक मूल्यांकन के लिए समय बचाते हैं। यहाँ यह उल्लेखनीय है कि वास्तविक प्रणालियाँ मापनीय हैं और इन प्रणालियों पर अनुसंधान विकसित करने के लिए, एआई सक्षम उपकरणों का उपयोग किया जाना चाहिए। मशीन लर्निंग एल्गोरिदम वास्तविक जीवन की समस्याओं जैसे भीड़भाड़ प्रबंधन, यातायात निगरानी आदि से संबंधित चुनौतियों का समाधान करने के लिए पैटर्न पहचान को तेज़ गति से सक्षम बनाता है।

अंतः विषयक अनुसंधान में सहयोग की आवश्यकता होती है, और सहयोगी विभिन्न मौसम संबंधी निर्देशांकों से संबंधित होते हैं। इसके लिए एक ऐसे प्लेटफ़ॉर्म की आवश्यकता होती है जो AI से सक्षम हो और विभिन्न समय क्षेत्रों के उपयोगकर्ताओं के लिए 24X7 उपलब्ध हो। (ओवरलीफ़) जैसे लेखन प्लेटफ़ॉर्म ऐसी सुविधाओं से युक्त हैं। प्लेटफ़ॉर्म प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण (NLP) इकाई से भी युक्त है। इसमें स्वतः सुधार एल्गोरिथ्म, विभिन्न भाषाओं में पाठ का अनुवाद और पाठ की समझ शामिल है। इससे शोधकर्ताओं को संचार को बेहतर बनाने और बेहतर रिपोर्ट/दस्तावेज़ लिखने में मदद मिलती है। AI संचालित प्लेटफ़ॉर्म साझा आभासी कार्यक्षेत्र प्रदान करते हैं और बेहतर स्वचालन के लिए अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं। AI संचालित सिमुलेशन और मॉडलिंग अभ्यास स्वास्थ्य सेवा, जैव रसायन, पर्यावरण इंजीनियरिंग आदि से संबंधित ढाँचे के विकास में सहायक हो सकते हैं।

साहित्य की आलोचनात्मक समीक्षा के आधार पर शोध में कमियों की पहचान के लिए AI उपकरणों का उपयोग किया जा सकता है। यह अभ्यास अनुसंधान के वांछित क्षेत्र से संबंधित उपयुक्त लेखों के चयन के लिए NLP ढाँचे का उपयोग करता है। इसके अलावा, इसके लिए क्लस्टरिंग एल्गोरिदम की आवश्यकता होती है जो सभी संबंधित कीवर्ड को एक ही स्थान पर एकत्रित कर सके और क्लस्टर प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए अनुकूलन कर सके। सैद्धांतिक विश्लेषण और पूर्वानुमानात्मक विश्लेषण के आधार पर, एआई आधारित एल्गोरिदम की मदद से वित्त पोषण के संभावित क्षेत्रों को लक्षित किया जा सकता है।

हर गुजरते साल के साथ, शिक्षा प्रौद्योगिकी में एआई के नैतिक उपयोग पर ज़ोर दिया जा रहा है। यह शोध के एक अलग क्षेत्र की शुरुआत करता है जो यह बता रहा है कि बुनियादी ढाँचे की सीमाओं और विशेषज्ञों की उपलब्धता व जागरूकता से जुड़ी अन्य बाधाओं के बावजूद, इस एआई आधारित ढाँचे से संबंधित पारिस्थितिकी तंत्र कैसे विकसित किया जा सकता है। इस युग में, नैतिक चिंताएँ सर्वोपरि हैं। पारिस्थितिकी तंत्र के विकास के लिए, हमें खतरे की पहचान और सक्रिय उपाय करने हेतु मज़बूत सुरक्षा प्रोटोकॉल की आवश्यकता है। हालाँकि, इस क्षेत्र में भी एआई आधारित ढाँचा ऐतिहासिक आँकड़ों से सीख सकता है और उपयोगिताओं के लिए एक सौहार्दपूर्ण समाधान प्रदान कर सकता है। शोधकर्ताओं के लिए, इन कार्यान्वयनों को एआई सुरक्षा प्रोटोकॉल पर आधारित शोध केस स्टडी के रूप में माना जा सकता है।

आधुनिक एआई उपकरणों के युग में, इसके ढाँचे को समझना और एक ऐसा पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करना अत्यंत आवश्यक है जहाँ एआई का उपयोग मानव द्वारा अनुसंधान के लिए एक उपकरण के रूप में किया जा सके। इस पारिस्थितिकी तंत्र में ऐसा बुनियादी ढांचा शामिल होगा जो अंतिम उपयोगकर्ता की आवश्यकताओं को समझे, उपयोगकर्ता की गोपनीयता बनाए रखे, स्केलेबल एआई एल्गोरिदम के लिए एक मंच प्रदान करे, एक ऐसा मंच जो सुरक्षा उल्लंघन की स्मार्ट भविष्यवाणी करने में सक्षम हो और जिसमें उपयोगकर्ता के अनुकूल इंटरफ़ेस भी हो।

सह-अस्तित्व के लिए एक पारिस्थितिकी तंत्र के विकास की आवश्यकता के साथ, साइबर हमलों के लिए एआई सक्षम प्रणालियों की भेद्यता को समझना भी एक जरूरी आवश्यकता है। चूंकि ये प्रणालियाँ निर्णय लेने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं और विभिन्न कार्यों का महत्वपूर्ण डेटा रखती हैं, इसलिए इन प्रणालियों की सुरक्षा एक महत्वपूर्ण चिंता का विषय है। साइबर स्पेस के अपराधी आधुनिक एआई सक्षम तकनीकों से अच्छी तरह लैस हैं और पहचान और पासवर्ड से संबंधित खतरे हर गुजरते साल के साथ बढ़ रहे हैं। तत्काल आवश्यकता सुरक्षा के मुख्य क्षेत्रों और परतों की पहचान करने और उन्हें कर्मचारियों तक पहुँचाने की है। इस युग में, सुरक्षा प्रोटोकॉल केवल तकनीक का मुद्दा नहीं है, बल्कि इसमें प्रबंधन भी शामिल है क्योंकि भारत में कार्यबल एआई का उपयोग करता है। एआई का उपयोग करने वाले कार्यबल का प्रतिशत वैश्विक कार्यबल से अधिक है। इसलिए, दिन-प्रतिदिन के जीवन में सुरक्षा प्रोटोकॉल का अनुप्रयोग अपरिहार्य हो जाता है।

भारत सरकार ने पहले ही GPU के आकार को बढ़ाने का निर्णय ले लिया है। इन इकाइयों के विकास और तैनाती का केंद्र टियर 2-3 शहर होंगे। इस निर्णय को पारिस्थितिकी तंत्र की मापनीयता के लिए सरकार की नीति के संदर्भ में देखा जा सकता है। एक ऐसा पारिस्थितिकी तंत्र जो सूचना के प्रसंस्करण और आधारभूत मॉडलों के विकास के लिए एआई-तैयार डेटा सेट को समाहित कर सके। इसलिए, सभी विभागों को एआई-अनुकूल बनाने के लिए एक सुविचारित प्रयास की आवश्यकता है।

एआई-सक्षम अनुसंधान को निम्न कार्बन अर्थव्यवस्था के लिए स्थायी समाधान खोजने की दिशा में बढ़ाया जा सकता है। कुशल भवन डिज़ाइन, अन्य संबंधित बुनियादी ढाँचे की आवश्यकताओं को एआई के कार्यान्वयन से जोड़ा जा सकता है। एआई-आधारित अनुसंधान को नीतियाँ बनाकर और प्रणाली को प्रासंगिक निर्णय लेने में सक्षम बनाकर सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करने में भी एकीकृत किया जा सकता है। यहाँ, रूपरेखा तैयार की जा सकती है और निर्णयों के प्रभाव का पूर्वानुमान लगाया जा सकता है। बुद्धिमान प्रणालियों का नैतिक परिनियोजन और फीडबैक लूप का समावेश भी एआई-आधारित रूपरेखा के लिए आधुनिक अनुसंधान दिशाएँ हैं।

यह एक सर्वविदित तथ्य है कि यह एआई का युग है, जहाँ हमें यह देखने की आवश्यकता है कि हम संज्ञानात्मक ज्ञान विकास के लिए ढाँचे का नैतिक रूप से उपयोग कैसे कर सकते हैं और समाज की बेहतरी के लिए ढाँचे का परिनियोजन कैसे कर सकते हैं। आधुनिक अनुसंधान में एआई का उपयोग बेहतर पहुँच, प्रभावी कार्यान्वयन, प्रभावी निर्णय लेने, विभिन्न रणनीतियों के तुलनात्मक विश्लेषण और सबसे बढ़कर, एक निश्चित समयावधि में सतत विकास के लिए है। इसलिए, एआई पर आधारित आधुनिक अनुसंधान के लिए पारिस्थितिकी तंत्र विकास पर चर्चा और कार्यान्वयन आवश्यक है।

एआई आधारित पारिस्थितिकी तंत्र के विकास के साथ, एआई सशक्तिकरण और संसाधन अनुकूलन के साथ अनुसंधान उपकरणों का पूर्ण उपयोग किया जा सकेगा।

गलत निर्णय लेने से रूकें बच्चे

संवाद संस्कृति

डॉ. मनमोहन प्रकाश

लेखक प्रोफेसर हैं।

हाल ही में दिल्ली के एक 16 वर्षीय किशोर द्वारा आत्महत्या की दुखद घटना समाज में संवादहीनता की बढ़ती समस्या की ओर गंभीर संकेत देती है। यदि शिक्षक, माता-पिता या परिवार के सदस्य बच्चों की बातों को धैर्यपूर्वक सुनें और संवाद का खुला वातावरण बनाएं, तो ऐसी अनेक घटनाओं को रोकना संभव है। बाल मनोविज्ञान स्पष्ट रूप से बताता है कि बच्चों की भावनाओं, दुविधाओं और आंतरिक संघर्षों को समझने के लिए संवाद संस्कृति अत्यंत आवश्यक है।

बच्चे अत्यंत संवेदनशील होते हैं। वे अनेक अच्छे-बुरे अनुभव चाहकर भी अक्सर अभिव्यक्त नहीं कर पाते। भय, संकोच या डांट की आशंका के कारण वे अपने मन की बात छुपा लेते हैं। ऐसे में परिवार और शिक्षक की जिम्मेदारी है कि वे बच्चों के लिए ऐसा वातावरण तैयार करें, जहाँ वे बिना डर, झिझक या मूल्यांकन की चिंता के अपनी समस्या, गलती, पीड़ा या अनुभव स्वतंत्र रूप से साझा कर सकें।ध्यान रखने योग्य बात है कि बच्चे 'उपदेश' से कम और 'पर्यावरण' से अधिक सीखते हैं। यदि घर में संवाद को एक नियमित आदत के रूप में अपनाया जाए, परिवार के सदस्य एक-दूसरे की बात ध्यानपूर्वक सुनें, तो बच्चे स्वाभाविक रूप से अपना सुख-दुख आगे बढ़कर साझा करने लगते हैं। घर में प्रतिदिन 10-15 मिनट का 'फैमिली-टाइम' बच्चों में विश्वास, सुरक्षा और आत्मीयता की भावना विकसित करने में अत्यंत प्रभावी हो सकता है।

जब बच्चा कुछ बताता है, तो तुरंत प्रतिक्रियाएँ देना,जैसे 'तुमने ही किया होगा', 'यह तो गलत है', 'ऐसा क्यों किया?'-उसके आत्मविश्वास पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है। बेहतर है कि बच्चों को धैर्यपूर्वक अपनी बात पूरी करने दें। इससे उनमें निष्पक्ष संवाद, भरोसा और खुलापन बढ़ता है। जो बड़े हैं, मार्गदर्शक की भूमिका में हैं, उन्हें 'पहले सहानुभूति, फिर सलाह' के सिद्धांत पर चलना चाहिए। सामान्यतः भावनात्मक समर्थन के बाद दिया गया मार्गदर्शन अधिक प्रभावी और स्वीकार्य होता है। इससे बच्चा सच बोलने में सहजता महसूस करता है और परिवार पर उसका भरोसा मजबूत होता है।बच्चों की निजता का सम्मान अत्यंत महत्वपूर्ण है। बच्चा जो भी व्यक्तिगत बात साझा करता है, उसे परिवारजनों, रिश्तेदारों या दोस्तों के बीच चर्चा या मज़ाक का विषय न बनाएं। बच्चे की बातों की गोपनीयता बनाए रखना ही विश्वास की वास्तविक नींव है। जब बच्चा देखता है कि उसकी निजी भावनाएँ सुरक्षित हैं, तो वह आगे भी परिवार के साथ खुलकर संवाद करना सीखता है।सिर्फ गलतियों पर ध्यान देने से संवाद कमजोर होता है; इसलिए आवश्यक है कि ईमानदारी, साहस, प्रयास, मित्रता, सत्य बोलने जैसी सकारात्मक बातों पर तुरंत प्रशंसा दी जाए। सराहना बच्चे की आत्मछवि को मजबूत बनाती है और भविष्य में भी संवाद के लिए प्रेरित करती है।

आज के डिजिटल युग में संवाद की आवश्यकता और बढ़ गई है, क्योंकि मोबाइल, इंटरनेट, सोशल मीडिया और डिजिटल गैजेट्स बच्चों के जीवन में गहराई से प्रवेश कर चुके हैं। माता-पिता को सहज शैली में समय-समय पर पूछना चाहिए-'क्या ऑनलाइन कुछ उलझन भरा देखा?', 'किसी का बुरा बोलना या मैसेज परेशान करता है क्या?', 'स्कूल में किसी दोस्त या शिक्षक ने कुछ ऐसा कहा जो तुम्हें अच्छा या बुरा लगा हो?' ऐसे सौम्य प्रश्न बच्चों को बाहरी दुनिया के सकारात्मक और नकारात्मक दोनों पहलुओं को साझा करने के लिए प्रेरित करते हैं। वस्तुतः संवाद एक ऐसा पुल (ब्रिज) है जो माता-पिता और बच्चों के बीच प्रेम, सुरक्षा, भरोसा और पारदर्शिता को मजबूत करता है। जब हर बच्चा यह विश्वास पूर्वक कह सके-'मम्मी-पापा, मुझे आपसे एक जरूरी बात करनी है'-तब समझिए कि संवाद संस्कृति ने अपनी भूमिका सफलतापूर्वक निभा दी है।

अतः आत्महत्या जैसी गंभीर समस्याओं की रोकथाम में परिवार, शिक्षक और मित्रों के बीच विकसित संवाद-संस्कृति सबसे बड़ा, सबसे प्रभावी और सबसे मानवीय अस्त्र है।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा अग्निबाण पब्लिकेशन, 121, देवी अहिल्या मार्ग, इंदौर, म.प्र. से मुद्रित एवं 662, साई कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
स्थानीय संपादक
हेमंत पाल
प्रबंध संपादक
रमेश रंजन त्रिपाठी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

डॉ. महेंद्र अग्रवाल

लेखक व्यंग्यकार हैं।

सिंह साहब का सिंहनाद

जिले में कलेक्टर के मातहत जितने भी विभाग होते हैं उनमें शिक्षा विभाग के जिला अधिकारी सिंह साहब का अलग ही जलवा था। कारण जब भी साहब पर कोई संकट आता वह संकटमोचक की भूमिका में होने का सफल अभिनय करने का पुरजोर प्रयत्न करने लगते। कभी कार्यकुशल कर्मठ दूत के रूप में,कभी वांछित व्यक्ति तक सोने की मुद्रिका पहुंचाने के रूप में, किसी अपरिचित संदिग्ध व्यक्ति से मेलमिलाप करवाने के रूप में या फिर बैरी तक स्पष्ट संदेश पहुंचाने वाले वीर योद्धा के नाते।

और वक्त ज़रूरत उनकी ओर से युद्ध के मैदान में उतरने में भी संकोच न करते। दुश्मन के छक्के छुड़ा पायें या नहीं ये अलग बात है। यदि साहब प्रधानमंत्री होते तो सिंह साहब को निश्चय ही रक्षा व संचार मंत्रालय का कार्य भार एक साथ सौंप देते। अघोषित रूप से भी वह उनके लिए यही कार्य करते थे। वैसे सिंह साहब किसी मंत्रालय के मोहताज न थे क्योंकि प्रभारी मंत्री के अलावा राजधानी में उनके ऐसे ऐसे महानुभावों के साथ अंतरंग संबंध थे जो उनके किसी भी मंत्रालय में अटके काम को चुटकियों में निबटाने की क्षमता रखते थे।अब भला साहब ऐसे प्रतापी पुरुष के मुरीद क्यों न हों? इसी का नतीजा था कि वे जिले भर में जहां मन करता सिंहनाद कर उठते। भले ही पास खड़े लोग डरें या भागें।मरने की मानसिकता बनायें या उनके विरूद्ध लड़ने की, उन्हें क्या? उनका क्या बिगड़ना था।सैंया भये कोतवाल तो डर काहे का।जिलाधिकारी का वरद हस्त क्या कम होता है?

वो थे भी संतोषी जीव,जो मिल रहा था उसमें परम संतुष्ट थे बस उसमें कोई विघ्न न आये।

अन्यथा संयम,संतुलन ,संजीदगी उनका व्यावहारिक गुण था जिसे वो संजीवनी के रूप में प्रयोग करते थे।वरना एक ही जिले में तेरह साल छह महीने टिके रहना हंसी मजाक नहीं है।वो छह महीने और टिक जायें तो जिले का रिकार्ड टूट जाये। वो भी इस मूड में थे और इसके पूरे आसार भी थे। यह इस जिले के किसी भी अधिकारी कर्मचारी के लिए भूतो न भविष्यति वाली बात थी।यों सहज संबोधन व संभावित संवेदना के मुखर प्रदर्शक के नाते उनकी सभी के साथ की गईं संविदायें सुरक्षित रहती थीं। उनकी विश्वसनीयता ही उनकी पहचान थी। जैसा कि एक गाना है-मेरी आवाज ही पहचान है।इसी कारण जिले के मुखिया भले ही आठ नौ बदल गये हों पर उनके पद पर संशय के बादल कभी न मंडराये। ऊपर तक सभी को ज्ञात था कि इनके जाने से जिले की सारी व्यवस्थायें चरमरा जायेंगी।जलवा ऐया कि अब उनके स्थानांतरण की बात पर जिले तो क्या प्रदेश के सटोरिये भी सकपकाते हैं।

कानून और न्याय

विनय झैलावत

(पूर्व असिस्टेंट सॉलिसिटर जनरल एवं वरिष्ठ अधिवक्ता)

विदेशी वकील-1

विदेशी वकीलों के भारत में काम करने के नियम

काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) ने विदेशी लॉ फर्मों और एडवोकेट्स को भारत में गैर-विवादास्पद मामलों का प्रैक्टिस करने की अनुमति देने वाले नियमों में संशोधन किया है। बीसीआई ने पारस्परिकता के आधार पर भारत में विदेशी लॉ (गैर-मुकदमेबाजी) का प्रैक्टिस करने की अनुमति देने वाले नियमों में संशोधन को अधिसूचित किया। बीसीआई द्वारा जारी अधिसूचना में कहा गया है कि बार काउंसिल ऑफ इंडिया रूल्स फॉर रजिस्ट्रेशन एंड रेगुलेशन ऑफ फॉरेन लॉयर्स एंड फॉरेन लॉ फर्म्स इन इंडिया, 2022 में संशोधन का उद्देश्य भारतीय अधिवक्ताओं द्वारा पारंपरिक मुकदमेबाजी को कोई नुकसान पहुंचाए बिना भारत में अंतरराष्ट्रीय लॉ के प्रैक्टिस को विनियमित करना है।

हाल ही में विदेशी नागरिकों के नामांकन एवं प्रैक्टिस पर भारतीय बार काउंसिल के नियम, 2025 आधिकारिक राजपत्र में प्रकाशित किए गए। ये नियम भारतीय बार काउंसिल द्वारा अधिसूचित तिथि से लागू होंगे। ये नियम भारत के अलावा अन्य देशों के उन नागरिकों पर लागू होते हैं जो भारत में कानूनी व्यवसाय करने की अनुमति चाहते हैं, चाहे वे भारत के किसी विश्वविद्यालय से या किसी विदेशी विश्वविद्यालय से विधि की डिग्री प्राप्त करने के आधार पर हों। इन नियमों के तहत किसी विदेशी नागरिक के नामांकन पर तभी विचार किया जाएगा जब भारत के विधिवत योग्य नागरिकों को उस विदेशी नागरिक के देश में लगभग समान और पारस्परिक शर्तों पर विधि व्यवसाय करने की अनुमति हो। भारत के किसी विश्वविद्यालय से मान्यता प्राप्त कानून की डिग्री प्राप्त करने वाला विदेशी नागरिक केवल भारतीय कानून के गैर-मुकदमेबाजी संबंधी अभ्यास के लिए पंजीकृत होने का पात्र होगा। इसमें परामर्श, दस्तावेजीकरण और लेन-देन संबंधी कार्य शामिल होंगे। ऐसे विदेशी नागरिक को भारत में किसी भी न्यायालय, ट्रिब्यूनल, प्राधिकरण या अर्ध-न्यायिक निकाय के समक्ष सुनवाई या उपस्थित होने का कोई अधिकार नहीं होगा। किसी ऐसे विदेशी नागरिक, जिसने भारत के किसी विश्वविद्यालय से विधि की डिग्री प्राप्त नहीं की है, को भारतीय विधि की प्रैक्टिस करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

ऐसा व्यक्ति केवल विदेशी विधि,अंतर्राष्ट्रीय विधि और अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्यिक मध्यस्थता से संबंधित मामलों में, बार काउंसिल ऑफ इंडिया के भारत में विदेशी वकीलों और विदेशी विधि फर्मों के पंजीकरण और विनियमन नियम, 2022, यथा संशोधित 2025 के अनुसार वकालत कर सकता है, बशर्ते कि ऐसी वकालात भारतीय विधि पर कोई राय देने तक विस्तारित न हो। इन नियमों में कोई भी बात एडवोकेट्स एक्ट, 1961 की धारा 32 के अंतर्गत किसी न्यायालय की विवेकाधीन शक्ति को प्रतिबंधित नहीं करेगी, जिसके अंतर्गत किसी गैर-एडवोकेट को किसी विशिष्ट मामले में मामला-दर-मामला आधार पर उपस्थित होने की अनुमति दी जा सके। इन नियमों के तहत जारी नामांकन प्रमाण पत्र में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया जाएगा कि यह प्रमाण पत्र धारक को भारत में केवल गैर-मुकदमेबाजी वाली विधि-व्यवहार में संलग्न होने के लिए अधिकृत करता है, जो परामर्श, दस्तावेजीकरण और लेन-देन संबंधी कार्यों तक सीमित है। भारत में किसी भी न्यायालय, ट्रिब्यूनल, प्राधिकरण या अन्य मंच के समक्ष सुनवाई या उपस्थिति का कोई अधिकार प्रदान नहीं करता है।

प्रमाण पत्र पर यह स्पष्ट और सुस्पष्ट टिप्पणी भी अंकित होगी कि धारक किसी भी न्यायिक या अर्ध-न्यायिक कार्यवाही में उपस्थित होने, पैरवी करने, कार्य करने या किसी व्यक्ति का प्रतिनिधित्व करने का हकदार नहीं है, न ही किसी भारतीय न्यायालय, ट्रिब्यूनल या प्राधिकरण के समक्ष वकील के रूप में साक्ष्य देने या शपथ पर प्रस्तुतियां देने का हकदार है। इन नियमों के अंतर्गत पंजीकृत कोई भी विदेशी नागरिक किसी भी बार एसोसिएशन, राज्य बार काउंसिल या भारतीय बार काउंसिल द्वारा संचालित किसी भी वित्तीय सहायता, कल्याणकारी लाभ या योजना का पात्र नहीं होगा, जब तक कि उसे केंद्र सरकार के पूर्व अनुमोदन से भारतीय बार काउंसिल द्वारा विशेष रूप से अधिकृत न किया गया हो। इन नियमों के अंतर्गत पंजीकृत कोई भी विदेशी नागरिक कानूनी सहायता, सरकारी पैनल, या एडवोकेट पैनल की आवश्यकता वाले किसी भी सार्वजनिक पद के लिए सूचीबद्ध होने का पात्र होंगे। साथ ही न्यायपालिका या न्यायिक सेवाओं के लिए उपस्थित होने या नामांकित होने का पात्र, या न्यायिक या अन्य कानूनी सेवाओं के लिए किसी भी प्रतियोगी परीक्षा में बैठने का पात्र, जब तक कि केंद्र सरकार या संबंधित राज्य सरकार द्वारा, जैसा भी मामला हो, स्पष्ट रूप से अनुमति न दी गई हो। इन नियमों के तहत कोई भी विदेशी नागरिक भारत में वकालत नहीं कर सकता, जब तक कि उसके पास गृह मंत्रालय द्वारा जारी वैध वीजा या वर्क परमिट न हो, जो ऐसी व्यावसायिक गतिविधि के लिए विशेष रूप से अधिकृत हो।

इन नियमों के तहत पंजीकृत प्रत्येक विदेशी नागरिक उन्हीं व्यावसायिक मानकों, आचार संहिता और शिष्टाचार से बंधा है जो एडवोकेट्स एक्ट, 1961 के तहत नामांकित वकीलों पर लागू होते हैं, और वे भारतीय वकीलों की तरह उसी राज्य बार काउंसिल और भारतीय बार काउंसिल के अनुशासनात्मक क्षेत्राधिकार के अधीन हैं। पेशेवर आचरण का कोई भी उल्लंघन, इन नियमों का उल्लंघन या वैध वीजा या कार्य प्राधिकरण के बिना की गई कानूनी प्रैक्टिस पेशेवर कदाचार मानी जाएगी। बार काउंसिल ऑफ इंडिया किसी विदेशी

नागरिक का पंजीकरण निलंबित या रद्द कर सकती है यदि उसके गृह देश के साथ भारत देश के पारस्परिक संबंध तब मौजूद नहीं रहे। यदि वीजा या कार्य प्राधिकरण की अवधि समाप्त हो गई हो या उसे रद्द कर दिया गया हो या व्यक्ति पेशेवर कदाचार या इन नियमों के उल्लंघन का दोषी पाया जाता है, अथवा नामांकन गलत बयानी, दमन या धोखाधड़ी के माध्यम से प्राप्त किया गया था, या केंद्र सरकार सार्वजनिक हित, राष्ट्रीय सुरक्षा या विदेश नीति के आधार पर ऐसा निर्देश देती है तो भी विदेशी नागरिक का पंजीकरण निरस्त किया जा सकता है। ये नियम एडवोकेट्स एक्ट, 1961 के तहत नामांकित वकीलों के अधिकारों, विशेषाधिकारों या हितों को कमजोर या प्रभावित करेंगे, और भारत में न्यायालयों, ट्रिब्यूनलों और प्राधिकरणों के समक्ष सुनवाई का विशेष अधिकार केवल ऐसे वकीलों के पास ही रहेगा।

मई में, बीसीआई ने विदेशी लॉ फर्मों से संबंधित संशोधित नियमों भारत में विदेशी वकीलों और विदेशी लॉ फर्मों के पंजीकरण और विनियमन के लिए बार काउंसिल ऑफ इंडिया के नियम को अधिसूचित किया था। इसके तहत विदेशी लॉ फर्मों को भारत में गैर-मुकदमेबाजी वाले मामलों को पारस्परिक आधार पर लेने की अनुमति दी गई थी। पिछले महीने, बीसीआई ने भारतीय लॉ फर्मों और विदेशी लॉ फर्मों के बीच गठजोड़ के खिलाफ चेतावनी भी जारी की। इसमें कहा गया था कि ऐसी साझेदारियों को विदेशी लॉ फर्मों द्वारा भारतीय प्रॉक्सी के माध्यम से काम करके नियमों को दरकिनार करने के प्रयास के रूप में देखा जाएगा।

बीसीआई ने विदेशी लॉ फर्मों और एडवोकेट्स को भारत में गैर-विवादास्पद मामलों का प्रैक्टिस करने की अनुमति देने वाले नियमों में संशोधन किया है। बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) ने विदेशी एडवोकेट्स और लॉ फर्मों को पारस्परिकता के आधार पर भारत में विदेशी लॉ (गैर-मुकदमेबाजी) का प्रैक्टिस करने की अनुमति देने वाले नियमों में संशोधन को अधिसूचित किया है। बीसीआई द्वारा 13 मई की हालिया अधिसूचना में कहा गया है कि बार काउंसिल ऑफ इंडिया रूल्स फॉर रजिस्ट्रेशन एंड रेगुलेशन ऑफ फॉरेन लॉयर्स एंड फॉरेन लॉ फर्म्स इन इंडिया, 2022 में संशोधन का उद्देश्य भारतीय अधिवक्ताओं द्वारा पारंपरिक मुकदमेबाजी को कोई नुकसान पहुंचाए बिना भारत में अंतरराष्ट्रीय लॉ के प्रैक्टिस को विनियमित करना है। अधिसूचना में यह भी कहा गया है कि बीसीआई भारत में विदेशी एडवोकेट्स और विदेशी लॉ फर्मों के पंजीकरण और विनियमन के लिए बार काउंसिल ऑफ इंडिया नियम, 2022 में संशोधन करने का संकल्प करता है, इसे पहले 10 मार्च, 2023 को राजपत्रित किया गया था। यह संशोधित नियम आधिकारिक राजपत्र में प्रकाशन के तुरंत बाद लागू होंगे।

विशेष रूप से, पारस्परिकता आधार की जड़ें अधिवक्ता अधिनियम 1961 की धारा 47 के तहत पाई जाती हैं, जिसके अनुसार विदेशी वकील भारत में केवल तभी प्रैक्टिस कर सकते हैं जब उनके संबंधित गृह देश भारत के वकीलों को समान शर्तों पर वहां प्रैक्टिस करने की अनुमति देते हैं। हाल के विकास के अनुसार, बीसीआई का कहना है कि भारतीय वकील और फर्म अपने घरेलू प्रैक्टिस को छोड़े बिना अपने वैश्विक प्रैक्टिस का विस्तार करने के लिए अन्य देशों में विदेशी एडवोकेट्स या विदेशी लॉ फर्म के रूप में पंजीकरण कर सकते हैं। अधिसूचना यह भी स्पष्ट करती है कि विदेशी फर्मों या विदेशी वकीलों को भारत में होने वाले अंतरराष्ट्रीय कमर्शियल मध्यस्थता में भाग लेने की अनुमति दी जाएगी, जब तक कि इसमें विदेशी लॉ/अंतरराष्ट्रीय लॉ का एक तत्व शामिल है। 'बार काउंसिल ऑफ इंडिया का मानना है कि विदेशी वकीलों के लिए भारत में लॉ पेषे को खोलना, गैर-विवादास्पद मामलों में विविध अंतरराष्ट्रीय लॉ मुद्दों को संभालना और अंतर्राष्ट्रीय मध्यस्थता मामलों में भाग लेना सार्थक रूप से भारत में लॉ डोमेन के विकास में योगदान देगा, जो अंततः भारतीय वकीलों को भी लाभान्वित करेगा। लेकिन क्या यह सही है, यह प्रश्नवाचक चिन्ह अभी भी विद्यमान है।

(शेष अगले कॉलम में)

गुरु तेग बहादुर के 350वें शहीदी दिवस पर विशेष

श्वेता गोयल

लेखक शिक्षक हैं।

गुरु तेग बहादुर क्यों कहलाए 'हिन्द की चादर'?

सिख धर्म के नवें गुरु, श्रद्धेय गुरु श्री तेग बहादुर जी केवल सिखों के ही नहीं, बल्कि सम्पूर्ण मानवता के रक्षक और धार्मिक स्वतंत्रता के सर्वोच्च प्रतीक थे। इस वर्ष गुरु श्री तेग बहादुर जी का 350वां शहीदी दिवस मनाया जा रहा है। उन्होंने हर प्रकार की कट्टरता, अत्याचार और संकीर्णता के विरुद्ध निडर होकर आवाज उठाई और धर्म, मानवता तथा स्वतंत्रता के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए थे। जब मुगल साम्राज्य ने जबरन धर्म परिवर्तन का अभियान छेड़ा था, तब गुरु तेग बहादुर ने निर्भीक होकर कहा था, 'धर्म के लिए सिर देना स्वीकार है, पर झुकना नहीं।' उनका बलिदान किसी एक समुदाय के लिए नहीं बल्कि उस समस्त मानव जाति के लिए था, जो अपने विश्वास के साथ जीने का अधिकार चाहती थी। इसलिए उन्हें सम्मानपूर्वक 'हिन्द दी चादर' अर्थात् 'भारत की ढ़ाल' कहा गया क्योंकि उन्होंने हिन्दू धर्म की रक्षा करते हुए सम्पूर्ण भारतीय संस्कृति और सहिष्णुता की मर्यादा को बचाया। 24 नवम्बर 1675 को दिल्ली के चांदनी चौक में उन्होंने अपनी शहादत देकर यह सिद्ध कर दिया था कि धर्म का अर्थ किसी एक मत का आग्रह नहीं बल्कि सबके अधिकारों की रक्षा है। गुरु तेग बहादुर जी का जीवन संदेश देता है कि सच्चा धर्म वही है, जो दूसरों की आस्था का आदर करे और अन्याय के विरुद्ध डटकर खड़ा हो। उनका बलिदान मानवता के इतिहास में एक अमर अध्याय है, जहां सिर कटा पर धर्म नहीं झुका।

गुरु तेग बहादुर ने धर्म के सत्य ज्ञान के प्रचार-प्रसार एवं लोक कल्याणकारी कार्यों के लिए कई स्थानों का भ्रमण किया और लोगों को संयम तथा सहज मार्ग का पाठ पढ़ाते हुए धर्म के सत्य मार्ग पर चलने का उपदेश देते हुए आध्यात्मिक स्तर पर धर्म का सच्चा ज्ञान भी दिया तथा सामाजिक स्तर पर चली आ रही रूढ़ियों, अंधविश्वासों की कटु आलोचना कर नए सहज जनकल्याणकारी आदर्श स्थापित किए। उन्होंने कुएं खुदवाना, धर्मशालाएं बनवाना तथा अन्य लोक परोपकारी कार्य कराकर लोगों के आध्यात्मिक, सामाजिक व आर्थिक उन्नयन के लिए भी अनेक रचनात्मक कार्य किए। वे सदैव सिखों के प्रथम गुरु रहे गुरु नानक देव द्वारा बतलाए गए मार्ग का अनुसरण करते रहे। उनकी गिनती मानवीय धर्म, वैचारिक स्वतंत्रता एवं आदर्शों के लिए शहीद होने वाले महापुरूष तथा क्रांतिकारी युगपुरूष के रूप में होती रही है। उन्होंने कश्मीरी पंडितों तथा अन्य हिन्दुओं को बलपूर्वक मुसलमान बनाने का प्रबल विरोध किया।

वह ऐसा समय था, जब पूरी कट्टरता और निर्ममता के साथ इस्लाम धर्म का प्रचार-प्रसार किया जा रहा था और खून की नदियां बहाकर लोगों को धर्म परिवर्तन करने के लिए विवश किया जा रहा था। गुरु तेग बहादुर ने लोगों को धर्म परिवर्तन से बचाने के लिए उन्हें प्रेरित करने का कार्य किया और उनकी लगातार बढ़ती लोकप्रियता तथा धर्म परिवर्तन की राह में रोड़ा बनने के कारण वे कट्टर मौलानाओं की आंखों में खटकने लगे थे। नतीजा यह हुआ कि तत्कालीन मुगल शासक औरंगजेब ने उन्हें तरह-तरह से परेशान करना शुरू कर दिया। इसी उद्देश्य से गुरु तेग बहादुर के कई करीबी सेवादारों को बड़ी ही निमर्मता से मरवा दिया गया। गुरु जी की आंखों के सामने ही उनके प्रिय सेवादार भाई मतीदास की बोटी-बोटी काट दी गई, भाई दयालदास को खौलते पानी के कड़ाह में फैंककर बड़ी दर्दनाक मौत दी गई, भाई सतीदास को कपास में लपेटकर जिंदा जला दिया गया। मुगल शासक औरंगजेब का इतना अत्याचार झेलने के बाद भी गुरु तेग बहादुर अपने इरादों में टस से मस नहीं हुए और उन्होंने औरंगजेब द्वारा अपनाए गए दबाव के तमाम क्रूरतम तरीकों के बावजूद इस्लाम धर्म को अपनाने से इन्कार कर दिया था। अंततः औरंगजेब ने गुरु तेग बहादुर को मौत की सजा सुनाई और उसने सबके सामने उनका सिर कलम करवा दिया। क्रूर शासक औरंगजेब के फरमान पर दिल्ली के चांदनी चौक में काजी ने फतवा पढ़ा और जल्लाद जलालदीन ने तलवार से तेग बहादुर का शीश धड़ से अलग कर दिया। इस तरह धर्म, मानवीय मूल्यों,

आदर्शों तथा सिद्धांतों की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले गुरु तेग बहादुर का विश्व इतिहास में अद्वितीय स्थान रहा हैं।

दिल्ली में स्थित गुरुद्वारा शीश गंज साहिब और गुरुद्वारा रकाब गंज साहिब उन स्थानों की याद दिलाते हैं, जहां गुरु तेग बहादुर की निर्मम हत्या की गई। जिस जगह उन्हें शहीद किया गया था, दिल्ली में चांदनी चौक के पास उसी जगह पर अब गुरुद्वारा शीशगंज साहिब है और जिस स्थान पर उनका अंतिम संस्कार हुआ था, वहां पर गुरुद्वारा रकाब गंज साहिब है। 54 वर्ष की आयु में गुरु तेग बहादुर की असमय शहादत ने सिख धर्म को भी पूरी तरह से बदल दिया क्योंकि उसी घटनाक्रम के बाद अपनी रक्षा के प्रति सिख समुदाय पहले से ज्यादा सजग हुआ और कट्टर मुस्लिमों का कहर थोड़ा कम हुआ। उनकी शहादत के बाद उनके नौ वर्षीय पुत्र को गद्दी दी गई, जिसने आगे चलकर सिख धर्म की धारा को बदलकर रख दिया। गुरु तेग बहादुर का यह पुत्र खालसा पंथ का संस्थापक और सिखों का दसवां गुरु बना। गुरु गोबिंद सिंह ही गुरु तेग बहादुर के वह पुत्र थे, जिन्होंने साबित कर दिया कि सिख कमजोर नहीं हैं। गुरु तेग बहादुर निर्भय आचरण, धार्मिक अडिगता और नैतिक उदारता का सर्वश्रेष्ठ उदाहरण रहे हैं। वे मानवीय धर्म एवं वैचारिक स्वतंत्रता के लिए शहादत देने वाले एक क्रांतिकारी युगपुरूष थे। गुरुग्रंथ साहिब में उनका योगदान अतुलनीय है। उनके द्वारा रचित 116 शबद गुरु ग्रंथ साहिब में शामिल किए गए, जिनमें से एक है -

साधो कउन जुगति अब कीजै। जा ते दुरमति सगल बिनासै राम भगति मनु भीजै।

मनु माइआ महि उरझि रहिओ है बूझै नह कछु गिआना।

धर्म की रक्षा हेतु उनके बलिदान का उल्लेख करते हुए सिख ग्रंथों में कहा गया है -

धरम हेत साका जिनि कीआ, सीस दीआ पर सिरड न दीआ। अपने पिता गुरु तेग बहादुर के अद्वितीय बलिदान के बारे में गुरु गोबिंद

सिंह जी ने लिखा - तिलक जंञू राखा प्रभ ताका। कीनो बडो कलू महि साका।। साधन हेति इती जिनि करी। सीसु दीया परु सी न उचरी।। धरम हेत साका जिनि कीआ। सीसु दीआ परु सिररु न दीआ।। धन्य हैं भारत की पावन भूमि पर जन्म लेने वाले और दूसरों की सेवा के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर देने वाले उदार चित्त, बहादुर व निर्भीक ऐसे महापुरूष। शांति, क्षमा और सहनशीलता के विलक्षण गुणों वाले गुरु तेग बहादुर जी ने उनका अहित करने की कोशिश करने वालों को सदा अपने इन्हीं गुणों से परास्त किया और लोगों को सदैव प्रेम, एकता और भाईचारे का संदेश दिया। उन्होंने अपने धर्म की रक्षा के लिए अपना सब कुछ न्यौछावर कर दिया था, उनका जीवन हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। उनका शहीदी दिवस उनके दिखलाए मार्ग पर चलते हुए किसी भी जुल्म और अन्याय का डटकर मुकाबला करने की प्रेरणा देता है।

राम मंदिर ध्वजारोहण

डॉ. शालिग्राम सिंह

बदलते भारत का धर्म ध्वज और हम

यह भी एक दिलचस्प संयोग ही है कि वर्ष 2014 में जब देश की राजनीति और सांस्कृतिक विवेक ने राष्ट्रवादी अंगड़ाई ली तो भारतीय आस्था के पुराने केंद्र नए सिरे से रेखांकित हुई। भारतीय नायकत्व की त्रयी के रूप में काशी, अयोध्या और मथुरा का महत्व और उसे लेकर लोक आस्था और स्वीकृति कोई नई बात नहीं है। आज की तारीख में बात करें तो बड़ी बात यह जरूर है कि देश की सनातन आस्था का यह नव-आलोड़न न तो किसी संवैधानिक मूल्य का हनन करता है और न ही देश में स्थापित विधि और न्याय की स्थापित व्यवस्था का। इसलिए यह अकारण नहीं कि आज भारत को लेकर देश के भीतर और बाहर जिन दो नेताओं का आइकोनिक वैल्यू सबसे बड़ा है उनमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सर्वप्रमुख हैं।

भारत अपने चित्त, मानस और काल को आज निज और स्वायत्त बोध से न सिर्फ जोड़ रहा है, बल्कि इससे वह भविष्य के लिए ऊर्जा और दिशा का भी निर्धारण कर रहा है। दिशा, बोध और आदर्श की यह त्रिवेणी असाधारण है। इसमें एक तरफ जहां परंपरा का सतत बोध है, वहीं अपने आध्यात्मिक-सांस्कृतिक आदर्श और नायकत्व को लेकर गहरी समझ भी है। भारत की इस सांस्कृतिक विलक्षणता पर समाजवादी चिंतक डॉ. राम मनोहर लोहिया ने बहुत सुंदर तरीके से विचार किया है। इस विषय पर उनका महत्वपूर्ण आलेख है- राम, कृष्ण और शिव। इसमें उन्होंने ईश्वर के रूप में प्रतिष्ठित भारत की नायक परंपरा को लेकर कहा है कि राम, कृष्ण और शिव भारत में पूर्णता के तीन महान स्वप्न हैं। राम की पूर्णता मर्यादित व्यक्तित्व में है, कृष्ण की उन्मुक्त या संपूर्ण व्यक्तित्व में और शिव की असीमित व्यक्तित्व में, लेकिन हर एक पूर्ण है। वैसे भी पूर्णता में विभेद कैसे हो सकता है। पूर्णता तो समावेशी होता है। आज जब अयोध्या में नवनिर्मित राम मंदिर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा धर्म ध्वज फहराए जाने की चर्चा हर तरफ है तो सनातन आस्था का सर्व-स्पर्शी और सर्व-समावेशी चरित्र एक बार फिर उभर कर सामने आता है।

गौरतलब है कि राम मंदिर के मुख्य शिखर पर धर्म ध्वज फहराने की बड़ी घटना का साक्षी जो लोग बनने जा रहे हैं उनमें अनुसूचित और पिछड़े वर्ग के लोग सर्वाधिक हैं। आयोजन का यह लोक स्वरूप और उससे जुड़ा विवेकपूर्ण औचित्य यह दिखाता है कि सनातन आस्था को तमाम विभाजनकारी आक्षेपों से ऊपर रखते हुए आज का भारत अपने राष्ट्रीय विवेक को गढ़ने में सफल रहा है। यह बीते एक दशक में भारतीय चित्त और मानस में आया बड़ा परिवर्तन है, जिसका प्रतिबिंबन देश में एक के बाद एक लोकतांत्रिक निर्णयों और राजधर्म में भी दिख रहा है। अगर ऐसा नहीं होता तो बाबरी मस्जिद के पूर्व पक्षकार इकबाल अंसारी राम मंदिर पर धर्म ध्वजारोहण कार्यक्रम का निमंत्रण पाकर अभिभूत नहीं होते।

यह भी एक दिलचस्प संयोग ही है कि वर्ष 2014 में जब देश की राजनीति और सांस्कृतिक विवेक ने राष्ट्रवादी अंगड़ाई ली तो भारतीय आस्था के पुराने केंद्र नए सिरे से रेखांकित हुई। भारतीय नायकत्व की त्रयी के रूप में काशी, अयोध्या और मथुरा का महत्व और उसे लेकर लोक आस्था और स्वीकृति कोई नई बात नहीं है। आज की तारीख में बात करें तो बड़ी बात यह जरूर है कि देश की सनातन आस्था का यह नव-आलोड़न न तो किसी संवैधानिक मूल्य का हनन करता है और न ही देश में स्थापित विधि और न्याय की स्थापित व्यवस्था का। इसलिए यह अकारण नहीं कि आज भारत को लेकर देश के भीतर और बाहर जिन दो नेताओं का आइकोनिक वैल्यू सबसे बड़ा है उनमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सर्वप्रमुख हैं। यह भी कि घर-परिवार से लेकर चौक-चौराहे और इंटरनेट की खिड़कियों तक पसरा आस्था और नेतृत्व का यह ऑप्टिकल व्यू इकहरा नहीं है, बल्कि यह नए दौर में भारत के नवनिर्माण का बनता नया आधार और विस्तार है। अगर ऐसा नहीं होता तो अयोध्या में राम मंदिर

निर्माण के कुछ माह पूर्व बिहार के मिथिला क्षेत्र में माता जानकी की जन्मस्थली के रूप में विख्यात पुनौराधाम के पुनर्निर्माण को लेकर व्यापक लोक स्वीकृति और प्रसन्नता की स्थिति नहीं देखने को मिलती।

इस सिलसिले को आगे भगवान बुद्ध और महावीर से जुड़े स्थलों के संवर्धन और विकास के साथ जोड़कर देखें तो यह प्रेरणा और आस्था से जुड़े लोक मूल्यों के साथ एक सशक्त राष्ट्र के तौर पर भारत के उभार के सांस्कृतिक स्थापत्य को दिखाता है। इस असाधारण स्थापत्य के एक छोर पर जहां भारत की आर्थिक तरक्की है, वहीं दूसरे छोर पर इसके लिए संबल के तौर पर उसका सांस्कृतिक बोध है।

बात करें 25 नवंबर को अयोध्या के राम मंदिर पर धर्म ध्वजारोहण की तो यह कुल मिलाकर भारतीय संस्कृति का जय बोध और उसकी आखिल उद्घोषणा है। यह सब विवाह पंचमी के शुभ मुहूर्त पर संपन्न होने जा रहा है। मान्यताओं के मुताबिक यह वही दिन है, जब भगवान राम और माता सीता का विवाह संपन्न हुआ था।

धर्म ध्वज को लेकर जो सनातन मान्यता है, उसके मुताबिक यह शक्ति, महिमा और संरक्षण की प्रखर लोक उद्घोषणा है। शास्त्रों में इसे ऊर्जा और अध्यात्म तेज का प्रकटीकरण कहा गया है। राम मंदिर पर पर फहरने जा रही ध्वज का केसरिया रंग इसलिए भी खास है क्योंकि यह लंबे समय से वीरता, त्याग, बलिदान और भक्ति का प्रतीक रहा है। ध्वज पर अंकित सूर्य का चिन्ह ऊर्जा, प्रकाश और जीवन का द्योतक है, तो इसके केंद्र में अंकित 'ऊं' ब्रह्मांड के प्रथम और परम उच्चारण है, जो आध्यात्मिक शक्ति और दिव्यता को दर्शाता है। ध्वज पर अंकित कचनार की प्रजाति के कोविदार वृक्ष अयोध्या का राजवृक्ष है। इस बात के कई उल्लेख मिलते हैं कि भरत जब राम को मनाने चित्रकूट गए थे, तब उनके रथ पर कोविदार अंकित ध्वज था जिसे लक्ष्मण ने दूर से ही इसे पहचान लिया था कि अयोध्या की सेना आ रही है।

वस्तुत: भारत अपने चित्त, मानस और काल को आज निज और स्वायत्त बोध से न सिर्फ जोड़ रहा है, बल्कि इससे वह भविष्य के लिए ऊर्जा और दिशा का भी निर्धारण कर रहा है। दिशा, बोध और आदर्श की यह त्रिवेणी असाधारण है। इसमें एक तरफ जहां कल्याणकारी लोक परंपरा का बोध है, वहीं अपने आध्यात्मिक-सांस्कृतिक आदर्श और नायकत्व को लेकर गहरी समझ भी है। यह बड़ी बात है कि एक ऐसे दौर में जब दुनिया में हर तरफ आदर्श और मर्यादा का लोप और क्षरण हो रहा है, तो भारत अपनी परंपरा और यशस्वी प्रतीकों के साथ आगे बढ़ रहा है। लोक और परंपरा के इस समावेशन में सबके लिए मान और स्थान है। यह रामराज्य की वह विराट संकल्पना है, जो संविधान की मूल प्रति के साथ भारतीय जनमानस के हृदय पर भी अंकित है। देश की सत्ता और राजनीति की सतही व्याख्या से कई बार बदलते देश और देशकाल को सही तरीके से देख-समझ नहीं पाते हैं। लिहाजा मौजूदा समय की यह भी एक दरकार है कि बदलते भारत के बोध और विवेक को हम तमाम पूर्वाग्रहों से मुक्त होकर देखें।

अधूरी ई-केवायसी के कारण योजनाओं से वंचित हो रहे लोग

समग्र आईडी से अब तक जिले में 1.22 लाख नाम हटे

एस. द्विवेदी, बैतूल। जिले में समग्र आईडी को आधार से लिंक करने यानि ई-केवायसी का काम जारी है। इस दौरान डुप्लीकेट आईडी को समाप्त करने का काम भी किया जा रहा है। पिछले चार महीने से यह काम चल रहा है। जिसके तहत जनपद स्तर पर करीब 88.45 प्रतिशत और नगरीय निकाय स्तर पर लगभग 94.90 प्रतिशत ई केवायसी हो चुकी है, जबकि अधूरी ई-केवायसी वाले नागरिकों के नाम समग्र पोर्टल से हटाए जा रहे हैं। इससे कई लोगों को शासन की योजनाओं का लाभ मिलने में दिक्कतें आ रही हैं। प्रशासनिक आंकड़ों के अनुसार, अब तक जिले में 1 लाख 22 हजार 977 लोगों के नाम डुप्लीकेसी होने के कारण समग्र पोर्टल से हटा दिए हैं। इनमें जनपद क्षेत्रों के 88 हजार 627 और नगरीय निकायों के 34 हजार 350 सदस्य शामिल हैं। इसका उद्देश्य फर्जी या दोहरी समग्र आईडी को समाप्त करना है, ताकि योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक ही पहुंच सके। प्रशासन का कहना है कि यह कदम पारदर्शिता और फर्जीवाड़ा रोकने के उद्देश्य से उठाया गया है। अधिकारियों के अनुसार, जिन लोगों के नाम हटे हैं, वे ई-केवाईसी पूरी करने के बाद पुन- समग्र पोर्टल में सक्रिय हो सकेंगे। जिला स्तर पर इस पूरी प्रक्रिया की निगरानी की जा रही है ताकि कोई पात्र नागरिक सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित न रह जाए।

तकनीकी दिक्कतें बन रहीं बाधा- जून में शासन ने सभी निकायों को निर्देश दिए थे कि वे नागरिकों को ई-केवाईसी प्रक्रिया के लिए अधिक से अधिक जागरूक करें। इसके लिए प्रचार-प्रसार अभियान चलाने की बात भी कही गई थी। हालांकि, अपेक्षित स्तर पर लोगों की भागीदारी नहीं बढ़ी। कई लोगों ने स्वयं से ई-केवायसी नहीं कराई, जिसके कारण अब उनके नाम पोर्टल से हट रहे हैं। वर्तमान में लोकसेवा केंद्रों और एमपी ऑनलाइन कियोस्कों पर ई-केवायसी कराने के लिए भीड़ बढ़ रही है। सर्वर की धीमी गति, ग्रामीण इलाकों में नेटवर्क की समस्या और कुछ लोगों के फिंगरप्रिंट न पढ़ने जैसी तकनीकी दिक्कतें सामने आ रही हैं। इसके अलावा समग्र रिकॉर्ड और आधार नंबर में असंगतियों के कारण भी कई बार सत्यापन प्रक्रिया पूरी नहीं हो पा रही है।

सदस्य संख्या में आई कमी- अभियान शुरू होने के समय जिले की जनपद पंचायतों में समग्र आईडी से जुड़े 15 लाख 2 हजार 832 सदस्य थे, जो अब घटकर 14 लाख 14 हजार 205 रह गए। वहीं निकायों में पहले 3 लाख 14 हजार 454 सदस्य थे, जो अब 2 लाख 80 हजार 104 हैं। बैतूल नपा क्षेत्र में भी सदस्यों की संख्या में कमी आई है। अभियान की शुरुआत में यह संख्या 1 लाख 34 हजार 4 थी, जो अब घटकर 1 लाख 7 हजार 149 रह गई है। यानी तीन महीनों में लगभग 26 हजार 855 नाम समग्र पोर्टल से हटाए जा चुके हैं। प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि जब तक 100 प्रतिशत ई-केवायसी प्रक्रिया पूरी नहीं हो जाती, यह संख्या और भी घट सकती है।

जिले में 89.39 प्रतिशत ई-केवाईसी का काम पूरा

जिले में केवाईसी का लगभग 89.39 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। इसमें नगरीय निकाय स्तर पर 94.09 प्रतिशत केवाईसी का काम पूरा हो चुका है, वहीं जनपद स्तर पर 88.45 प्रतिशत लोगों की ई-केवाईसी की जा चुकी है। कुल मिलाकर जिले में ई-केवायसी का काम 89.39 प्रतिशत हो गया है। इस दौरान जो डुप्लीकेट आईडी आ रही हैं, उनमें से सिर्फ एक आईडी को ही आधार से लिंक किया जा रहा है। जबकि डुप्लीकेट आईडी को आधार से लिंक नहीं किया जा रहा है। इसका उद्देश्य फर्जी या दोहरी समग्र आईडी को समाप्त करना है, ताकि योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक ही पहुंच सके। यह कदम पारदर्शिता और फर्जीवाड़ा रोकने के उद्देश्य से उठाया गया है।

निकायों में पहले और हटाए गए सदस्यों की संख्या

निकाय	पहले	हटे सदस्य
आठनेर	12642	113
आमला	28780	4,330
मुलताई	28139	81
बैतूलबाजार	11248	08
चिचोली	9653	28
भैंसदेही	11909	417
घोड़ाडोंगरी	10224	669
सारनी	57367	955
बैतूल	134004	26,855
शाहपुर	10488	950
योग	314454	34,350

इनका कहना है -

जिले में करीब 89.39 प्रतिशत ईकेवायसी का काम हो चुका है। ईकेवायसी के दौरान फर्जी या दोहरी समग्र आईडी को हटाने का काम किया जा रहा है। निकायों में 94.09 प्रतिशत और जनपद स्तर पर 88.46 प्रतिशत ईकेवायसी हो चुकी है।

- सतीश मटसेनिया, सीएमओ, नपा बैतूल

नेत्रदानी परिवार का अभिनंदन किया गया

जैन समाज के वरिष्ठ समाजसेवी शांतिलाल कोठारी (बाफना) के देवलोकगमन पर उनके नेत्रदान किए गए थे

धार। 20 नवंबर को जैन समाज के वरिष्ठ समाजसेवी श्री शांतिलालजी कोठारी (बाफना) का देवलोकगमन हो गया था। इस दुखद घडी के अवसर पश्चात भी परिवार ने उनकी मृत्यु पूर्व लिए गए नेत्रदान के संकल्प को पूर्ण करने हेतु धार मानव कल्याण समिति के माध्यम से उनके नेत्रदान किये थे जो अत्यंत सराहनीय और प्रेरणास्पद कदम था। उनके उठावना अवसर पर धार मानव कल्याण समिति द्वारा उनके दोनों पुत्र शैलेंद्र और राजेश कोठारी एवं परिवार के अन्य परिजनों को पिता के नेत्रदान करने हेतु अभिनंदन पत्र और त्याग के प्रतिक महर्षि दधीचि का स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया । साथ ही परिवार का आभार भी व्यक्त किया गया। इस अवसर पर समिति के आशीष बसु, अंशुल् शर्मा, मिलन पाल, प्रफुल्ल जैन, मनोज जैन एवं सोनू गायकवाड उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि धार मानव सेवा कल्याण समिति द्वारा विगत 2 वर्षों में धार नगर में किया गया यह 21 वां नेत्रदान है । समिति द्वारा 2 देहदान और एक त्वचा दान भी किया जा चुका है।

जिला अस्पताल के किचन एरिया के पास स्टोर रूम में लगी आग

अधिकारियों की तत्परता और संवेदनशीलता से जिला अस्पताल में बड़ा हादसा टला

बैतूल। रविवार को जिला अस्पताल के किचन एरिया के स्टोर रूम में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगने की घटना सामने आई। स्थिति गंभीर होने से पहले ही अस्पताल प्रशासन की सूझबूझ, तत्परता और संवेदनशीलता से आग पर काबू पा लिया गया। जानकारी मिलने पर प्रभारी सिविल सर्जन डॉ रूपेश पदमाकर, आरएमओ डॉ. रानू वर्मा, डॉ. रंजीत राठौर तत्काल मौके पर पहुंचे। अस्पताल के इलेक्ट्रीशियन श्री बिहारिया और सहायक इलेक्ट्रीशियन महेश तिवारी ने बिना समय गंवाए स्विच को बंद किया और अग्निशमन यंत्रों की मदद से आग बुझाई। एहतियातन फीमेल वार्ड , बच्चा वार्ड के मरीजों को सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट किया। स्टाफ की त्वरित कार्रवाई से बडी दुर्घटना होने से बच गई। सुबह प्रातः 9.20 बजे आग लगने की घटना सामने आई जिस पर महज 10 मिनट में काबू पा लिया गया। इसके साथ ही मरीजों को संबंधित वार्डों में पुनःशिफ्ट करने की कार्यवाही भी चालू की गई। घटना की जानकारी मिलते ही प्रभारी कलेक्टर अक्षत जैन, अपर कलेक्टर श्रीमती वंदना जाट, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य डॉ मनोज हुरमाड़े और ई एंड एम, एमपीईबी के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने घटना स्थल का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। अधिकारियों और अस्पताल कर्मचारियों की त्वरित प्रतिक्रिया से किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई, जिसके लिए मरीजों तथा उनके परिजनों ने अस्पताल प्रशासन की सराहना की। घटना के दौरान अस्पताल स्टाफ द्वारा तत्परता से मरीज को ट्रामा सेंटर एवं अन्य स्थानों पर शिफ्ट किया गया तथा आग पर काबू पान के बाद पुन संबंधित वार्ड में भेजा गया।

विवाह एवं अन्य समारोहों में डीजे का उपयोग पूर्णतः प्रतिबंधित

बैतूल। जिले में विवाह एवं अन्य समारोहों के दौरान ध्वनि विस्तारक यंत्रों के अनियंत्रित उपयोग के मामले सामने आने पर प्रभारी कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अक्षत जैन ने निर्देश जारी किए हैं। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए कलेक्टर ने लोकहित एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने की दृष्टि से पूरे बैतूल जिले की राजस्व सीमा में प्रतिबंधात्मक आदेश लागू किए हैं। आदेशानुसार ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग अब केवल ध्वनि प्रदूषण (विनियमन एवं नियंत्रण) नियम, 2000 के प्रावधानों के अनुरूप ही किया जा सकेगा। विवाह एवं अन्य समारोहों में डीजे का उपयोग पूर्णतःप्रतिबंधित रहेगा तथा रात्रि 10 बजे के बाद किसी भी प्रकार के लाउडस्पीकर या ध्वनि उपकरणों के प्रयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लागू रहेगा। बारात या चल समारोह के दौरान यातायात बाधित करने की अनुमति नहीं होगी। साथ ही मेरिज लॉन या हॉल संचालकों को पर्याप्त पार्किंग व्यवस्था सुनिश्चित करने और यातायात व्यवस्था बनाए रखने हेतु वालंटियर/कर्मचारी अनिवार्य रूप से नियुक्त करने होंगे। यातायात बाधित पाए जाने पर संबंधित मेरिज लॉन या हॉल को तत्काल सील करने की कार्रवाई की जाएगी। समस्त अनुविभागीय दंडाधिकारी, कार्यपालिक मजिस्ट्रेट, पुलिस अधिकारी एवं संबंधित विभागों को आदेशों के सख्त अनुपालन की निगरानी करने के निर्देश दिए गए हैं। आदेश का उल्लंघन करने पर भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के तहत कानूनी कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर ने जिले के नागरिकों से अपील की है कि वे सामाजिक जिम्मेदारी निभाते हुए इन नियमों का पालन करें और ध्वनि प्रदूषण को नियंत्रित रखने में प्रशासन को सहयोग दें।

नागपुर से निकली नर्मदा प्रवाह यात्रा का आज मुलताई में भव्य स्वागत

स्टैचू ऑफ यूनिटी की ओर बढ़ती यात्रा का आज मुलताई में वंदन-अभिनंदन

बैतूल। सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जन्म जयंती के अवसर पर भारत सरकार द्वारा नागपुर से स्टैचू ऑफ यूनिटी, गुजरात की ओर निकाली गई नर्मदा प्रवाह यात्रा आज शाम 4 बजे पवित्र नगरी मां ताप्ती उद्गम स्थल मुलताई पहुंचेगी। जहां यात्रा का भव्य स्वागत, वंदन और अभिनंदन किया जाएगा। भारतीय जनता युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष भास्कर मगरदे ने सभी नागरिकों से अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर इस विशेष यात्रा का स्वागत करें और इस गौरवशाली क्षण के साक्षी बनें। उन्होंने कहा कि नर्मदा प्रवाह यात्रा राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक विरासत और सरदार पटेल के योगदान को नमन करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। समूचे आयोजन की जानकारी भारतीय जनता युवा मोर्चा मीडिया प्रभारी प्रमेश राजपूत द्वारा दी गई है। उन्होंने बताया कि यात्रा स्वागत के लिए नगर में व्यापक तैयारियां की गई है और युवा मोर्चा के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में स्वागत स्थल पर मौजूद रहेंगे।

राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य बने राजेन्द्र गढ़वाल

बैतूल/भौंरा। समाजवादी जनपरिषद एक राजनीतिक दल होकर पार्टी के विधान अनुसार हर 2 वर्ष में राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया जाता है। इस सत्र का राष्ट्रीय सम्मेलन उड़ीसा राज्य के बलांगीर जिला के टीटलागड में महावीर पंचायत धर्मशाला में 22 एवं 23 नवम्बर को आयोजित किया गया। जिसमें शिवाजी राव गायकवाड महाराष्ट्र प्रदेश एवं विक्रम मोर्य (बनारस) उत्तरप्रदेश को चुनाव अधिकारी नियुक्त किया गया तथा चुनाव संपन्न हुआ। इसमें

उड़ीसा के लिंगराज आजाद समाजवादी जन परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने गये। वहीं राजेंद्र गढ़वाल मध्यप्रदेश आदि समाजवादी जनपरिषद के राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य के रूप में चुने गये। इस अवसर पर सभी ने एक स्वर में कहा कि समाजवादी जनपरिषद वैकल्पिक राजनीति एवं गरीबों, आदिवासियों, दलितों, मजदूरों व किसानों के हक व अधिकारों की लड़ाई लडने वाला दल है। कार्यक्रम में दस राज्यों से पार्टी प्रतिनिधि शामिल हुए।

पुलिस परेड ग्राउंड में हुआ स्वदेशी मेले का भूमि पूजन

2 से 14 दिसंबर तक पुलिस ग्राउंड में लगेगा विशाल मेला

बैतूल। पुलिस परेड ग्राउंड में 2 दिसंबर से 14 दिसंबर तक आयोजित होने वाले स्वदेशी मेले का भूमि पूजन स्वदेशी जागरण मंच जिला बैतूल द्वारा स्वर्णिम भारतवर्ष फाउंडेशन के माध्यम से रविवार 23 नवंबर को विधि-विधान से सम्पन्न हुआ। बैतूल के सबसे बड़े ग्राउंड में होने वाला यह मेला स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने और लोगों में स्वदेशी के प्रति भाव जागृत करने का लक्ष्य लेकर आयोजित किया जा रहा है। मेला संयोजक ममता मालवीय ने बताया कि मेले में स्वदेशी निर्मित वस्तुओं की झलक के साथ-साथ श्रीराम मंदिर आकर्षण का केंद्र रहेगा। मेले में भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम और कई प्रकार की प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। बच्चों व बड़ों के लिए बड़े-बड़े झूले भी लगाए जा रहे हैं। मेला सहसंयोजक डॉ. अंकिता सीते ने बताया कि यह आयोजन जिले में स्वदेशी विचारधारा को मजबूती देगा। भूमि पूजन के दौरान मुख्य रूप से प्रांत संगठन मंत्री हेमंत रावत, मेला पालक राजेश पप्पू शुक्ला, जिला संयोजक निलेश गिरी गोस्वामी, घनश्याम मदान, जिला समन्वयक राहुल कावले, मेला प्रभारी हेमलता कुंभारे, मेला सहसंयोजक उज्ज्वल प्रताप सिंह ठाकुर, जिला युवा आयाम प्रमुख धर्मेंद्र सिंह परिहार, प्रचार प्रसार प्रभारी हितेश ठाकरे , सांस्कृतिक प्रभारी वर्षा खाड़े, मीना बोरबन, रोशनी इवने, रोहित पवार, प्रणय विश्वकर्मा सहित कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बैतूल में अमानक आयुर्वेद दवाओं पर पूरी तरह प्रतिबंध

स्टॉकिस्ट और मेडिकल स्टोर्स की हुई जांच

बैतूल। भोपाल से जारी निर्देशों के बाद बैतूल में आयुष विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए डाबर इंडिया कफ कुठार रस बैच नंबर एसबी 00066, लक्ष्मी विलास रस (नारदीय)एसबी 00065, प्रवाल पिष्टी श्री धन्वंतरी हर्षलला विपेज पीपीएमबी 077, मुक्ता शुक्ति श्री धन्वंतरी हर्षलला विपेज एमएसबीडी 059, गिलोय सत्व शर्मायू जेन्युन 005 पी-1 और कामदुधा रस शर्मायू जेन्युन 251170002 पी-1 सहित कई अमानक आयुर्वेदिक दवाओं के कय-विक्रय पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया। औषधि नियंत्रक एवं संचालनालय आयुष म.प्र. द्वारा जारी। निर्देशों के बाद 22 नवंबर को जिला आयुष अधिकारी डॉ. योगेश चौकीकर के नेतृत्व में जिले के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में स्टॉकिस्टों तथा औषधि विक्रेताओं की जांच की गई। जांच के दौरान कफ कुठार रस, लक्ष्मी विलास रस (नारदीय), प्रवाल पिष्टी, मुक्ता शुक्ति, गिलोय सत्व और कामदुधा रस अमानक पाए जाने पर इन आयुर्वेदिक औषधियों की अनुज्ञप्ति निरस्त करने की कार्रवाई की गई। साथ ही इस श्रेणी की सभी अमानक आयुर्वेद दवाओं के कय-विक्रय पर तत्काल प्रभाव से पूर्ण प्रतिबंध लागू कर दिया गया है।

मेजर ने बुजुर्ग को थप्पड़-मुक्के मारे

भोपाल (नप्र)। भोपाल के दानिश कुंज कोलार में रहने वाले एक बुजुर्ग के साथ पड़ोस में रहने वाले आर्मी में बतौर मेजर पदस्थ विवेक पांडे ने मारपीट कर दी। वे कॉलोनी ग्रुप में उनके खिलाफ कमेंट करने से नाराज थे। पुलिस ने वृद्ध की शिकायत पर मारपीट और धमकाने की एफआईआर दर्ज कर ली है। फिलहाल मेजर की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। एसआई पप्पू कटियार के मुताबिक, 66 वर्षीय गोरेलाल पांडे मकान नंबर डीके 2/99 में रहते हैं और मध्य प्रदेश पाठ्य पुस्तक निगम के रिटायर्ड कर्मचारी हैं। उनके पड़ोस में विवेक पांडे रहते हैं। विवेक आर्मी में बतौर मेजर पोस्टेड हैं। एसआईआर सर्वे को लेकर उनकी कॉलोनी के ग्रुप में एक पोस्ट डाली गई थी। इस पर बुजुर्ग की ओर से विवेक के नाम को टैग कर कमेंट्स किया गया था। इस कमेंट्स के कुछ समय बाद विवेक उनके घर पहुंचे और गालियां देते हुए चेहरे पर मुक्का मार दिया। गोरेलाल के मुताबिक, विवेक ने शनिवार की रात करीब 8 बजे गेट नॉक किया। पत्नी गेट पर पहुंची तो निर्वाचन नामावली चेक करने का बहाना कर मुझे बुलाने को कहा। जैसे ही मैं लॉन में पहुंचा विवेक अंदर घुस आया, उसने मुझे चांटा मारने के बाद मुंह पर मुक्का मार दिया।

3डी कैनवास पर बारहसिंघा का चित्र उकेरा, दिया वन संरक्षण का संदेश

बैतूल। रंग-बिरंगे पशुओं- पक्षी के बिना वन सुना सा लगता है। वन्य प्राणी संरक्षण के संदेश को देते हुए खेड़ी की चित्रकार उमा सोनी ने अरण्य वाटिका में 3 डी कैनवास पर बारासिंघा की बेहद आकर्षक पेंटिंग को उकेरा है। चित्रकार उमा सोनी ने अपने कला गुरु व युवा चित्रकार श्रेणिक जैन के मार्गदर्शन में यह पेंटिंग बनाई है। जिसका फाइनल टच अरण्य वाटिका में खूबसूरत वनों के बीच में पूर्ण किया,जो देखने में बहुत ही आकर्षक बहुत सुंदर दिखाई दे रहा है। उमा ने बताया कि बारासिंघा हिरण की तरह ही मासूम दिखता है और सबका ध्यान अनायास ही अपनी

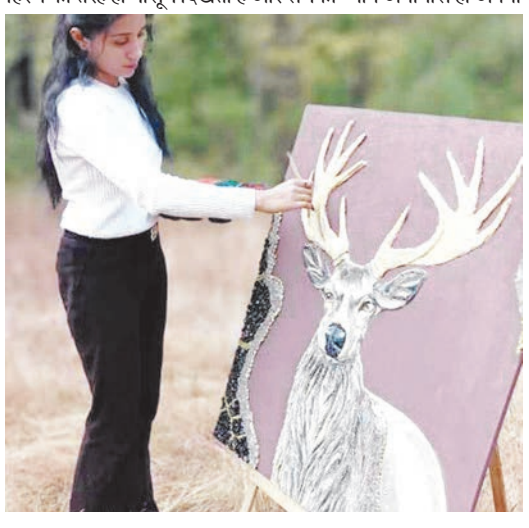

ओर आकर्षित करता है। पेंटिंग को जो भी देख रहा है तारीफ किए बिना नहीं रह पा रहा है। श्रेणिक जैन ने बताया कि थ्री डी एक बेहतरीन तकनीक है जिसमें एक्रिलिक पेंट के साथ कॉर्नस्टार्च लगाना, जिससे पेंट गाढ़ा हो जाता है और कैनवास को 3 डी प्रभाव मिलता है। कॉर्नस्टार्च एक नई स्थिरता और बनावट भी पैदा करता है। थ्री डी कला किसी भी प्रकार की कला है जो त्रि-आयामी स्थान घेरती है और कई कोणों से देखी जा सकती है। हालांकि इसमें देखने के कई कोण होते हैं, फिर भी 3 डी कला में एक केंद्र बिंदु होता है, जो वह क्षेत्र होता है जो सबसे अधिक ध्यान आकर्षित करता है, और अक्सर सबसे अधिक विवरण वाला होता है।

केबीसी की हॉट सीट पर पहुंची बैतूल की बेटी कविता पारखे

सदी के महानायक अमिताभ बच्चन के साथ कौन बनेगा करोड़पति में आज दिखेंगी कविता

बैतूल। जिले की होनहार बेटी कविता पति कमल पारखे ने अपनी लगन और मेहनत से सदी के महानायक अमिताभ बच्चन के सामने हॉट सीट तक पहुंचकर बैतूल जिले का नाम राष्ट्रीय मंच पर रोशन कर दिया। कौन बनेगा करोड़पति का एपिसोड आज 24 नवंबर और 25 नवंबर को रात 9 बजे प्रसारित किया जाएगा। इस शो में कविता अमिताभ बच्चन के साथ हॉट सीट पर नजर आएंगी। कविता पारखे पिछले 9 वर्षों से केबीसी में आने की तैयारी कर रही थीं। उन्होंने बताया कि उनका सपना था कि जीवन में एक बार हॉट सीट पर अवश्य बैठें। उन्होंने कहा कि आज यह सपना पूरा हो गया है, जिससे वह बेहद खुश और उत्साहित हैं। कविता मूलतः बैतूल की जन्मभूमि से ही हैं और उनका ससुराल भी बैतूल जिला ही है। पेशे से वह जिला एवं सत्र न्यायालय खंडवा में असिस्टेंट ग्रेड-3 के पद पर पदस्थ हैं। उनका शैक्षणिक जीवन भी बेहद प्रभावशाली है। उन्होंने बीएससी मैथ्स, एमएस डबल्यू, हिंदी टाइपिंग (म.प्र. मुद्रलेखन बोर्ड) और एनसीसी के एबीसी प्रमाणपत्र हासिल किए हैं। कविता बैतूल जिले के वरिष्ठ फोटोग्राफर रघुनाथ डोंगरे की छोटी बहन हैं। परिवार, दोस्तों और जिलेभर के लोगों में कविता की इस सफलता को लेकर खुशी की लहर है। 9 सालों की लगातार मेहनत और नियमित अभ्यास ने आखिरकार कविता को देश के सबसे लोकप्रिय ज्ञान-आधारित कार्यक्रम की हॉट सीट तक पहुंचाया, जहां उन्होंने अपने आत्मविश्वास और ज्ञान से हर किसी को प्रभावित कर दिया।

संगठन महारथी हेमंत खण्डेलवाल की गज केसरी चाल

सत्येंद्र कुमार जैन

भारतीय जनता पार्टी के मध्य प्रदेश के अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल संघ निष्ठ,संगठन निष्ठ, कुशल रणनीतिकार, अखंड प्रचंड पुरुषार्थी, तपस्वी,तेजस्वी कर्मयोगी हैं। उनका तप,तेज और परिश्रम उनकी गजकेसरी चाल से स्पष्ट रूप से दृष्टि गोचर हो रहा है। एक ओर जहाँ हेमंत खंडेलवाल ने अपने अनुभव,बुद्धि,विवेक,पुरुषार्थ और पराक्रम द्वारा मात्र तीन माह के अल्प काल में ही प्रदेश कार्यसमिति का गठन किया है,वहीं दूसरी ओर प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष को अपनी कार्य समिति का गठन करने में लगभग सवा साल लग गए थे। इसका अभिप्राय यह है कि प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने अपनी प्रदेश कार्यसमिति को कांग्रेस से लगभग 5 गुना कम समय में ही अत्यंत तीव्र गति से गठित कर लिया है।प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल की संगठन रचने की तीव्रता, गति, प्रगति, वेग, संवेग अद्वितीय है।उन्होंने अपनी कार्यसमिति में सभी क्षेत्रों जैसे बुन्देलखण्ड, महाकौशल, मालवा, विंध्य,मध्य क्षेत्र, निमाड़ आदि से सभी वर्गों, जातियों से पदाधिकारियों का चयन किया है। लगभग 30 प्रतिशत पदों पर महिलाओं को कार्यसमिति में स्थान देकर नारी शक्ति का भी वंदन किया है।वह तीव्र गति से प्रदेश के संगठन को गढ़ते जा रहे हैं। भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व जगत प्रकाश नड्डा, बी एल संतोष, शिवप्रकाश, मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव,संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा,अजय जामवाल,डॉ महेंद्र सिंह, सतीश उपाध्याय आदि नेताओं से गहन विमर्श उपरांत प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने अनमोल रत्नों को उत्कृष्ट अनुभवी जौहरी की भाँति परख कर संगठन की प्रदेश कार्यसमिति रूपी माला को गूंथा है। वह भाजपा की परम सफलता की प्राप्ति हेतु, कार्यकर्ताओं का कमल व्यूह या पद्म व्यूह रच रहे हैं। संगठन में सर्वस्व अर्पण के भाव से मध्य प्रदेश भाजपा के महायज्ञ में अपनी आहुति डाल रहे हैं। मध्य प्रदेश के लगभग पौने दो करोड़ कार्यकर्ताओं में नव ऊर्जा का संचार कर रहे हैं। समस्त कार्यकर्ताओं से भेंट कर रहे हैं।संगठन में नवाचार कर रहे हैं। 65 हजार से अधिक बूथ पर लगभग 42 लाख से अधिक कैलाश पर्वत रूपी सक्रिय कार्यकर्ताओं से सतत संवाद,संपर्क बना रहे हैं।प्रदेश की परिक्रमा कर रहे हैं।भाजपा को जिन बूथ पर अभी विजय श्री प्राप्त नहीं हुई है,उनको चिन्हित कर रहे हैं। आकांक्षी बूथ, एस्पिरेशनल बूथ का नाम दे रहे हैं। भविष्यगामी चुनावों में विजय श्री प्राप्त करने के लिए कार्यकर्ताओं का मनोबल और उत्साह बढ़ा कर,चरणबद्ध कार्य योजना अनुसार कार्य कर विजय श्री की प्राप्ति हेतु टीम को उर्जित कर रहे हैं। भाजपा के कार्यक्रमों, नीतियों के कुशल संचालन हेतु 13 संभागों के प्रभारी भी नियुक्त कर दिए हैं। भाजपा संगठन की दृष्टि से नए संभाग छिंदवाड़ा, मंदसौर आदि की रचना कर नवाचार कर रहे हैं। उन्होंने संभाग प्रभारी की नियुक्ति में भाजपा की वर्तमान कार्यसमिति से परे जाकर ऊर्जावान नेताओं को समाहित कर नवाचार किया है। जिला अध्यक्षों को भी शीघ्रता पूर्वक जिला कार्यसमिति घोषित करने का निर्देश दिया है।परिणाम स्वरूप चंद जिले ही शेष हैं। भाजपा की गाइड लाइन के विरुद्ध आचरण करने वाले अनेक नेताओं पर उनके निर्देशन में अनुशासनात्मक कार्यवाही भी की गई है,पार्टी से निष्कासित भी किया गया है। प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने अल्प समय में ही प्रदेश पिछड़ा वर्ग मोर्चा, युवा मोर्चा, महिला मोर्चा, किसान मोर्चा, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति मोर्चा के अध्यक्ष,सोशल मीडिया विभाग के संयोजक की नियुक्ति कर मोर्चों को सक्रिय कर दिया है।उन्होंने भाजपा के प्रदेश मोर्चा प्रभारी, प्रकोष्ठ प्रभारी और प्रदेश कार्यालय व्यवस्था प्रभारी की नियुक्ति कर संगठन में नव ऊर्जा का संचार किया है।

संसार के सभी ग्रंथों का आधार, पवित्र ग्रंथ श्री मद भागवत गीता में वर्णित है कि-

यद्यदाचरति श्रेष्ठस्तत्तदेवेतरो जनः।
स यत्प्रमाणं कुरुते लोकस्तदनुवर्तते।

अर्थात श्रेष्ठ मनुष्य जो आचरण करते हैं,अन्य मनुष्य वैसा ही आचरण करते हैं। श्रेष्ठ मनुष्य जो कुछ प्रमाण देते हैं,अन्य मनुष्य उसी के अनुसार आचरण करते हैं। भाजपा के कर्मयोगी, संघ निष्ठ,पुरूषार्थी प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल उन्हीं श्रेष्ठ मनुष्यों की श्रेणी में आते हैं। भाजपा युवा मोर्चा के मंडल कोषाध्यक्ष से राजनीतिक यात्रा आरम्भ करने वाले हेमंत खण्डेलवाल भाजपा के बैतूल लोकसभा के सांसद रहे हैं। वर्तमान में बैतूल विधानसभा क्षेत्र से विधायक हैं। उन्होंने पूर्व में भाजपा के प्रदेश कोषाध्यक्ष का दायित्व भी कुशलता पूर्वक संपादित किया है ।वह 2024 के लोकसभा चुनाव के संयोजक रहे हैं। उनके कुशल संयोजन के परिणाम स्वरूप भाजपा को 29 लोकसभा सीट पर विजय श्री और कांग्रेस को शून्य लोकसभा सीट अर्जित करने का इतिहास रचा गया। प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त होने के उपरांत सर्वप्रथम उन्होंने भाजपा प्रदेश कार्यालय के कर्मचारियों के स्वास्थ्य बीमा का निर्णय लिया।उन्होंने कर्मचारियों को डिजिटल फ्रॉड से बचने का आग्रह किया। उनके नाम के संभावित दुरूपयोग से अवगत कराया।वह पूर्व से ही रोड पर टोल टैक्स देते आए हैं। विधायक रूप में प्रदत्त सुरक्षा गार्ड को उन्होंने वापस कर दिया है। भाजपा कार्यालय द्वारा प्रदत्त वाहन को लौटा दिया है। अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने नैतिकता के अनेक आदर्श स्थापित किए हैं। यह आदर्श अन्य राजनैतिक दलों के साथ साथ भाजपा के समस्त कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणा देते हैं ।

प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल हस्ती चाल से चलते हुए भाजपा संगठन को सशक्त कर रहे हैं। केसरी रूप में पार्टी लाइन को तोड़ने वाले कार्यकर्ताओं पर अनुशासनात्मक कार्यवाही कर रहे हैं।भाजपा में गज केसरी योग निर्मित कर रहे हैं। पद्म व्यूह अथवा कमल व्यूह रचना से संगठन को मजबूत बना रहे हैं। संगठन के सर्वोत्कृष्ट शिल्पी हैं, संगठन के महारथी हैं।

संक्षिप्त समाचार

मतदाता सूची का वार्षिक पुनरीक्षण के संबंध में स्टेंडिंग कमेटी की बैठक सम्पन्न

रायसेन (निप्र)। नगरीय निकायों तथा पंचायतों की फोटोयुक्त मतदाता सूची का वार्षिक पुनरीक्षण के संबंध में जिला स्तरीय स्टेंडिंग कमेटी की बैठक उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री मनोज उपाध्याय की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट कार्यालय में सम्पन्न हुई। बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम-2025 की सम्पूर्ण प्रक्रिया से अवगत कराते हुए बताया कि नगरीय निकायों, पंचायतों की फोटोयुक्त मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन शुक्रवार को निर्धारित स्थानों पर कर दिया गया है। साथ ही जिले की समस्त 12 नगरीय निकायों की अंतिम प्रकाशित मुद्रित फोटोयुक्त मतदाता सूची की निःशुल्क प्रतियां भी प्रदान की गईं।

सांसद खेल महोत्सव के तहत उमरावगंज में रस्साकशी, कुर्सी दौड़ सहित अन्य खेल गतिविधियां आयोजित

रायसेन (निप्र)। केन्द्रीय कृषि तथा ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के निर्देशानुसार संसदीय क्षेत्र विदिशा में फिटनेस को बढ़ावा देने और स्थानीय प्रतिभाओं की पहचान करने के उद्देश्य से आयोजित किए जा रहे सांसद खेल महोत्सव के तहत शुक्रवार को जिले की औबेदुल्लागंज जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत उमरावगंज में खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। जिसमें पम्परागत खेलों को प्रोत्साहित करने रस्साकशी, कुर्सी दौड़ सहित अन्य खेल गतिविधियां आयोजित की गईं। इन खेल गतिविधियों में बच्चों, युवाओं तथा ग्रामीणजनों द्वारा भी उत्साह के साथ सहभागिता की गई।

कुपोषित बच्चों के स्वास्थ्य सुधार हेतु वितरित की जा रही है फूड बॉस्केट, माता-पिता से गृह भेंट कर दी जा रही है जानकारी

रायसेन (निप्र)। रायसेन जिले को कुपोषणमुक्त बनाने के लिए महिला बाल विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग सहित संबंधित विभागों द्वारा अभियान के रूप में कार्य किया जा रहा है। साथ ही जनप्रतिनिधियों, व्यापारिक संगठनों, सामाजिक संगठनों आदि के सहयोग से कुपोषित बच्चों को फूड बॉस्केट वितरित किए जा रहे हैं। साथ ही महिला बाल विकास और स्वास्थ्य विभाग के अमले द्वारा कुपोषित बच्चों के माता-पिता से गृह भेंट कर बच्चों के स्वास्थ्य में पोषण आहार का महत्व बताया जा रहा है। इसके अतिरिक्त घर पर ही सुगमता से उपलब्ध खाद्य सामग्रियों से पौष्टिक आहार बनाने की विधि भी बताई जा रही है।

एक प्रकरण में नगद इनाम की घोषणा

विदिशा (निप्र)। पुलिस अधीक्षक श्री रोहित काशवानी के द्वारा अज्ञात फरार आरोपी के प्रकरण में सूचना देने वालो को दस हजार रूपए की नगद राशि इनाम देने की उद्घोषणा की है। सूचनाकर्ता चाहे तो उसका नाम गोपनीय रखा जाएगा। पुलिस अधीक्षक श्री काशवानी के द्वारा जारी इनाम उदघोषणा आदेश में उल्लेख है कि सिविल लाइन थाना विदिशा में दर्ज अपराध क्रमांक 896/2025 के अज्ञात फरार आरोपी की सूचना देने वाले को दस हजार रूपए की नगद राशि इनाम देने की घोषणा की है।

कलेक्टर ने सुकन्या समृद्धि योजना के तहत खुलवाया अपनी बेटी का खाता

श्रीमती सलोनी जैन ने सभी अभिभावकों से योजना के तहत लाभ लेने की अपील की

हरदा (निप्र)। हरदा जिले में 'संपूर्ण सुकन्या जिला अभियान' सफलतापूर्वक संचालित किया जा रहा है। अभियान के तहत जिले की सभी पात्र बालिकाओं के सुकन्या समृद्धि खाते खोले जा रहे हैं। यह योजना बालिकाओं के सुरक्षित भविष्य, उच्च बचत और परिवार को दीर्घकालिक आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से संचालित है।

इस अभियान के तहत जिले में प्रत्येक पात्र बच्ची का खाता मात्र 250 रूपये जमा कर प्रारंभ किया जा सकता है। यह योजना वर्तमान में देश की सर्वाधिक ब्याज दर वाली बचत योजनाओं में से एक है तथा 10 वर्ष से कम आयु की बच्चियों के लिए उपलब्ध है। इस अभियान के क्रियान्वयन में डाक निरीक्षक हरदा श्री अमित कुमार व्यास द्वारा जागरूकता एवं मार्गदर्शन का विशेष योगदान दिया जा रहा है। जिले के इच्छुक नागरिक अपनी पात्र बच्चियों का खाता अपने नज़दीकी किसी भी डाकघर में या डाक निरीक्षक श्री व्यास से संपर्क कर खुलवा सकते हैं। इस अभियान को सशक्त करने के लिये शुक्रवार को कलेक्टर श्री सिद्धार्थ जैन ने भी अपनी पुत्री का सुकन्या समृद्धि खाता खुलवाया। इस अवसर पर श्रीमती सलोनी जैन ने जिले के सभी नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि 'जिले के प्रत्येक माता-पिता अपनी पात्र बच्चियों का यह खाता अवश्य खुलवाएँ ताकि उनका भविष्य सुरक्षित, उज्ज्वल और आर्थिक रूप से मजबूत बन सके।'

एग्रोविजन कृषि मेंले में कृषि विभाग बैतूल की सहभागिता

बैतूल (निप्र)। एग्रोविजन का 16वां संस्करण 21 नवंबर से नागपुर में प्रारंभ हुआ है, जो 24 नवंबर 2025 तक आयोजित होगा। उक्त मेले में मध्यप्रदेश के बैतूल, छिन्दवाड़ा तथा सिवनी जिले के द्वारा संयुक्त रूप से प्रतिनिधित्व किया जा रहा है। मेले में कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के कृषकों के जैविक, मिलेट उत्पाद के लिए प्रमुख मंच के रूप में, एग्रोविज़न 2025 किसानों को प्रोत्साहित कर रहा है। एग्रोविज़न मेले में कृषकों को कृषि की उन्नत तकनीक, उन्नत कृषि मशीनरी, मत्स्य, रेशम, पशुपालन की विस्तृत जानकारी प्राप्त हो रही है। मेले में कृषकों को शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी, मार्गदर्शन प्राप्त हो रहा है। उप संचालक कृषि डॉ आनंद कुमार बडोनिया ने बताया कि एग्रोविजन मेला में देश-विदेश के कृषि तथा कृषि से संबंधित कृषक एवं उद्ययोगपति उपस्थित होने से जिले के कृषकों के उत्पाद को मंच प्राप्त हो रहा है। मेले के शुभारंभ दिवस पर स्टाल प्रदर्शनी में बैतूल जिले के विकासखंड आमला के कृषक श्री लोकेश गावंडे के केंचुआ खाद, कोसमी बैतूल के कच्ची घानी से शुद्ध तेल निर्माता श्री महेन्द्र श्रीराम पिपंलकर के मूंगफली तेल, पाढर के कृषक श्री सुरेन्द्र धुर्वे के उत्पाद काले चावल, सतपुडांचल फार्मर प्रोडयूसर कंपनी शाहपुर के मिलेट से बने उत्पाद जैसे ज्वार बिस्किट, रागी बिस्किट, तुरंत तैयार होने वाले डोसा, उपमा, पास्ता, सावा, रागी तथा बैतूल जिले की पहचान गड़मल ''एक स्थानीय और दुर्लभ दलहनी (पल्स) फसल'' (मुख्य रूप से भीमपुर विकासखंड के दमजीपुरा गांव और आस-पास के आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों में उगाई जाती है) आदि को प्रदर्शनी स्टॉल में रखा गया है। एग्रोविजन मेले में बैतूल के कृषकों के उत्पाद को सराहना मिल रही है तथा उत्पादक कृषकों को मांग एवं ब्रांड के लिए एक उपयोगी आधार प्राप्त हो रहा है। मेले के नोडल अधिकारी श्री सुरेन्द्र परहाते, श्री कमलेश मस्की, श्री मनीश

विदिशा जिले की पहली महिला बीएलओ ने शत-प्रतिशत कार्य कर रचा इतिहास

विदिशा (निप्र)। विदिशा जिले में विशेष गहन पुनरीक्षण के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य की मिसाल सामने आई है। कुरवाई विधानसभा क्षेत्र के तहत, तहसील पठारी स्थित मतदान केंद्र खड़ाखेड़ी (मतदान केंद्र क्रमांक 203) पर तैनात बूथ लेवल ऑफिसर श्रीमति अर्चना दांगी ने अपने दायित्व का निर्वहन पूरी सतर्कता, निष्ठा और समयबद्धता के साथ करते हुए समस्त कार्य शत-प्रतिशत पूर्ण कर जिले की पहली महिला बीएलओ बनने का गौरव अर्जित किया है जिन्होंने 100% कार्य पूरा किया है। श्रीमती दांगी द्वारा मतदाता सूची के पुनरीक्षण के प्रत्येक चरण–घर-घर सत्यापन, फॉर्म- की प्राप्ति एवं प्रक्रिया, पात्र मतदाताओं का समावेशन, त्रुटि सुधार, मृत एवं स्थानांतरित मतदाताओं की पहचान को समयसीमा के भीतर पूर्ण किया गया। उन्होंने अपने क्षेत्र के सभी मतदाताओं से संपर्क कर आवश्यक दस्तावेजों का सत्यापन किया और निर्वाचन आयोग के दिशानिर्देशों के अनुसार सभी प्रविष्ठियों को अद्यतन किया। उनके इस उत्कृष्ट कार्य से न केवल खड़ाखेड़ी मतदान केंद्र SIR-26 का 100% लक्ष्य हासिल करने वाले केंद्रों में शामिल हुआ, बल्कि जिले में महिला अधिकारियों की सक्रिय भागीदारी का एक प्रेरणादायक उदाहरण भी स्थापित हुआ है।

कलेक्टर ने बीएलओ को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश एवं मार्गदर्शन

कलेक्टर ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य का किया फील्ड निरीक्षण

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने आज मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य का फील्ड में जाकर निरीक्षण किया। उन्होंने फील्ड पर बीएलओ से कार्य की प्रगति की विस्तृत जानकारी ली। कलेक्टर ने गणना फार्मों के वितरण और प्राप्ति की स्थिति तथा बीएलओ एप पर डिजिटाइजेशन की प्रक्रिया की भी समीक्षा की। उन्होंने बुधनी विधानसभा के अंतर्गत भैरूंदा, रेहटी, तथा बुधनी तहसील के अनेक मतदान केंद्रों पर पहुंच कर एसआईआर कार्य का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने बीएलओ को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान करते हुए कहा कि प्रत्येक पात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची में शामिल हो यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने निर्देशित किया कि फील्ड में होने वाली किसी भी कठिनाई को तत्काल ईआरओ एवं एईआरओ के संज्ञान में लाया जाए, ताकि समस्याओं का त्वरित समाधान हो सके और अएसआईआर का काम समय पर पूरा किया जा सके। कलेक्टर ने बताया कि मतदाता सूची की शुद्धता अत्यंत महत्वपूर्ण है और यह कार्य पूर्ण जिम्मेदारी, पारदर्शिता एवं संवेदनशीलता के साथ पूरा किया जाना चाहिए। उन्होंने बीएलओ को समय सीमा के भीतर सर्वे एवं डिजिटाइजेशन कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने एसआईआर कार्य के लिये बीएलओ के सहयोग के लिये लगाये गये सभी कर्मचारियों से कहा कि यह कार्य सर्वोच्च प्राथमिकता है।

नेशनल लोक अदालत के सफल आयोजन हेतु बैठक संपन्न

प्रधान जिला एवं सेशन न्यायाधीश की अध्यक्षता में विभिन्न विभागों के साथ बैठक संपन्न

नर्मदापुरम (निप्र)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर द्वारा 13 दिसंबर 2025 को नेशनल लोक अदालत का आयोजन करने का निर्देश दिया गया है। यह लोक अदालत वर्ष 2025 की अंतिम नेशनल लोक अदालत होगी जो तहसील स्तर के न्यायालयों, सहित सर्वोच्च न्यायालय तक संपूर्ण भारत में आयोजित की जाएगी। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष / प्रधान जिला एवं सेशन न्यायाधीश श्रीमती तृप्ति शर्मा की अध्यक्षता में एवं न्यायाधीश / सचिव श्री विजय कुमार पाठक की उपस्थिति में गुरूवार 20 नवम्बर 2025 को वर्ष की अंतिम नेशनल लोक अदालत के सफल आयोजन हेतु तैयारियों के संबंध में विद्युत विभाग, नगर पालिका, बी.एस.एन.एल. एवं शासकीय/अशासकीय बैंक के अधिकारीगण के साथ प्रीसिटिंग बैठक का आयोजन किया गया। प्रधान जिला एवं सेशन न्यायाधीश द्वारा विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं बैंकों के शाखा प्रबंधकों को आगामी नेशनल लोक अदालत में अधिक से अधिक संख्या में प्रीलिटिगेशन प्रकरणों को रखने एवं निराकरण कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नर्मदापुरम के सचिव श्री विजय कुमार पाठक द्वारा बताया गया कि इस नेशनल लोक अदालत में न्यायालयों में लंबित विभिन्न प्रकृति के राजीनामा योग्य प्रकरण रखे जायेंगें तथा आपसी समझौते एवं सुलह के आधार पर निपटाये जायेंगे। इस नेशनल लोक अदालत में राजीनामा योग्य आपराधिक मामलें, विद्युत चोरी, चैक बाउंस, मोटर दुर्घटना दावा, वैवाहिक, सिविल, भू-अर्जन आदि के मामलें रखे जायेंगें, साथ ही ऐसे प्रकरण जो न्यायालय में नहीं पहुंचे है, उन्हें भी प्रीलिटिगेशन के तौर पर इस लोक अदालत में निपटाया जायेगा, जिनमें जलकर, संपत्तिकर, बैंक ऋण वसूली, टेलीफोन बिल बकाया, विद्युत बिल बकाया आदि के मामले रखे जायेगें, जिनमें संबंधित विभागों द्वारा अधिभार में छूट भी प्रदान की जायेगी।

जिले में ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस पर बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं को मिलीं स्वास्थ्य सेवाएं

सीहोर (निप्र)। जिले भर की समस्त स्वास्थ्य संस्थाओं एवं उप स्वास्थ्य केंद्रों पर ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस (ङ्क ।ह्लष्ठ) का आयोजन किया गया। इस संबंध में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला सीहोर डॉ. सुधीर कुमार डेहरिया ने जानकारी देते हुए बताया कि इस दिवस के अंतर्गत बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं को आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गईं। कार्यक्रम के दौरान 0 से 1 वर्ष तक के 350 बच्चों का टीकाकरण किया गया, वहीं 1 वर्ष से अधिक आयु के 108 बच्चों को भी टीके लगाए गए। इसके साथ ही कुल 48 गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य जांच कर उन्हें आवश्यक परामर्श एवं उपचार संबंधी जानकारी दी गई। डॉ. डेहरिया ने बताया कि ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाना, कुपोषण की रोकथाम करना तथा टीकाकरण के माध्यम से बच्चों को विभिन्न बीमारियों से सुरक्षित रखना है। इस अवसर पर स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं आशा कार्यकर्ताओं द्वारा समन्वय के साथ सेवाएं प्रदान कर लाभार्थियों को जागरूक भी किया गया, ताकि अधिक से अधिक लोग इन योजनाओं का लाभ ले सकें और एक स्वस्थ समाज की स्थापना की जा सके।

मतदाता सूची लोकतंत्र की आधारशिला है: कलेक्टर बालागुरू के.

बीएलओ घर-घर जाकर कर रहे हैं एसआईआर कार्य, कलेक्टर व अपर कलेक्टर कर रहे सतत मॉनिटरिंग

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरू के. के मार्गदर्शन में भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम के तहत व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। बीएलओ द्वारा जिले में 99.99 प्रतिशत गणना फार्म घर-घर जाकर मतदाताओं को वितरित किये जा चुके हैं और फार्म भरने में मतदाताओं की मदद कर रहे हैं। भरे हुए फार्म प्राप्त कर बीएलओ उन्हें बीएलओ एप पर डिजिटाइज कार्य भी तेजी से कर हैं। कई बीएलओ ने एसआईआर के कार्य में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। एसआईआर कार्य को सुचारू रूप से संपादित करने के लिए आशा कार्यकर्ता, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, पटवारी, पंचायत सचिव, रोजगार सहायक सहित विभिन्न विभागों के अन्य कर्मचारी भी बीएलओ का सहयोग कर रहे हैं।कलेक्टर श्री बालागुरू के. एवं अपर कलेक्टर श्री वृंदावन सिंह प्रतिदिन एसआईआर कार्य की प्रगति की समीक्षा कर रहे हैं। वे फील्ड से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर निर्देश जारी कर कार्य में तेजी लाने पर जोर दे रहे हैं। बीएलओ को किसी प्रकार की समस्या या कठिनाई न हो, इसके लिए ईआरओ एवं एईआरओ भी लगातार बीएलओ से संपर्क में रहकर मौके पर ही समस्याओं का समाधान कर रहे हैं। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने कहा कि मतदाता सूची लोकतंत्र की आधारशिला है, इसलिए यह कार्य संवेदनशीलता और पूर्ण जिम्मेदारी के साथ किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची से वंचित न रहे और सभी प्रविष्टियाँ सही एवं अद्यतन हों। विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य में 1257 बीएलओ अन्य कर्मचारियों के सहयोग से एसआईआर के कार्य को संपादित कर रहे हैं।

शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मुलताई रोजगार मेला आयोजित

बैतूल (निप्र)। जिला रोजगार कार्यालय, जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र बैतूल, शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था के संयुक्त तत्वावधान में 21 नवंबर को शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मुलताई में युवा संगम के तहत रोजगार, स्वरोजगार अप्रेन्टिसशिप मेले का आयोजन किया गया। रोजगार मेले में मुख्य अतिथि के रूप में मुलताई विधायक श्री चंद्रशेखर देशमुख ने शिरकत की। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि रोजगार मेले में 214 अभ्यर्थियों ने अपना पंजीयन किया था।

सागर में सीएम ने किसानों के लिए की घोषणा

इस साल से 2600 रुपए प्रति क्विंटल एमएसपी पर खरीदेंगे गेहूं, बंडा में लांच नदी परियोजना मंजूर

सागर (नप्र)। सागर में सीएम ने किसानों के लिए घोषणा करते हुए कहा कि इस साल से 2600 रुपए प्रति क्विंटल एमएसपी पर गेहूं की खरीदी की जाएगी। लाड़ली बहनों पर बोलते हुए सीएम ने कांग्रेसियों से शर्म करने की बात की। मुख्यमंत्री बनने के बाद रविवार को सीएम का बंडा में पहली बार दौरा था। वे 8 साल बाद बंडा पहुंचे हैं।

इस दौरान उन्होंने तहसील मुख्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में 50.65 करोड़ रुपए की लागत वाले 16 विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया। सभास्थल पर पहुंचने से पहले उन्होंने 35 करोड़ की लागत बने नवनिर्मित सांदीपनी स्कूल का लोकार्पण किया।

सीएम बोले- यह वीरों और हीरों की धरती- बंडा प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री सर्वसुविधायुक्त सांदीपनी विद्यालय के लोकार्पण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि यह वीरों और हीरों की धरती है।

संबोधन के दौरान कुछ लोगों ने मोबाइल की टॉर्च जलाई तो सीएम ने कहा कि सभी लोग मोबाइल की टॉर्च जलाकर संकल्प लें कि भले ही 8 साल बाद मुख्यमंत्री आए हैं, लेकिन अब हर साल मुख्यमंत्री आते रहें। यहां भी तारे, वहां भी तारे, पता नहीं कांग्रेस वाले कहां गए।

सीएम आगे बोले कि कांग्रेस ने बुंदेलखंड में जीतकर सरकार तो बनाई लेकिन जनता का विश्वास नहीं जीता और काम नहीं किया। नदी जोड़ो अभियान के लिए काम नहीं किया। कांग्रेसियों आंखें हो तो देख लेना केन-बेतवा लिंक परियोजना का काम शुरू हो रहा है। किसान कभी अपनी जमीन मत बेचना। केन बेतवा के बाद यह पूरा क्षेत्र पंजाब और हरियाणा को पीछे छोड़ने वाला है।

सोयाबीन के भावांतर की बात आई तो कांग्रेस कहने लगी कि सोयाबीन के पैसे कहां है। भावांतर के माध्यम सोयाबीन पर 5328 प्रति क्विंटल भावांतर की राशि किसानों को दी जा रही है। गेहूं इसी साल से 2600 रुपए प्रति क्विंटल एमएसपी पर खरीदेंगे। धान का बोनस दे रहे हैं।

'पप्पू' कांग्रेस लेकर जहां जाए वो पहले डूब कर मर जाए

मुख्यमंत्री ने बिहार चुनाव के परिणामों को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि वो पप्पू बिहार में चुनाव चल रहा है। पचमढ़ी में छुट्टी मना रहा है। क्या आदमी है। चुनाव से पहले ही हार मान ली। पता नहीं किस मिट्टी का बना है। हमने तो मुहावरा सुना था कि कोई के ऐसे पांव पढ़ते है तो किसी का भी बट्ट बैठा देता है। अखिलेश के साथ जुड़े तो यूपी में भट्टा बैठाया। महाराष्ट्र में जुड़े तो महाराष्ट्र वालों के बैंड बजा दिए। जिनके साथ पप्पू कांग्रेस लेकर जाए वो साथ वाला पहले ही डूब कर मर जाए। अभी-अभी नया-नया तेजस्वी डूबा है। जरा गिनती तो करो उसकी क्या हालत हुई। ये कांग्रेस खुद भी डूबेगी और दूसरे को भी डूबाती है।

बोले- कांग्रेसियों को शर्म आना चाहिए

सीएम ने कहा कि लाड़ली बहना योजना 1000 रुपए से शुरू की। अब 1500 रुपए बहनों को सरकार दे रही है। ये कांग्रेसी कहते हैं कि बहनों को पैसे नहीं देना चाहिए। यह दारू पी जाती हैं। उनको शर्म आना चाहिए। याद रखें हमारा मतदाता भूलता नहीं है। आने वाले चुनाव में ब्याज सहित हिसाब चुकता करेगा। जनता की कल्याणकारी योजनाओं को मजाक बनाते हैं। तुम्हारे मन मैं जो आए वो करो।

लांच नदी परियोजना को मंजूरी दी

मुख्यमंत्री ने कहा कि नगर निगम से लेकर नगर परिषद तक गीता भवन बनाए जाएंगे। बंडा में सांदीपनी स्कूल की सौगात दी गई है। इसके साथ ही बंडा में लांच नदी पर सिंचाई परियोजना बनाने की घोषणा करता हूं। बंडा में सर्वसुविधायुक्त खेल स्टेडियम, शाहगढ़ में सिविल हॉस्पिटल, बंडा के सिविल अस्पताल में पोस्टमार्टम रूम बनाने और ग्रामीण क्षेत्र के स्कूलों के भवन निर्माण की घोषणा करता हूं।

शहीद और क्रिकेटर के परिजन सम्मानित

कार्यक्रम में शहीद राजेश यादव के परिजन को मुख्यमंत्री ने सम्मानित किया। इसके साथ ही महिला विश्वकप जीतने वाली महिला क्रिकेट टीम में शामिल क्रिकेटर क्रांति गौंड के पिता का भी सम्मान किया। साथ में मेधावी विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र दिया।

कार्यक्रम में ये रहे मौजूद

कैबिनेट मंत्री गोविंद सिंह राजपूत, दमोह सांसद राहुल सिंह लोधी, रहली विधायक व पूर्व मंत्री गोपाल भार्गव, खुरई विधायक व पूर्व मंत्री भूपेंद्र सिंह, नरयावली विधायक प्रदीप लारिया, बंडा विधायक वीरेंद्र सिंह लोधी, सागर नगर निगम महापौर संगीता तिवारी, पूर्व विधायक हरवंश सिंह राठौर, जिला पंचायत अध्यक्ष हीरा सिंह राजपूत समेत अन्य नेता शामिल हुए।

देवरी विधायक बृजबिहारी पटेरिया विधानसभा क्षेत्र में सड़क दुर्घटना होने के कारण मौके पर पहुंचे थे। इस कारण वे कार्यक्रम में नहीं पहुंच सके। सागर विधायक शैलेंद्र जैन कथा आयोजन में हैं। कथा में सीएम शामिल होने पहुंचने वाले हैं। जिसकी तैयारियां कर रहे हैं। इसलिए बंडा नहीं पहुंचे।

शिवराज बोले- कांग्रेस जिसके ऊपर बैठी, वह डूब गया

कहा- शिव और मोहन में कोई अंतर नहीं ; देश को धर्मशाला नहीं बनने देंगे

गंजबासौदा (नप्र)। शिवराज सिंह ने कहा कि कांग्रेस तो अब ऐसा बोझ हो गई है कि जो पार्टी उसे लेकर चलती है, वह भी डूब जाती है। कांग्रेस जिसके ऊपर बैठ गई। हम तो डूबे हैं सनम, तुम्हें भी ले डूबेंगे। जहां-जहां पांव पड़े भैया के, वहां बंटाढार। दिल्ली में केजरीवाल, यूपी में अखिलेश और बिहार में लालू को ले डूबे।

शिवराज सिंह चौहान रविवार को स्वास्थ्य केंद्र के लोकार्पण कार्यक्रम में गंजबासौदा पहुंचे थे। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गंजबासौदा में 150 बिस्तरीय सिविल अस्पताल का लोकार्पण किया। दोनों रविवार दोपहर एक ही हेलीकॉप्टर से नवीन कृषि उपज मंडी पहुंचे। इसके बाद रोड शो भी किया।

सीएम ने 64 करोड़ 29 लाख की लागत से 26 विकास कार्यों का लोकार्पण किया। 85 करोड़ 84 लाख के 28 विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। सीएम ने नर्सिंग और पैरा मेडिकल कॉलेज खोलने की घोषणा की।

घुसपैठिया होगा, तो बाहर निकाल दिया जाएगा

शिवराज ने कहा कि लोग कहते हैं कि नाम में कुछ नहीं है, लेकिन शिवराज ने कहा कि नाम तो नाम है, लेकिन नाम में ही सब कुछ है। सीएम ने कहा कि बासौदा में नशा जड़ें जमा रहा है। इसमें बच्चे भी चपेट में हैं। नशामुक्ति अभियान जनता को चलाना पड़ेगा। एसआईआर के बारे में शिवराज ने कहा कि फर्जी नाम अगर कोई हो, तो देखो। कोई बांग्लादेश से आया हो, घुसपैठिया हो, तो उसका नाम कटवाना है।। देश को धर्मशाला नहीं बनने देंगे। घुसपैठिया होगा, तो पहचान के बाहर निकाल दिया जाएगा।

शिवराज का सुझाव- छोटी नदी जोड़ो प्रोजेक्ट बनाना चाहिए

शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि सीएम डॉ. मोहन यादव का सहयोग मिला, तो विदिशा को आदर्श जिला बनाएंगे। उन्होंने सुझाव दिया कि बेतवा को परासरी नदी से जोड़ दिया जाए, तो यहां के किसानों को फायदा होगा। छोटी नदी जोड़ो प्रोजेक्ट बनाना चाहिए। आजकल तो बहनें सरकार बना रही हैं। बिहार में भी बहनों ने चमत्कार किया है। कांग्रेस के मित्र बड़े परेशान होंगे। शिवराज ने कहा कि भारत दुनिया की आंखों में आखें डालकर बात करता है। जब टैरिफ की बात हुई, तो प्रधानमंत्री ने स्पष्ट कह दिया। पैरामेडिकल और नर्सिंग कॉलेज की मांग की। इस पर सीएम ने मुहर लगा दी। उन्होंने कहा कि शिव और मोहन में कोई अंतर नहीं है।

प्रदेश में अगले 5 दिन शीतलहर से राहत...कोहरा रहेगा

भोपाल में 15 दिन चली कोल्ड वेव ; पचमढ़ी में पारा 6.2 डिग्री पहुंचा

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में अगले 5 दिन तक कोल्ड वेव यानी, शीतलहर और कड़ाके की ठंड से राहत मिलेगी, लेकिन सुबह घना कोहरा छाएगा। ऐसे में एक्सपर्ट ने लोगों को कोहरे में सुरक्षित ड्राइविंग करने की सलाह दी है। वहीं, मौसम विभाग ने हेल्थ और फसलों को लेकर एडवाइजरी भी जारी की है।

प्रदेश में 6 नवंबर से ही कड़ाके की ठंड का दौर शुरू हो गया था। आम तौर पर नवंबर के दूसरे पखवाड़े से तेज ठंड पड़ती है, लेकिन इस बार पहाड़ी राज्य- हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में समय से पहले बर्फबारी हो गई।

इस वजह से बर्फीली हवाओं से एमपी भी कांप उठा। भोपाल में लगातार 15 दिन तक शीतलहर चली। शनिवार रात में कोहरा छाया रहा। रिकॉर्ड के अनुसार, साल 1931 के बाद शीतलहर के यह सबसे ज्यादा दिन है। दूसरी ओर, यहां रात का पारा 5.2 डिग्री तक पहुंच गया, जो ओवरऑल रिकॉर्ड भी रहा। इंदौर में भी 25 साल का रिकॉर्ड टूट गया।

भोपाल-इंदौर समेत कई शहरों में रात का पारा 10 डिग्री से कम

हालांकि, पिछले दो दिन से तेज ठंड से राहत है, लेकिन भोपाल-इंदौर समेत कई शहर ऐसे हैं, जहां रात का पारा 10 डिग्री से कम ही है। शुक्रवार-शनिवार की रात में भोपाल-इंदौर में 9.4 डिग्री रहा। पचमढ़ी में सबसे कम 6.2 डिग्री दर्ज किया गया। राजगढ़ में 8.2 डिग्री, खरगोन में 8.6 डिग्री, नौगांव में 8.8 डिग्री, नरसिंहपुर में 9.4 डिग्री सेल्सियस रहा।

बाकी शहरों में पारा 10 डिग्री या इससे अधिक ही दर्ज किया गया। सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया कि विंड पैटर्न चेंज हुआ है। इस वजह से दिन-रात के तापमान में बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। फिलहाल अगले 5 दिन तक कहीं भी शीतलहर का अलर्ट नहीं है।

कई शहरों में 100 मीटर के बाद देखना भी मुश्किल

कड़ाके की ठंड से राहत मिलने के बाद अब घना कोहरा भी छाने लगा है। कई जगहों पर तो 100 मीटर के बाद दूर नहीं दिखा। शनिवार को शाजापुर में घना कोहरा छाया। अकोदिया, शुजालपुर क्षेत्र में सुबह विजिबिलिटी 100 मीटर तक ही रही। इससे गाड़ियों की हेड लाइटें चालू रही।

मौसम विभाग के अनुसार, भोपाल, दतिया, इंदौर, जबलपुर में 1 हजार मीटर तक विजिबिलिटी रही। गुना, ग्वालियर, सतना, रीवा, खजुराहो में 500 से 1 हजार मीटर विजिबिलिटी दर्ज की गई।

एसआईआर प्रक्रिया लोकतंत्र की मजबूती का अभियान

बीएलए बूथ स्तर पर पहुंचकर मतदाताओं को जागरूक करें : हेमंत खण्डेलवाल

बैतुल/भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक श्री हेमंत खण्डेलवाल ने रविवार को बैतूल विधानसभा क्षेत्र के कोठीबाजार मंडल एवं गंज मंडल के बूथ अध्यक्षों, बीएलए-2 और पार्षदों की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि क्षेत्र के सभी पात्र एवं वास्तविक मतदाताओं के फॉर्म निर्धारित समय-सीमा के भीतर शत-प्रतिशत जमा होना संगठन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। भाजपा कार्यकर्ता प्रदेशभर में बूथ स्तर पर समर्पणभाव से शासकीय अधिकारियों व कर्मचारियों की सहायता कर रहे हैं। एसआईआर लोकतंत्र की मजबूती का सबसे प्रभावी साधन है तथा बीएलए-1 व बीएलए-2 भाजपा की चुनावी प्रक्रिया की रीढ़ हैं। लोकतंत्र में प्रत्येक नागरिक के मताधिकार को सुरक्षित करना और उसे मतदान का अवसर उपलब्ध कराना कार्यकर्ता का कर्तव्य है।

मतदाता सूची को त्रुटि रहित बनाएं कार्यकर्ता

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व विधायक श्री हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि मतदाता सूची में मात्र एक त्रुटि भी चुनाव परिणाम में बड़ा अंतर पैदा कर सकती है, इसलिए कार्यकर्ताओं को इसे सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए 'मेरा बूथ सबसे मजबूत' की संकल्पना को साकार करना होगा। प्रत्येक बीएलए बूथ स्तर पर पूर्ण दक्षता, सटीकता और गंभीरता के साथ मतदाता सूची का सत्यापन कर उसे अद्यतन एवं त्रुटिरहित बनाए। बीएलए केवल सूची भरने वाले नहीं, बल्कि भाजपा की चुनावी रणनीति के प्रहरी हैं। बीएलए अपने शक्ति केंद्रों के अलावा प्रत्येक बूथ पर जाकर मतदाताओं को एसआईआर प्रक्रिया में सहयोग प्रदान करें, मंडल एवं बूथ स्तर पर बैठकें आयोजित करें तथा 04 दिसंबर तक वैध मतदाताओं की सूची जमा करें।

एसआईआर लोकतंत्र को पारदर्शी एवं मजबूत बनाने का राष्ट्रव्यापी अभियान

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमन्त खण्डेलवाल ने कहा कि मतदाता सूची शुद्धिकरण अभियान केवल तकनीकी कार्य नहीं है, बल्कि लोकतंत्र को पारदर्शी एवं मजबूत बनाने का राष्ट्रव्यापी अभियान है। भाजपा कार्यकर्ता एसआईआर प्रक्रिया के दौरान आने वाली किसी भी समस्या की सूचना अधिकारियों को दें और तत्काल समाधान कराएं, ताकि कोई भी मतदाता परेशान न हो। बैठक में बैतूल नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती पार्वतीबाई बारस्कर, जिला महामंत्री श्री महेंद्र सिंह चौहान, एसआईआर जिला संयोजक श्री कैलाश बंडू धोटे, विधानसभा संयोजक श्री अरुण श्रीवास्तव, मंडल अध्यक्ष श्री विकास मिश्रा एवं श्री विक्रम वैद्य सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे।

25 साल से राजनीति में हूं- भाजपा का वर्किंग सिस्टम है

संस्कारधानी की अश्विनी को बनाया महिला मोर्चा अध्यक्ष, एबीवीपी से शुरू हुई थी राजनीति

जबलपुर (नप्र)। एमपी बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की टीम में शनिवार को नई नियुक्तियां की आखिरकार घोषणा हो गई है। टीम में प्रदेश कार्यालय व्यवस्था प्रभारी, प्रदेश मोर्चा प्रभारी और प्रदेश प्रकोष्ठ प्रभारी की नई जिम्मेदारी पार्टी नेताओं को सौंपी गई है।

युवा मोर्चा और महिला मोर्चा अध्यक्षों की नियुक्ति की सूची भी जारी कर दी गई। मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेल को बनाया गया तो वहीं सबसे चौंकाने वाला नाम सामने आया प्रदेश महिला मोर्चा की अध्यक्ष अश्विनी परांजपे का। मध्यप्रदेश में कई दिग्गज नेत्री के बीच प्रदेश अध्यक्ष ने जबलपुर की अश्विनी परांजपे को यह जिम्मेदारी सौंपी है। वहीं शनिवार को देवास जिले के पार्टी पदाधिकारी प्रीतम सिंह सोलंकी को पार्टी से निष्कासित कर दिया है।

भाजपा का वर्किंग सिस्टम है- मध्यप्रदेश महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद अश्विनी परांजपे ने कहा कि बीते 25 सालों से राजनीति में हूं। अखिल विद्यार्थी परिषद से राजनीति शुरू करने के बाद संगठन ने कई अलग-अलग जिम्मेदारी दी, जिसका निर्वहन किया और लगातार कोशिश भी की गई। अब जबकि संगठन ने नई जिम्मेदारी दी, तो उसका ना सिर्फ निर्वहन होगा, बल्कि महिलाओं के

उत्थान और पार्टी के हित में सभी को साथ में लेकर काम किया जाएगा।

अश्विनी परांजपे का कहना है कि भारतीय जनता पार्टी एक ऐसा राजनीतिक संगठन है, जिसका अपना एक वर्किंग सिस्टम है, और मैं उसमें खरा उतरने की कोशिश करूंगी। उन्होंने कहा कि हम कैडरबेस ऑर्गनाइजेशन के वर्कर है, और उसी के आधार पर काम करेंगे।

संगठन के शीर्ष नेतृत्व का धन्यवाद- भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष बनी अश्विनी परांजपे ने संगठन की और से सौंपी गई जिम्मेदारी पर सभी का धन्यवाद दिया है। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी,राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल और मुख्यमंत्री मोहन यादव, संगठन मंत्री का आभार व्यक्त करती हूं कि एक नई जिम्मेदारी सौंपी है। मध्यप्रदेश में हमारा मोर्चा महिला के उत्थान और उनके हर सुख-दुख में हमेशा साथ खड़ा रहेगा।

ऐसा रहा है कार्यकाल- अश्वनी 2000 से 2014 तक अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद में नगर मंत्री के बाद प्रदेश मंत्री और राष्ट्रीय कार्यकारणी सदस्य के पद पर नियुक्त रहीं। 2014 में पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी के चुनाव की बागडोर अमेठी में संभाली थी। अश्वनी परांजपे 2015 में महिला मोर्चा की सदस्य बनीं फिर इसी साल जबलपुर महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष बनी। 2015 से 2019 से अश्वनी परांजपे महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष रहीं। इसके बाद 2019 में ही महिला मोर्चा की प्रदेश महामंत्री बनी, और वर्तमान में अश्वनी परांजपे इसी पद पर हैं।

सड़क किनारे खड़े युवकों पर चढ़ी बस, चारों की मौत

मृतकों में दो सगे भाई, एक इकलौता बेटा, सागर के रहली में हादसा

सागर (नप्र)। सागर में निजी बस ने सड़क किनारे खड़े युवकों को टक्कर मार दी। हादसे में सभी की मौत हो गई। इनमें दो सगे भाई थे। एक्सीडेंट रहली थाना इलाके के अनंतपुरा गांव के पास हुआ है। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि युवक उछलकर काफी दूर जा गिरे। पुलिस ने बस को जब्त कर लिया है और शवों को पोस्टमार्ट्म के लिए भेजा है।

पुलिस के अनुसार, युवक अनंतपुरा गांव से सिमरिया हर्राखेड़ा की ओर जा रहे थे। रास्ते में सड़क किनारे खड़े हो गए। बस सिमरिया से होते हुए दमोह जा रही थी।

हादसे में शिवम पिता रामचरण पाल (18), सत्यम पिता रामचरण पाल (17), प्राशू उर्फ प्रशांत पिता खुमान पाल (14) और उमेश पिता चेतू पाल (16) की मौत हो गई।

इकलौते बेटे की मौत

सत्यम और शिवम सगे भाई थे। प्रशांत अपने परिवार का इकलौता बेटा था, उसकी एक बहन है। उमेश दो भाईयों में छोटा था।

सत्यम पाल

उमेश पाल

प्रशांत पाल

शिवम पाल

मृतकों के परिवार से मिले विधायक

हादसे की सूचना मिलते ही देवरी विधायक बृजबिहारी पटेरिया घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने मृतकों के परिजनों से मुलाकात कर सांत्वना दी। विधायक पटेरिया ने बताया कि वे बंडा में होने वाले मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे, लेकिन घटना की खबर मिलते ही वहीं से लौटकर मौके पर पहुंच गए। विधायक ने कहा कि एक ही परिवार के चार बच्चों की दर्दनाक मौत बेहद दुखद है। पीड़ित परिवार की हरसंभव मदद की जाएगी। मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर मृतकों के परिजनों को सहायता राशि देने की मांग भी की है।

सड़क किनारे खड़े होकर बात कर रहे थे चारों

मृतकों के चाचा भगवानदास ने बताया कि भैंसों की तलाश करने भतीजे घर से निकले थे। वे खेत के बाहर रोड किनारे खड़ी बाइक के पास आकर खड़े हो गए। यहां वह आपस में बातचीत कर रहे थे। तभी तेज रफ्तार बस ने टक्कर मार दी। इसके बाद भाई रामचरण ने पुलिस को सूचना दी।